हरियाणा विधान सभा

की कार्यवाही

21 मार्च, 1988

खण्ड 1, अक 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 21 मार्च, 1988

पृष्ठ संख्या

तामिलनाडू विधान सभा के माननीय अध्यक्ष का स्वागत	(4)1
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)1
नियमें 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(4)27
विभिन्न विषयों का उठाया जाना	(4)38
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव –	
भिवानी जिले में चारे के अनुदान को कथित रूप से रोकने संबंधी,	(4)39
वक्तव्य–	
राजस्व मन्त्री द्वारा जिला सोनीपत में ओलावृष्टि से नष्ट हुई रबी फसल सम्बन्धी	(4)40
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(4)42

बिल्ज (इन्ट्रोडयूस्ड सदन की अनुमति से)–	
(1)दि पंजाब लेबर वैलफेयर फण्ड (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988	(4)43
(2)दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैंडमैंट)बिल, 1988	(4)43
(3)दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुलेशन एंड डिवैल्पमैंट)अमैंडमैंट बिल, 1988	(4)7 44
(4)दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988	(4)44
(5)दि हरियाणा अर्बन (कन्ट्रोल औफ रैंट एंड एविक्शन)अमैंडमैंट बिल, 1988	(4)45
(6)दि पंजाब होम्योपैथिक प्रैक्टीशनर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988	(4)46
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)46
राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर मतदान	(4)79

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 21 मार्च, 1988

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ़ में 1 4–00 बजे हु ई। अन्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा)ने अध्यक्षता की।

तामिलनाडू विधान सभा के माननीय अध्यक्ष का स्वागत

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, बहुत ही खुशी की बात है कि तामिलनाडू असैम्बली के स्पीकर साहब, मि० पीछ एच० पांडियान, आज हमारे बीच में मौजूद हैं और हरियाणा विधान सभा की प्रोसीडिंग्ज देख रहे हैं। मैं सारे हाउस की ओर से उनका स्वागत करता हूं। (तालियां)तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Nomination for H.C.S.

***323. Shri Parma Nand :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of Class-III officials nominated for H.C.S. during the period from 1966 to-date;

(b) the number of officials, out of those as referred to in part (a) above, belonging to Backward Classes;

(c) whether the number of officials belonging to Backward Classes, as referred to in para (b) above, was according

to the reservation fixed for them; and

(d) if not, whether there is any proposal under the consideration of the Government to nominate more such employees to make up the deficiency, if any, in the H.C.S. cadre ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) :

(a) 23

(b), (c) & (d) : There is no reservation for Scheduled Castes/ Backward Classes/ Ex-servicemen for recruitment through nomination to the H.C.S. (Executive Branch).

श्री परमा नन्दः स्पीकर साहब, हैने अपने सवाल के पार्ट वी में यह पूछा था कि पार्टी ए में जो पद बताए गए हैं उनमें से बैकवर्ड क्लासिज के कितने आदमी एच० सी० एस० के लिए नौमिनेट किए हैं? उसका उत्तर मन्त्री महोदय ने नहीं दिया। क्या उसका उत्तर अब देंगें?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, 1966 से लेकर अब तक एच० सी० एस० के लिए जितने आदमी नौमिनेट किए गए हैं वे 23 हैं और उनमें से बैकवर्ड क्लास का कोई नहीं है।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जिस समय हर डिपार्टमैंट से औफिशियल्ज को एच० सी० एस० के लिए नौमिनेट करने के लिए नाम मांने जाते हैं, उस समय – क्या क्या क्यालिफिकेशंज और रिक्वायरमैंट सामने रखी जाती हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब लिखित रूप में कोई क्राइटेरिया लेड डाउन नहीं है परन्तु जिस किसी औफिशियल की इस

पोस्ट पर नौमिनेशन करनी होती है उसकी सीनियोरिटी और मैरिट का ध्यान रखा जाता है।

श्री परमा नन्दः स्पीकर साहब, हरियाणा और पंजाब का बंटवारा हुए 21 साल हो गए हैं क्या मन्त्री जी बताएंगे कि इतने लम्बे अर्से के दौरान इस पोस्ट के लिए बैकवर्ड क्लास का कोई आदमी नहीं मिला जो सीनियोरिटी मैरिट या दूसरी ए० सी० आर० वगैरह की पूर्ति पूरी करता हो?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पिछले 21 साल में मैं और माननीय सदस्य थी परमानन्द जी अधिकतर सरकार से बाहर ही रहे हैं हमें इन बैचों पर बैठने का बहुत ही कम मौका मिला है।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, यह सवाल बैकवर्ड क्लासिज और हरिजनों के बारे में है। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जिस समय किसी आदमी को इस पोस्ट के लिए नौमीनेट करना होता है क्या उस समय बैकवर्ड क्लास और हरिजन लड़के लड़कियों को कनसैशन देने के लिये कोई विचार किया जाता है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इस पोस्ट पर जो नौमिनेशन की जाती है वह आलरेडी जो व्यक्ति इन सर्विस हैं उनकी रिपोर्टस के आधार पर मैरिट बनती है। इस पोस्ट के लिये कोई नया कम्पीटिटिव ऐग्जाम नहीं होता है। मैरिट के आधार पर ही नौमिनेशन की जाती है।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि एच० सी० एस० में नौमिनेट करने के लिए क्या सरकार शड्यूल्ड कास्टस, बैकवर्ड क्लासिज और ऐक्स सर्विसमैन को रिजर्वेशन देने के बारे में कोई विचार करेगी या ऐसी कोई बात सरकार के विचाराधीन है? क्या सरकार मण्डल आयोग, की रिपोर्ट लागू करेगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस बारे में एक फाईल चली हुई है और यह मामला सरकार के विचाराधीन है। लेकिन जब तक फाईनल फैसला नहीं हो जाता मण्डल आयोग की रिपोर्ट कैसे लागू हो सकती है?

श्री टेक चन्दः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि एच० सी० एस० की नौमिनेशन के लिये क्या पीजैटरी क्लास के लिए भी रिजर्वेशन का कोई प्रस्ताव सरकार? के विचाराधीन है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, बैकवर्ड क्लास और शड्यूल्ड कास्टस के लोग भी पीजैटरी क्लास में आ जाते हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने बताया कि इस पोस्ट पर नौमिनेशन के लिये सीनियोरिटी और मैरिट को आधार माना जाता है। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि इन बातों के अलावा और कौन–कौन सी बातों पर विचार किया जाता है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैरिट का आधार सीनियोरिटी. हो सकती है और उसकी रिपोर्टस आउट स्टैंडिंग हो

सकती हैं। इस्के अलावा माननीय सदस्य कोई सुझाव देंगे तो उस पर सोचा जा सकता है।

B.D.Os./Panchayats in Ambala District

***341. Shri Bhag Mal :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) the total number of Block Development Office rs in Ambala District togetherwith block-wise total num ber of Panchayats, as on 31-12-1987;

(b) the block-wise number of such Panchayats, out of those as referred to in part (a) above, which have Revenue Officers at places other than the Block Headquarters; and

(c) the number of Panchayats, out of those as referred to in part (a) above, which belong to Sadhaura Constituency and are now under Chhachhrauli Block as also of those which belong to Jagadhri and Chhachhra Constituencies but are now under Bilaspur Block, respectively ?

विकास मन्त्री (श्री हुक्म सिंह):

(क)जिला अम्बाला में 9 खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में 31–12–87 को पंचायतों की संख्या निम्न प्रकार से है:–

क्रम संख्या	खण्ड का नाम	पंचायतों की संख्या

1.	अम्बाला	128
2.	बराड़ा	110
3.	बरवाला	41
4.	बिलासपुर	67
3.	छछरौली	84
6.	नारायणगढ़	102
7.	जगाधरी	127
8.	रायपुर रानी	70
9.	पिन्जौर	51
		778

(ख)निम्नलिखित पंचायतों के खंड व राजस्व अधिकारी के मुख्यालय भिन्न भिन्न स्थानों पर हैं:––

क्रम संख्या	खंड का मुख्यालय	पंचायतों की संख्या
1.	बराड़ा	35
2.	बरवाला	41

3.	बिलासपुर	34
4.	छछरौली	17
5.	नारायणगढ़	34
8.	रायपुर रानी	13
7.	पिन्जौर	51

(ग)सदौरा निर्वाचन क्षेत्र की 9 पंचायतें छछरौली खण्ड में, जगाधरी निर्वाचन क्षेत्र की 9 पंचायतें बिलासपुर खण्ड में और छछरौली निर्वाचन क्षेत्र की 8 पंचायतें बिलासपुर खण्ड में हैं।

श्री भाग मलः स्पीकर साहब, अभी मन्त्री महोदय ने जवाब के ग भाग में बताया है कि सढौरा निर्वाचन क्षेत्र की 9 पंचायतें छछरौली खंड में पड़ती हैं और जगाधरी निर्वाचन क्षेत्र की 9 पंचायतें बिलासपुर खंड में पड़ती हैं। मैं मन्दी जी से जानना चाहता हूं कि सढौरा निर्वाचन क्षेत्र की जो पंचायतें छछरौली खण्ड में पड़ती हैं और जगाधरी निर्वाचन क्षेत्र की जो पंचायतें बिलासपुर खंड में और छछरौली निर्वाचन क्षेत्र की जो पंचायतें बिलासपुर खंड में पड़ती हैं क्या उनको अलग अलग खंडों में रखने के बजाये राजस्व रिकार्ड के मुताबिक उन्हीं कांस्टिच्यूसीज में रखा जायेगा?

श्री हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, एक एक तहसील में 2– 2 और 3– 3 खंड पड़ते हैं। इसलिए यह संभव नहीं है कि उनका

मुख्यालय वहां हो जहां राजस्व अधि– कारी हैं। एक तहसील का एरिया 50– 60 किलोमीटर लम्बा होता है, इसलिए यह संभव नही है।

श्री भाग मलः क्या मन्त्री जी यह बतायेंगे कि जो छछरौली की पंचायतें बिलासपुर में हैं या सढ़ौरा की कुछ पंचायतें छछरौली ब्लॉक में हैं इनको आपस में बदला जायेगा?

श्री हुक्म सिंहः जब ब्लॉकों का गठन किया गया उस समय यह बात मद्देनजर रखी गई थी कि एक खंड में जितने गांव पड़ते हैं उनको एक सब–डिवीजन के अन्दर लिया जाये। ऐसा कोई नियम नही है कि असैम्बली के निर्वाचन क्षेत्रों को भी एक ही खण्ड के अन्डर रखा जाये। कई निर्वाचन क्षेत्रों की लम्बाई 100 किलोमीटर तक भी पड़ती हैं। इसलिये यह संभव नहीं है कि एक निर्वाचन क्षेत्र में जितने गांव आते हैं वे एक ही खण्ड में रखें जायें?

डा० बृज मोहनः मन्त्री जी ने अपने जवाब में माना है कि जगाधरी ब्लाक में सबसे ज्यादा पंचायतें हैं। मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि जो पंचायतें एक दूसरे खण्ड के क्षेत्र में पड़ती हैं क्या उन पंचायतों को उन्ही निर्वाचन क्षेत्रों के खण्डों में बाईफरकेट करने का मामला विचाराधीन है।

श्री हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, मैं पहले ही बता चुका हूं कि कई निर्वाचन क्षेत्रों की लम्बाई 100– 100 किलोमीटर पड़ती है और उनकी आबादी 60 हजार से एक लाख तक होती है इसलिये यह संभव

नहीं है कि एक क्षेत्र में पडने वाली पंचायतें उसी क्षेत्र के खण्ड में आयें।

श्री कैलाश चन्द शर्माः अध्यक्ष महोदय, कुछ गांव अभी भी ऐसे हैं जहां पर न तो कोई पंचायत है और न ही वे गांव किसी पंचायत के अधीन आते हैं। मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ऐसे गांवों में पंचायतों के चुनाव होने से पहले वहां पर पंचायतें बनाने या उन गांवों को किन्हीं पंचायतों के अधीन किया जायेगा क्योंकि मेरे हल्के में सेकपुरा और सुभाष नगर ऐसे दो गाव हैं जो न तो किन्हीं पंचायतों के अधीन हैं और न ही वहां पर अपनी कोई पंचायत है।

श्री हूक्म सिंहः स्पीकर साहब, जिन गांवों का ये नाम ले रहे हैं वे नारनौल म्यूनिसिपल कमेटी के अन्डर आते हैं।

श्री कैलाश चन्द शर्माः ये गांव तो उस कमेटी में भी नहीं आते।

श्री भाग मलः अध्यक्ष महोदय, सढौरा ब्लौक 1985 से पहले का बना हुआ है। मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सढौरा और नारायणगढ़ ब्लौक को तोड़ कर कोई सैपरेट ब्लौक बनाया जायेगा?

श्री हुक्म सिंहः ऐसा कोई मामला सरकार के विचाराधीन नहीं है।

श्री रघु यादवः रिवाड़ी क्षेत्र के जो 10–12 गांव बावल खण्ड के क्षेत्र में पड़ते हैं और बावल क्षेत्र के जो 10– 12 गांव रिवाड़ी क्षेत्र

के खण्ड में पड़ते हैं क्या ऐसे गांवों को सम्बन्धित खण्डों में अदला बदला के लिए सरकार तैयार है?

श्री हुक्म सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं पहले ही बता चुका हूं कि एक हल्के के लिए अलग से एक खण्ड बनाना संभव नहीं है।

Filling up of vacancies in Faridabad Complex

***381. Shri Udai Bhan :** Will the Deputy Chief Minister be pleased to state the categorywise number of vacancies lying vacant, if any, out of the reserved quota in the Faridabad Complex together with the time by which these are likely to be filled ?

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): फरीदाबाद मिश्रित प्रशासन में आरक्षित कोटे के अन्तर्गत खाली पड़ी रिक्तियों कें सबंध में वांछित सूचना श्रेणीवार अनुबंध ए में सदन के पटल पर देश है।

अनुबन्ध ए

अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति, भूतपूर्व सैनिक और विकलांगों के लिये आरक्षित कोटे के अन्तर्गत जो पद फरीदाबाद कम्पलैक्स प्रशासन में रिक्त पड़े हुए हैं। उनका विवरण इस प्रकार से है –

कं० स०	कैटेगरी का नाम	आरक्षित कैटेगरी के पदों	अनुसूचित	भूतपूर्व	पिछड़ी	विकलांग

		की सं०								
			भरे	खाली	भरे	खाली	भरे	खाली	भरे	खाली
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	क्षेत्रीय एवं कर अधिकारी अधीक्षक	3		2				1		
2	लीडिंग फायर मैन	3		2				1		
3	फायरमैन	20	5	4	6	1	1			
4	फायर बिग्रेड ड्राईमर	9	3	2	4					
5	व्हीकल ड्राईवर	18	8		6					
6	क्राफ्ट टीचर	3		1		2				
7	ए० एन० एस०	2	1			1				
8	जुनियर लाईप्रेरियम	1.				1				
9	रोड रोलर	1				1				

	ड्राईवर									
10	ए० एफ० एस० ओ०	1								
11	अटैन्डैट	1								
12	वरिष्ठ सफाई निरीक्षक	1	1							
13	सहायक सफाई निरीक्षक	7	3		1	2	1			
14	सैनिटरी दरोगा	13	12		-		1			
15	बैक्सीनेटर	6	2			3	1			
16	इन्सैक्ट सुपरवाईजर	3	1		1	1				
17	सफाई निरीक्षक	4	1	1	1	1				
18	सहायक मलेरिया निरीक्षक	1				1				
20	सहायक फील्डवर्कर	30		12		10		6		2

21	सैनिटरी सुपरवाईजर	3	1		1	1				
22	पम्प क्लीनर / क्लीनर	6	2			3				
23	हैड सीवरमैन	3	1							
24	सीवरमैन	48	40		8					
25	डीजल इंजन ड्राईवर	2	1		1					
26	फीटर ग्रेड – 11	5	2		2		1			
27	टयूबबैल ड्राईवर	136	29	26	22	25	12	15	3	4
28	मीटर मैकेनिक	2		1		1				
29	मैकेनिक	2		1		1				
30	माली –कम–चौकीदार,	10	2	2	2	2		2		
31	हैल्पर टू मैकेनिक	4		2						
32	मैसन	2	1		1					

33	ड्राफ्टमैन	1				1				
34	रोड इन्सपैक्टर	4	1	1		2				
35	सर्वेयर	1				1				
36	खोजना सहायक	1				1				
37	खलासी	1			1					
38	सहायक / सहायक चुंगी अधीक्षक / स्टोर कीपर इत्यादी	12	4	1	4		3			
39	स्टैनोग्राफर	1			1					
40	लिपिक	116	46			39	18	6	7	
41	स्टैनो –टाईपिस्ट	4		2		2				
42	सहायक ड्राफ्टमैन	1			1					
43	बिल डिस्ट्रीब्यूटर / चपरासी /	74	29		15	11	14	1	4	

44	चौकीदार	7	1	2	3		1			
45	चुंगी / गृहकर / जलकर निरीक्षक लेखा लिपिक	13	9				4			
46	पटवारी	4	1	1	1	1				
47	बेलदार	30	11	5		14				
48	सहायक अभियन्ता (नागरिक)	1				1				
49	जुनियर इंजीनियर (सिविल) / भवन निरीक्षक	11	2	2	2	2	3			
50	जूनियर इंजीनियर (मैंकेनिकल)	1			1					
51	जूनियर इंजीनियर				1					

	(इलैक्ट्रीकल)									
52	जूनियर इंजीनियर (उद्यान)	1			1					
53	उद्यान निरीक्षक बैड	4	1	1	1	1				
54	माली	2	2							
55	माली	50	13	7	7	10	7	3		
56	स्ट्रीट लाईट इन्सपैक्टर	5	2		1	1	1			
57	इलैक्ट्रीशियन	3	1		2					
58	सफाई कर्मचारी	632	253		159	56		126	10	28
	कुल	1332	493	79	257	205	71	166	27	34

भरे हुए और रिक्त पदों का सारांश

कैटेगरी	कुल	भरे हुए हैं	खाली पड़े हुए हैं
अनुसूचित जाति	572	493	79

भूतपूर्व सैनिक	462	257	205
पिछड़ी जाति	237	71	166
विकलांग	61	27	34
	1332	848	484

1. उपरोक्त खाली पदों में में 100 पदों को मार्च 1988 तक भर दिया जायेगा।

2. उपरोक्त सूची में क्रम संख्या 7,22, 30, 35, 41, 46, व 55 पर दर्शाए गये 41 पदों को स्थानीय रोजगार कार्यालय में अधिसूचित करवाया जा चुका है जिन्हें रोजगार कार्यालय से उम्मीदवारों के नाम प्राप्त होने पर जून, 1988 तक भर दिया जायेगा।

3. कम संख्या 4, 21, 27, 34, 40 व 56 पर दर्शायं गये 128 पदों के विरुद्ध स्थानीय रोजगोर कार्यालय में रिक्तिया अधिसूचित कराई गई थीं परन्तु इस बीच इन पदों के विरुद्ध तदर्थ /दैनिक वेतनमान पर कार्यरत कर्मचारियों ने स्थानीय न्यायालय/उच्च न्यायालय से इन पदों को न भरने के लिए स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया है। अतः जब भी इस बारे कोर्ट द्वारा स्थगन आदेशों को वैकेट कर दिया जायेगा तो इन पदों को भर दिया जायेगा।

4. क्रम संख्या 1 व 2 पर दर्शाए गए 4 पद पदोन्नति द्वारा नहीं भरे गए क्योंकि निम्न श्रेणी के कैडर क्रमश अधीक्षक व सहायक के पद पर अनुसुचित जाति से संम्बन्धित कार्यरत कर्मचारी निर्धारित

योग्यताएं पूर्ण नहीं करते और जब भी निम्न श्रोणी के कैडर में कार्यरत कर्मचारी इन पदों के लिए योग्यत/ अनुभव पूर्ण कर लेंगे इन पदों को आरक्षण नीति के अनुसार भर दिया जायेगा।

5. 211 बाकी के रिक्त पदों को इस प्रशासन द्वारा शीघ्र भरने हेतु प्रयत्न किए जा रहे हैं।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि फरीदाबाद कम्पलैक्स में कुल 484 पद रिक्त पड़े हुए हैं और उन्होंने यह भी बताया है कि सौ पदों को मार्च, 1988 तक भर दिया जायेगा। क्या मन्त्री जी बताएंगे कि इन पदों को बाई प्रमोशन भरा जायेगा या किस प्रकार से भरा जायेगा और दूसरे जो बाकी 384 पद रिक्त पड़े हैं उन्हें कब तक भरा जायेगा?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय लिखित जवाब में लिखा हुआ है कि ये सब पद कब कब भरे जायेंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय मैं आपके द्वारा उप मुख्य मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जो रिक्त स्थान भरे हैं उनको भरने का क्या क्राइटेरिया है? डेली वेजिज पर, ऐडहौक बेसिज पर या रेगुलर बेसिज पर किस प्रकार से अप्यायंट मैट की गई हैं और आगे से कैसे करेंगे?

श्री बनारसी दास गुप्ताः इस उत्तर में केवल उन्हीं पदों की संख्या बतायी गई है जो रैगुलर भरे गये हैं। जो डेली वेजिज और ऐडहौक बेसिज पर भरे गये हैं वे इसमें नहीं दर्शाये गये हैं।

श्री परमा नन्दः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो भूतपूर्व सैनिकों के 462 पदों में से 205 पद रिक्त पड़े हैं और पिछड़ी जाति के 237 पदों में से 166 पद रिक्त पड़े हैं केवल 71 भरे गये हैं इन दो वर्गो की इतनी उपेक्षा क्यों की गई है। दूसरे जिन अधिकारियों ने इन पदों को नहीं भरा, क्या उनके खिलाफ कोई कार्यवाही की जा रही है या करने जा जा रहे हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, यदि ऐसा पाया गया कि बैकवर्ड क्लासिज के पद किसी अधिकारी की उपेक्षा के कारण खाली रहे हैं तो उसके खिलाफ जरूर कार्यवाही की जायेगी।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा उप–मुख्य मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि फरीदाबाद कम्पलैक्स में चुनाव कब करवायेंगे?

श्री बनारसी दास गुप्ताः इस सप्लीमैंटरी का इस प्रश्न से कोई सम्बन्ध नहीं नहीं है। अलग से नोटिस देंगे तो जवाब दे दिया जायेगा।

श्री योगेश चन्द शर्माः स्पीकर साहब, फरीदाबाद कम्पलैक्स में जनरल कैटेगरी के और रिजर्व कैटेगरी के आदमी सात–आठ साल से लगे हुए हैं लेकिन उन्हें रैगुलर नही किया गया। मैं उप–मुख्य मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि उन्हें कब तक रेगुलर करने की योजना हे?

श्री बनारसी दास गुप्ताः हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द इन सारी पोस्टों को रैगुलर भरें। जो डेली वेजिज या ऐडहौक बेसिज पर लगे हुए हैं उनको जल्दी रि–प्लेस कर दिया जाये और रैगुलर बेसिज पर लगा दिये जाये ऐसी हमारी कोशिश है।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मैं आपके जरिये उप मुख्य मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि मोड औफ अप्वायंटमैंट क्या होगा? क्या इसी तरह पकड़ पकड़ कर लगाने का विचार है या ऐम्पलाएमैंट ऐक्सचेंज से भुाई लेने का विचार है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, जो भी रिक्रुटमैंट का प्रोसीजर है उसी के मुताबिक ये स्थान भरे जायेंगे। जो ऐडहाक बेसिज पूर लगाये जायेंगे ये रोजगार कार्यालय से लगाये जायेंगे। ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंज को अधिसूचना भेजी हुई है और जो रैगुलर बेसिज पर लगाये जायेगे उनकी बाकायदा ऐडवरटाइजमैंट करके फिर सिलैक्शन की जायेगी।

श्री परमा नन्दः अध्यक्ष महोदय, अपने जवाब में उप–मुख्य मन्दी महोदय ने कहा है कि पोस्टें भिन्न भिन्न टाईप की हैं। क्या ये भिन्न भिन्न पोस्टें लोकल ऐम्पलायमैंट को ही भेजी मई हैं या सारे हरियाणा राज्य के ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेजिज को भेजी गई हैं।

श्री बनारसी दास गुप्ताः बात यह है कि फरीदाबाद काम्पलैपस एक सीमित दायरे का इन्स्टीच्यूशन है और हमारी यह नीति

है कि जिस दायरे बो अन्दर कोई स्कीम होगी उसी दायरे के लोगों को ही उस मे एम्पलायमैंट दी जाए।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अभी बताया है कि जो पोस्टें हैं, वें लोकल ऐम्पलायमैट ऐक्सचेन्ज के द्वारा ही भरी गईं शै लेकिन ऐसी पोस्टें जिन के लिए लोकल ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंज में अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों और भूतपूर्व सैनिकों के आरक्षित पदों के लिए व्यक्ति उपलब्ध नहीं होते क्या उन आसामियों के लिये रिक्विजिशन हरियाणा राज्य के अन्य ऐम्पनायमैंट ऐक्सचेंजिज में भेजी जाती हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ता: जो टैक्निकल पोस्टें हैं और वहां पर आसामिया उपलब्ध नहीं है उन पोस्टों को बाकायदा ऐडवरटाईज किया जाता है और उसमें सारे हरियाणा राज्य के सभी प्रकार के लोग ऐप्लाई कर सकते हैं।

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इन से यह पूछना चाहता हूं कि ये ऐडहाक बेसिज पर आदमी क्यों लगाते हैं और इन आदमियों को एस० एस० एस० बोर्ड के द्वारा क्यों नहीं लेते?

श्री बनारसी दास गुप्ता: मेरे दोस्त खुद मन्त्री रहे हैं और इन को प्रशासन का अनुभव भी है। जो स्थान खाली होते हैं और जिन्हें जल्दी भरने की जरूरत होती है, वहीं पर ही ऐडहाक आदमी लगाए जाते हैं क्योंकि यदि एस० एस० एस० बोर्ड के माध्यम से आदमी लगाये

जाएं तो सिलैक्शन में कम से कम 6–7 महीने का समय लग जाता है जिससे काम बड़ा सफर करता है।

श्री टेक चन्दः अध्यक्ष महोदय, जो व्यक्ति डेली वेजिज या ऐडहौक बेसिज पर 7–8 वर्ष से लगातार सर्विस में हैं उन को रैगुलर आदमियों से रिप्लेस किया जाएगा। लेकिन मैं मती जी से पूछना चाहूंगा कि उनकी आजीविका का क्या होगा जोकि ओवर ऐज हो चुके हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ताः इस सरकार से जो पिछली सरकार थी, पिछले सात–आठ साल से उसकी यही नीति रही है। उन्होंने ऐम्पलायमैंट में सही प्रोसीजर ऐडाप्ट नहीं किया और अपने आदमियों को लगा लिया जो कि डेली वेजिज/ऐडहौक पर चलते रहे। ऐसे जैनुअन केसिज जो डेली वेजिज/ऐडहौक बेसिज पर लगे हुए हैं, उनमें से जो व्यक्ति ओवर ऐज हो चुके हैं उनकी संख्या काफी है। ऐसे सभी केसों को रैगुलर करने के लिए सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अपने जवाब में मन्त्री महोदय ने लिखा है कि जो 100 पद रिक्त हैं, उन्हें 31 मार्च, 1988 तक भर दिया जाएगा। आज 21 मार्च तो हो चुकी है। इन रिक्त पदों को भरने के लिए अब तक क्या कार्यवाही हुई है और इन दस दिनों के बाकी समय में क्या यह काम हो जाएगा?

श्री बनारसी दास गुप्ताः मेरे साथी ने यह भी पढ़ा होगा कि रोजगार कार्यालयों को हमने रिक्विजीशन भेजी हुई है और यह काम बड़ी ऐडवान्स स्टेज पर है।

चौधरी तैयब हुसैनः मौजूदा सरकार ने पहली सरकार से. जब से चार्ज सम्भाला है, उसके बाद डेली वेजिज/ऐडहौक पर कितने आदमियों की रिक्रूटमैंट की है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः आप किस विभाग के बारे में पूछना चाहते है।

चौधरी तैयब हुसैनः फरीदाबाद काम्पलैक्स के बारे में ही बता दिया जाए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः ये हमें बता दें कि यह किस बारे में पूछना चाहते हैं?

चौधरी तैयब हुसैनः पिछली सरकार के बाद आपने क्या काम किया है? मैं इन से यह जानना चाहता हूं कि इन्होंने फरीदाबाद काम्पलैक्स में जो व्यक्ति डेली वेजिज/ऐडहौक पर लगा रखे हैं, उनको रैगुलर करने के बारे में क्या पग उठाए हें?

सिचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): यह पूछना कुछ नही चाहते सिर्फ अपना पसीना पोंछना चाहते हैं। (हंसी)

श्री बनारसी दास गुप्ताः इसका जवाब मैं पहले दे चुका हूं।

Facilities provided by Haryana Roadways

***461 Shri Surinder Kumar Madan :** Will the Minister of State for Transport be pleased to state whether any additional facilities have been provided for the passengers by the Haryana Roadways during the period from July, 1987 to December, 1987; if

so, the details thereof ?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री धर्मवीर सिंह): हां, इस समय के दौरान कई सुविधायें जुटाई गई हैं, जैसा कि महिलाओं के लिये 10 सीटें आरक्षित करना, साक्षात्कार के लिये जाने वाले बेरोजगारों को मुक्त यात्रा सेवा, डबवाली और सिरसा में नये बस स्टैण्ड का बनाया जाना तथा हिसार, सिरसा, भिवानी और नारनौल से चण्डीगढ़ तथा देहली के लिये सैमीडीलक्स सेवाओं का चलाया जाना।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदान: अध्यक्ष महोदय, बस स्टैंडज पर पीने के पानी की सुविधा नहीं है और वहां पर जो ठेकेदार दुकानदारी करते हैं वे भी लोगों की जेबें काटते हैं। क्या इस बारे में सरकार ने विचार किया है कि लोगों को सस्ते मूल्यों पर खाने पीने का सामान मिले या जनता भोजनालय खोले जाएं?

श्री धर्मवीर सिंह: स्पीकर साहब, हर बस स्टैंड पर पीने के पानी की सुविधा है। खास कर गर्मियों में पीने के पानी के प्याऊ लगाते हैं और इस काम के लिए वर्कर्ज को भरती करते हैं। जहां तक दुकानदारों की बात है, हर एक दुकान पर चीजों की रेट लिस्ट लगी होती है।

श्री मंगल सैन: मन्त्री जी ने बताया कि हिसार, भिवानी, सिरसा और नारनौल से चण्डीगढ़ तथा दिल्ली के लिए सैमी डिलक्स बसें चलाए जाने की सुविधा है। क्या रोहतक को भी इसमें शामिल करेंगे?

श्री धर्मवीर सिंहः स्पीकर साहब, जहां जहां से चलाने की आवश्यकता समझी जाएगी, वहां से हम चलाने की कोशिश करेंगे।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं परिवहन मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या बसों के अन्दर नौन स्मोकिंग का कड़ाई से पालन करवाया जाएगा या बसों में स्मोकिंग जोन अलग करने का प्रावधान करेंगे?

श्री धर्मवीर सिंहः स्पीकर साहब, बसों में बीड़ी पीना मना है। यह सामाजिक बुराई भी है। सरकार की पूरी कोशिश है कि बसों में धूम्रपान न हो।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, सोनीपत जिला हैडक्वार्टर है, वहां से कोई भी डिलक्स या सैमी डिलक्स बस न दिल्ली के लिए और न चण्डीगढ़ के लिए चलती है। इसलिये मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या वहां से भी बस चलाएंगे?

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिये। यह सवाल मेन सवाल से सम्बन्ध नहीं रखता।

श्री महा सिंहः अध्यक्ष महोदय, हर बस स्टैंड पर जो दुकानें हैं वहां पर उपभोक्ता को सब–स्टैडर्ड की चीजें मिलती हैं। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या ऐसे दुकानदारों के खिलाफ सरकार कोई कार्यवाही करेगी?

श्री धर्मबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, जहां से भी ऐसी शिकायत आएगी, हम उसकी जांच करवायेंगे। अगर कोई दुकानदार दोषी पाया जाएगा तो उसका लाइसंस कैंसिल कर दिया जाएगा।

श्री नर सिंह ढांडाः स्पीकर साहब, क्या मन्त्री जी बताएंगे कि जो नौजवान हरियाणा से दिल्ली में इन्टरव्यू देने के लिए जाएंगे उनका भी आने जाने का किराया माफ किया जाएगा?

श्री धर्मवीर सिंहः उनके लिए ऐसा प्रावधान नही है।

श्री जगन नाथः क्या मन्त्री जी बताएंगे कि जून, 1986 से फरवरी, 1987 और जून, 1987 से फरवरी, 1988 तक हरियाणा रोडवेज को कितना प्रोफिट रहा।

श्री धर्मबीर सिंहः पिछले पीरियड के मुकाबले में इस पीरियड में हमने तकरीबन 50 प्रतिशत इन्क्रीज की है।

श्री परमा नन्दः अध्यक्ष महोदय, बस स्टैड्ज पर सैनीटेशन की बहुत ही बुरी हालत रही हे। जून, 1987 तक ऐसा रहा है। उसके बाद कौन–कौन से कदम इस सरकार ने उठाए हैं ताकि सैनीटेशन को सुधारा जा सके। क्या इस बारे में कोई इंस्ट्रक्शन्ज इशू की गयी है कि शौचालय इत्यादि की सफाई किस तरह से की जाये, अगर नहीं तो क्यों नही की गयी है?

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, बात ऐसे है कि जहा से शिकायत आती है, वहां पर हम अलग से स्टाफ/सफाई कर्मचारी लगाते हैं ताकि वहां पर सफाई वगैरा की जा सके।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मैं राज्य मती महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि इस साल में कितने नये बस अड्डे और चालू किये जायेंगे? डबवाली और सिरसा के बारे में तो इन्होंने बता दिया है। (व्यवधान व शोर)

Mr. Speaker : Arya Sahib, the question does not relate to the construction of Bus Stands.

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, बस–स्टैड्ज के नाम इसमें दे रखे हैं। यह तो मैं लोगों की सुविधा के लिये पूछ रहा हूं।

श्री धर्मवीर सिंहः इसके अलावा नारायणगढ़, नूह, फिरोजपुर झिरका और बल्लभगढ में भी बस–स्टैड्ज तैयार हैं। कुछ चला दिये हैं और कुछ चलाने जा रहे हैं।

श्री कैलाश चन्द शर्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह बताया है कि चंडीगढ़ से नारनौल तक सैमी–डिलक्स बस चलायी गयी है। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि वह बस अभी भी चल रही है या नहीं? अगर नहीं, तो क्यों बन्द कर दी गयी है?

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, नारनौल से चंडीगढ़ की बस चलायी गयी थी। वहां से लोग सैमी–डिलक्स बस में आना ही नहीं

चाहते। केवल 6–7 आदमी आते थे। इसलिये वह अब बन्द कर दी गयी है।

श्री नर सिंह ढांडाः स्पीकर साहब, हरियाणा के लोग जो इन्टरव्यू के लिये फरीदाबाद या रिवाड़ी दिल्ली से होकर जाते हैं उनको किराया नहीं देना पडता और जबकि हरियाणा के ही लोग अगर दिल्ली में इन्टरव्यू देने के लिये जाते हैं तो किराया देना पड़ता है। क्या सरकार के विचाराधीन कोई ऐसी बात है कि ऐसे लोगों को भी किराया न देना पड़े?

श्री धर्मबीर सिंहः दिल्ली के लिये कोई बात विचाराधीन नही है।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, अगर हमारे बोर्ड या पब्लिक सर्विस कमीशन की इन्टरव्यू दिल्ली में रखी जाती है तो दिल्ली का किराया माफ होता है। अगर चण्डीगढ़ रखी जाती है तो चंडीगढ आने वाले कैंडीडेट्स का भी किराया माफ होगा।

श्री हरनाम सिंहः स्पीकर साहब सारे जिला हंडक्वार्टर्ज पर बस–डिपो है। क्या मत्री जी बताएंगे कि कुरुक्षेत्र में भी कोई बस–डिपो जल्दी ही खोल दिया जायेगा?

श्री धर्मबीर सिंहः कुरुक्षेत्र जिले में कैथल के अन्दर डिपो है और कुरुक्षेत्र के लिये हम जल्दी ही खोलने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री शिव प्रशादः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जिला हरियाणा का केन्द्रीय स्थान है। वहां से दिल्ली के लिये कोई भी सैमी–डिलक्स वस नहीं जाती। क्या सरकार के विचाराधीन कोई ऐसी बात है कि अम्बाला शहर से दिल्ली के लिये भी कोई सैमी–डिलक्स बस चलायी जाये और दिल्ली से चंडीगढ़ और चंडीगढ़ से दिल्ली जो बसें आती–जाती हैं, उनके रुकने के लिये बलदेव नगर कैम्प, जो अम्बाला शहर की आउटर बांउडरी पर पड़ता है, में भी व्यवस्था की जाये।

श्री धर्मबीर सिंहः चंडीगढ़ और दिल्ली के बीच में जो बसें चलती हैं, वह अम्बाला होकर जाती हैं, सैमी–डिलक्स बसें वहां से गुंजरती हैं इसलिये अम्बाला के लिये कोई अलग से आवश्यकता नहीं है। विधायक महोदय ने अब यह बात कही है कि बलदेव नगर कैम्प में भी बस रुकनी चाहिये। इस पर हम विचार कर लेंगे!

श्री कुन्दन लाल भाटियाः मंत्री महोदय से मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या फरीदाबाद से भी सैमी–डिलक्स बस चलाने का इरादा है या नहीं? दूसरे फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एरिया है, क्या उसके अन्दर भी कोई लोकल बसें चलाने का सरकार का इरादा है या नहीं?

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, फरीदाबाद से सैमी–डिलक्स बस चलाने का मामला विचाराधीन है। जहां तक लोकल बसों की बात है, वह तो वहां पर पहले से ही चल रही हैं।

श्री कुन्दन लाल भाटियाः सारे सैक्टरों में नहीं जातीं। (व्यवधान व शोर)

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो बसें बस स्टैंड पर न खड़ी होकर सड़क के किनारे प्राईवेट –ढाबों पर खड़ी होती हैं उनके कर्मचारियों के खिलाफ कोई ऐक्शन लिया जाएगा?

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, जहां से भी कोई कम्पलेंट आती हैं हम उस कर्मचारी के खिलाफ ऐक्शन लेते हैं।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, होडल में पिछले अढ़ाई–तीन साल से सब–डिपो कागजों पर सैक्शन हुआ पड़ा है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उस सब–डिपो की कब तक बना दिया जाएगा?

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर साहब, होडल का केस सरकार के विचाराधीन नही है।

Grant of Revised Pay Scales

***261. Shri Harnam Singh :** Will the Deputy Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there are any categories of posts in the State whose pay scales have not yet been revised on the basis of the Report of the Fourth Pay Commission; if so details thereof; and

(b) the time by which their pay scales are likely to be revised ?

उप–मुख्य मत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता):

(क)जी नही

(ख)प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता।

श्री हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, ट्रांन्सलेटर्ज की जो कैटेगरी है यह टैक्नीकल कटेगरी है। उस पर ये वेतनमान लागू नहीं हुए पैं। क्या मन्की महोदय इस कैटेगरी पर भी वेतनमान लागू करने की कृपा करेंगे?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, कैंने जवाब दिया है कि सरकार के कर्मचारियों की कोई भी ऐसी कैटेगरी नहीं है जिस पर फोर्थ पे कमीशन की रिकमैन्डेशंज लागू न हुई हो।

श्री हरनाम सिंहः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या ट्रांसलेटर्ज पर भी फोर्थ पे कमिशन की रिकमैन्डेशज लागू हुई हैं?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब जब मैंने जवाब दिया है कि कोई भी बाकी नही रहा तो यह कैटेगरी भी उसमें शामिल है।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि राज्य सरकार के सेवा निवृत कर्मचारियों की भी फोर्थ पे कमिशन की रिकमैन्डेशज के अनुरूप पैन्शन बढाई गई है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, पैन्शनर्ज का केस सरकार के विचाराधीन है। इसके लिए एक कमेटी बनी हुई है और वह कमेटी उनके मामले पर विचार कर रही है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, रोहतक में मुझे पैन्शनर्ज मिले थे और उन्होंने अपनी मांग रखी थी। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उस कमेटी में कौन–कौन मैम्बर्ज हैं और वह कमेटी अपनी सिफारिशें कब तक दे देगी?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, उस कमेटी का चेयरमैन डिप्टी चीफ मिनिस्टर है और मैम्बर्ज हैं–इरीगेशन एंड पावर मिनिस्टर, डिप्टी चेयरमैन, प्लानिंग बोर्ड, चीफ सैक्रेटरी फाइनैसं सैक्रेटरी और प्रिंसीपल सैक्रेटरी टू चीफ मिनिस्टर। कमेटी की दो मीटिंग हो चुकी हैं और अभी मामला कमेटी के विचाराधीन है। जल्दी ही फैसला हो जाएगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, इस समय पैन्शनर्ज पुराने स्केल पर पैन्शन ले रहे हैं। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जब नए स्केल पर पैन्शन देने का फैसला किया जाएगा तो क्या इस पीरियड की बढ़े हुए दर पर पैन्शन दी जाएगी?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, पैन्शनर्ज की पैन्शन रिवाइज करने के बारे में कमेटी फोर्थ थे कमिशन की सिफारिशों पर ही विचार कर रही है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, हिमाचल और पंजाब में पैन्शनर्ज की पैन्शन बढ़ा दी गई है। क्या मन्त्री महोदय, उस ऐन्हांसमैंट को कंसीडर करके हरियाणा के पैन्शनर्ज को पैन्शन देंगे?

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, हम सारे मामलात को कसीडर कर रहे हैं। कमेटी की दो मीटिंग्ज हो चुकी हैं और अगली बैठक 24 तारीख को होने जा रही है। हम जल्दी ही निर्णय लेने जा रहे हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं उप–मुख्य मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जब सरकार ने फोर्थ पे कमीशन की रिपोर्ट को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया है तो फिर पैंशनर्ज के मामले में क्या रुकावट थी जिसके कारण से आप कुछ फैसला नहीं कर पाये?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, रुकावट कोई नहीं है। विचार कर रहे हैं, फैसला होने पर जल्दी ही अनाऊसमैन्ट कर दी जायेगी।

श्री टेक चन्दः अध्यक्ष महोदय, मैं उप मुख्य मन्त्री महोदय से आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि जैसे फोर्थ पे कमीशन की रिपोर्ट में इस बात का जिकर आया है कि क्लास थ्री और फोर के जो कर्मचारी हैं उनकी ऐ० सी० आरज० लिखने की कोई आवश्यकता नहीं है और इस बात को बंगाल सरकार ने तो लागू भी कर दिया है क्या हरियाणा सरकार भी ऐसा कैरने का कोई विचार रखती है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः मुझे समझ नहीं आ रही अध्यक्ष महोदय कि इस सवाल से यहं सप्लीमैंट्री कैसे पैदा हो गया है?

श्री अध्यक्षः ठीक है, इसका मेन क्वैश्चन से कोई सम्बन्ध नहीं है।

Submersible Tubewells

***363. Shri Hazar Chand :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the districtwise total number of submersible tubewells fitted with 15 to 25 H.P. engines running in the State ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to reduce the electricity duty charged on such Tube-wells ?

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क)हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड द्वारा इस प्रकार की सूचना नहीं रखी जाती (ख)कृषि कार्यों में प्रयुक्त नलकूपों के इलावा दूसरे सभी नलकूपों पर बिजली शुल्क लगता है। ऐसे नलकूपों पर बिजली शुल्क घटाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

श्री हजार चन्दः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जो गहरे पानी के कुएं हैं क्या उन पर चार्ज की जाने वाली बिजली की दरों में कोई रियायत देने का सरकार का विचार है, क्योंकि पहले जो शुल्क चार्ज किये जा रहे हैं उनके रेट्स काफी हाई हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः नहीं जी।

Supply of Electricity to Industrial Units in District Faridabad

***314. Shri Kundan Lal Bhatia : Will** the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to supply more electricity to the industrial units in district Faridabad: if so, the details thereof ?

सिचांई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, जिस समय यह जवाब भेजा गयो उस समय तक कोई प्रपोजल हमारे पास विचाराधीन नहीं थी, इसलिए हमने रिटर्न रिप्लाई में लिखा था कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। अब मैं उसमें मोडीफिकेशन करना चाहता हू कि फरीदाबाद में प्राईवेट सैक्टर में एक कैप्टिव पावर प्लांट लगाने के लिये बिजली बोर्ड ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे माननीय मन्त्री महोदय ने फरमाया कि जब यहप्रश्न आया था उस समय हमारे सामने एक नई स्कीम थी जोकि सरकार के विचाराधीन थी और वह तब तके तय नहीं हो पायी थी और अब उसको तय कर लिया गया है। उन्होंने यपने जवाब में बताया कि प्राईवेट सैक्टर में बिजली उत्पादन करने के लिये उन्होंने लाइसैन्स दिये हैं। तो मैं उन से यह जानना चाहता हू कि किस किस को लाईसैन्स दिये गये, उनके नाम क्यों क्या है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, फरीदाबाद टाऊन के बहुत सारे इंडस्ट्रियलिस्ट्स इसमें शामिल हैं। फरीदाबाद इंडस्ट्रियल ऐसोसिएशन के नाम से यह संस्था जानी जाती है। केवल उन्हीं को ही ये लाईसैन्स नही दिये गये बल्कि यह चौधरी देव। लाल जी की पहली सरकार है

जिस ने बिजली के संकट को हल करने के लिये खुली छूट दी हूँ कि कोई भी प्राईवेट तौर पर बिजली पैदा करना चाहेगा तो सरकार उसको सहयोग देगी। (तालियां)

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय यह बताएंगे कि प्राईवट सैक्टर वालों को बिजली उत्पादन करने की छूट देना क्या इनकी पब्लिक सैक्टर अडरटेकिंग की असफलता नहीं है? क्या सरकार इसको अपनी असफलता नहीं मानती है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे ख्याल में जब से यह मौजूदा सरकार का शासन चल रहा है तब से बिजली विभाग की बहुत सारे माननीय सदस्यों ने प्रशंसा की है। ऐसी परि– स्थितियों में भी जबकि वारिश नही हुई है और थर्मल प्लांट्स की कंडीशन, श्री तैयब हुसैन जी की सरकार जैसे छोड़ गई थी, खराब होते हुए भी हमारी सरकार ने इस में काफी सुधार किया है। पता नहीं क्या बात है कि आर्य साहब को कुछ और कहना सूझता ही नही णै। जब ऐमरजैन्सी में ये मास्टर शिव प्रशाद और हुकम सिंह जी के साथ जेल में थे तौ हर सुबह उठकर ये कहा करते थे कि 6 सालों तक नही छूटते, हमारे साथी उनको यह कहा करते थे कि अगर भूडी बातें करनी होती हैं तो दिन छिपे कर लिया करो। (हंसी)

श्री सीता राम सिंगलाः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि प्राईवेट सैक्टर में बिजली के उत्पादन का काम ही सौंपा गया या उसकी सप्लाई का काम भी उनके जिम्मे है। मैं मंत्री जी

से यह जानना चाहता हूं कि कैप्टिव पावर प्लांट लगाने के लिए क्या क्या शर्तें रखी गई हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, कैप्टिव पावर प्लांट लगाने के लिए हमने जो ड्राफ्ट तैयार किया है वह उस ऐसोसिएशन को भेज दिया और उसमें जो भी कंडीशज डाली हैं वे उनको भेज दी गई हैं। इस समय उन शर्तो के बारे में मैं विस्तार से नहीं बता पाऊंगा। एक बात मैं संक्षेप में बता देता हूं कि बिजली की डिस्ट्रीब्यूशन में उनकी प्रायर्टी होगी और जो बिजली बचेगी वह औरों को दी जाएगी?

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि कैप्टिव पावर प्लांट से फरीदाबाद के इडस्ट्रियलिस्ट्स को जो बिजली दी जाएगी क्या वह अलग लाइनें बिछा कर दी जाएंगी और दूसरों को जो बिजली दी जाएगी क्या वह अलग लाइनों से दी जाएगी?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जब हमारे ग्रिड में बिजली आएगी उसके बाद उनको दी जाएगी।

श्री जगपाल सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार सिरसा मे औटोमैटिक पावर प्लांट लगाने के बारे में कोई विचार कर रही है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, औटोमैटिक पावर प्लांट लगाने के लिए जब सैंटर गवर्नमैंट क्लीयरैंस दे देती है उसके बाद ही विचार होता हे।

Drought Relief from Centre

***459. Shri Rattan Lal Kataria :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the total amount received by the State from the Central Government for drought relief works during the year 1987-88 (upto 29-2-1988); and

(b) the amount, out of the said amount, so far spent on the different drought relief measures ?

राजस्व मंत्री (श्री सूरजभान):

(क) 37,225 करोड़ रुपये की अनुमोदित सीलिंग के विरूद्ध 29.84 करोड़ रुपये।

(ख) दिनांक 14– 3–88 तक 33.26 करोड़ रुपये।

श्री रत्न लाल कटारिया: स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि भारत सरकार ने सूखा राहतें स्कीम के तहत अन्य प्रदेशों को कितनी सहायता दी है और हरियाणा प्रदेश को कितनी सहायता दी है?

श्री सूरज भान: स्पीकर साहब, इस बारे में इस समय मेरे पास जो इन्फमेशन अवेलेबल है उससे माननीय सदस्य अंदाजा लगा लें, वह मैं इनको बता देता हूं। गुजरात को 352 करोड़ रुपए, राजस्थान को 488 करोड़ 30 लाख रुपए और हरियाणा को 37 करोड़ साढ़े 22 लाख रुपए की सहायता दी गई है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने केन्द्रीय सरकार से कितने रुपए की मांग की थी?

श्री सूरज भानः स्पीकर साहव, पिछले साल अगस्त में 468 करोड़ रुपए की खरीफ फसल के नुक्सान के लिए मांग की गई थी लेकिन अब रबी की फसल के नुकसान के लिए जनवरी में 316.96 करोड़ रुपए मांगे गए हैं।

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मैं यह जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश में रबी और खरीफ की दोनों फसलों में टोटल कितनी हानि हुई है और उसके लिए केन्द्र सरकार से कितने रुपए की मांग की गई है?

श्री सूरज भानः स्पकिर साहब, खरीफ फसल को 702 करोड़ रुपए की नुकसान था और उसके लिए केन्द्र सरकार से 468 करोंड रुपऐ की मांग को गई थीं और रबी की फैसल को नुक्सान 402 करोड रुपए का था और 316 करोड़ रुपए की मांग की गई थी। हरियाणा प्रदेश को खरीफ की फसल के नुकसान की राहत केन्द्रीय सरकार की ओर से 37 करोड़ साढ़े 22 लाख रुपए मिली और रबी की फसल के नुक्सान की राहत के लिए एक पैसो भी अभी तक नहीं मिला है

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मैं मती महोदय की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि राजस्थान के साथ लगते हरियाणा राज्य को जो एरिया पड़ता है उसमें सूखे का अधिक असर हुआ है। जैसे हिसार,

भिवानी, महेन्द्रगढ़, गुड़गांव, फरीदाबाद और रोहतक जिले की झज्जर तहसील का कुछ एरिया है जहां पर सूखे का अधिक असर हुआ है। यह बात–भी ठीक है कि इन एरियाज के लोगों को कुछ राहत देने के लिए सैन्टर सरकार से भी कुछ पैसे मिले थे और राज्य सरकार की तरफ से भी कुछ सहायता दी गई है। जितना अधिक सूखा इन एरियाज में पड़ा था और सैन्टर की तरफ से तथा हरियाणा राज्य सरकार की तरफ से जितना पैसा यहां के लिए निर्धारित हुआ था वह इन एरियाज में देने की बजाये सारे हरियाणा में बराबर बांट दियो गया है। मैं मेंती जी से जानना चाहता हूं कि जो पैंसा जहां के लिए दिया जाना था वहां पर क्यों नहीं दिया गया?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, में अपने साथों को बताना चाहूंगा कि सूखे के मामले में भिवानी जिले को 2 करोड़ 46 लाख और 26 हजार रुपये और महेन्द्रगढ़ जिले के लिए एक करोड़ एक लाख रुपये दिए गए हैं। बाकी जिलों में नौमीनल खर्च हुआ है। मेजर अमांउट इन्हीं मिली पर खर्च किया गया है।

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या मंत्री जी बताएंगे कि जिन क्षेत्रों में एक साल, दो साल, पाप साल यो आठ साल सें लगातार सूखा पड रहा है क्या उन क्षेत्रों को सहायता कें लिए सरकार की तरफ से कोई विशेष प्रायरिटी या कोई विशेष कौम करने की पैमाना है। यदिं हैं तो वह क्या है? दूसरे सरकार चारे पेर इस समय जीं सबसिडी आदि दें रही हैं क्या वह वहां के लोगों को अगली फसल तक देना जारी रखेगी?

श्री सूरज भानः फिलहाल ऐसा कोई पैमाना नहीं है।

श्री सीता राम सिंगलाः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जौ को बताना चाहूंगा कि चुनावों से कुछ समय पहले हमारे माननीय प्रधान मन्त्री ने हरियाणा राज्य को 403 करोड़ रुपये की सहायता देने, की घोषणा की थी। अब में मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने सूखे के नाम से जितनी राशि की मांग की है क्या वह इन 403 करोड़ रुपयों से अलग हैं या यह अमांउट भी कुल मांगी गई राशि में शामिल है?

श्री सूरज भानः भारत सरकार ने की गई घोषणा के मुताबिक मंत्री तक 403 करोड रुपये में से कोई पैसा नहीं दिया बल्कि इस मामले में हरियाणा सरकार के साथ चार सौ बीसी का सलूक किया है।

श्री रत्न नाम कटारियाः अभी मत्री जी ने बताया था कि सूखे के नाम पर हमने 468 करोड़ रुपये की जो राशि सैन्टर से मांगी थी वह नहीं दी बल्कि 37 करोड रुपये के आसपास दी है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा सरकार ने भारत सरकार द्वारा पूरा पैसा न दिए जाने के लिए कोई प्रोटैस्ट नोट भारत सरकार की भेजा है?

श्री सूरज भानः मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि हमने भारत सरकार से इस संबंध में कुल 1104 करोड़ रुपये मांगे थे। भारत सरकार द्वारा पैसा न दिए जाने के संबंध में पिछले महीने ही हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने भारत सरकार को एक डी० ओं० लैटर भेजा है।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): स्पीकर साहब, हमने भारत सरकार को न केवल प्रोटैस्ट के तौर पर डी० ओ० लैटर भेजा है बल्कि भारत सरकार से पैसा लेने के लिए दिल्ली में पिछले दिनों 20 लाख आदमियों को ले जाकर एक रैली भी की है।

श्री हीरा नन्द आर्य: हमारी सरकार ने केन्द्र की तरफ से सहायता न मिलने पर भी अपने स्तर पर ही कहत वाले एरियाज की बहुत सहायता की है, इसमें कोई शक नही है। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि इन एरियाज में जो सूखे के नाम से अब सहायता दी जा रही है क्या वह अगली फसल तक जारी रखी जायेगी?

श्री सूरज भान: सूखे के नाम पर केन्द्र ने हरियाणा को 37 करोड़ साढे बाईस लाख रुपये देने माने थे लेकिन इसके लिए उन्होंने यह शर्त लगा दी थी कि पहले हरियाणा सरकार अपने हिस्से का पैसा खर्च करे फिर भारत सरकार पैसा देगी। मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने अपनी तरफ से 33 करोड़ 26 लाख रुपये खर्च किए है जबकि हमें अभी तक भारत सरकार से 29 करोड़ 84 लाख रुपये मिले हैं। केन्द्र ने जो पैसा देने का वायदा किया था वह भी अभी तक पूरा नहीं दिया है।

श्री जगन नाथ: स्पीकर साहब, वैसे तो इस संबंध में मैंने एक काल अटैन्शन मोशन भी आपको दिया हुआ है लेकिन मैं मच्छी जो को बताना चाहूंगा कि भिवानी जिले को हरियाणा सरकार द्वारा कई मामलों में 40 परसैन्ट सबसिडी दी गई है और वहां के लोगों को 50 रुपये

किवटल के भाव पर चारा दिया जा रहा था लेकिन अभी कुछ दिनों से जो सबसिडी वहां पर लोगों को दी जा रही थी वह बंद कर दी गई है। मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या वहां के लोगों की सबसिडी चालू रखी जायेगी क्योंकि वहां पर कहत का सबसे अधिक असर हुआ है?

श्री सूरज भानः वहां पर कोई सबसिडी बन्द नहीं की गई है। भारत सरकार हमें सहायता दे या न दे हम अपनी तरफ से सबसिडी चालू रखेंगें।

चौधरी तैयब हुसैनः अध्यक्ष महोदय, अभी राजस्व मन्त्री महोदय ने बताया है कि भारत सरकार ने हरियाणा सरकार को जो 403 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी उसमें से कोई पैसा अभी भारत सरकार की तरफ से हरियाणा सरकार के पास नही आया है। मैं यह समझता हूं कि इनकी यह स्टेटमैंट ठीक नही है। This is against the facts .क्या इस बात के बारे में ये दोबारा बतायेगे कि सही स्थिति क्या है? (शोर)

The Hon'ble Revenue Minister is misleading the House.

Mr. Speaker : He is clarifying the point.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं इसको क्लैरिफाई कर देता है। प्रधान मन्त्री जी ने पलवल में जो स्पैशल ग्रांट देने की घोषणा की थी कि हरियाणा को 403 करोड़ दिया जायेगा उस 403 करोड़ के बारे में हमारा इम्प्रैशन था और शायद समाचार पत्रों में भी

प्रकाशित हुआ था कि एस० वाई० एल० का खर्चा अलग से दिया जायेगा और 403 करोड़ का अनुदान अलग से दिया जाएगा। हमारी सरकार आने के पश्चात जब हमने पूरा रिकार्ड देखा तो पता चला कि एस० वाई० एल० का खर्चा भी इसमें शामिल है और रोहतक मैडिकल कालेज के लिए अलग से जो बौडी स्कैन मशीन आनी थी उसका भी खर्चा शामिल है। इसमें अनेक प्रकार के खर्चे शामिल कर दिये गये। एस० वाई० एल० का खर्चा मित्रा कर 200 करोड़ के करीब रुपया मिल चुका है। इस समय मेरे पास सही आकडे नहीं है। अगर आप आदेश देंगे तो वे भी बतला दूगा। यह 200 करोड रुपया एस० वाई० एल० और मशीन वगैरह का खर्चा मिला कर हमें प्राप्त हो चुका है।

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): मैं तैयब साहब की जानकारी के लिए बता दूं कि अब से पहले 110 करोड़ रुपया हरियाणा सरकार खर्च कर चुकी है। एक कौडी भी हमें वापिस नही आयी जो कि री–इम्बर्स होनी चाहिए।

Construction of Building for Police Station, Jagadhri

***438. Dr, Brij. Mohan :** Will the Minister for Home be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the Police Station Jagadhri is functioning in a private building; and

(b) if so, whether there is any proposal under the consideration of the Govt. to construct a Govt. building for the said Police Station; if so, time by which it is likely to be constructed ?

गृह मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह):

(क) हां।

(ख) हां। भूमि के अर्जन के सम्बन्ध में कार्यवाही जारी है क्योंकि इस समय भूमि उपलब्ध नहीं है, यह कहना उचित नहीं कि पुलिस थाना जगाधरी का भवन कब तक बनेगा।

श्री मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, मैं गृह मन्त्री महोदय से जानना चाहना हूं कि और कौन कौन से पुलिस स्टेशन की बिल्डिंगें किराये पर है और जिनकी खस्ता हालत है वे कौन कौन सी हैं। रोहतक का तो हमें पता है इसलिये मैं यह भी जानना चाहता हूं कि जिन बिल्डिंगों की खस्ता हालत है उनके बारे में क्या योजना **प्रो० सम्पत सिंह:** इस समय मैं ऐग्जैक्ट नम्बर तो नही बता संकूगा लेकिन बहुत से बाते ऐसी जगहों पर हैं जो धर्मशाला में या किराये पर बिल्डिंग ले कर काम चला रहे हैं। जब किसी थाने की बिल्डिंग की हालत खस्ता हो जाती है तो उसे बदल दिया जाता है।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, जगाधरी पुलिस स्टेशन की बिल्डिग अनसेफ डिकलेअर की हुई है। इसलिये मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिस ठेकेदार ने यह बिल्डिग बनायी थी क्या उसके खिलाफ कोई कार्यवाही की और अगर नही की तो क्यो नही की? दूसरे मैं यह भी जानना चाहूंगा कि कौन कौन से पुलिस स्टेशन की बिल्डिंग अन्डर कंस्ट्रक्शन हैं?

प्रो० सम्पत सिंहः यह बिल्डिग सन 1887 में बनी थी। उस समय तो हमारे बाप –दादा भी पैदा नहीं हुए थे। सौ साल पहले की बनी हुई है। हमारे पास कोई कम्पलेन्ट नहीं आयी कि यह बिल्डिंग अन–सेफ थी। अगर किसी और थाने की बिल्डिंग के बारे में कोई कम्पलेन्ट इनके नोटिस में हो तो बताएं, उस बारे में उचित कार्यवाही की जायेगी।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदय, 6 वर्ष पूर्व पुलिस स्टेशन कैथल की बिल्डिग को अनसेफ डिक्लेयर कर दिया गया था और पुलिस स्टेशन दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया गया था, लेकिन अब इसी अनसेफ बिल्डिंग में यह पुलिस स्टेशन दोबारा शिफ्ट कर दिया गया है। क्या मन्त्री महोदय बतायेंगे कि यह अनसेफ बिल्डिग होने के बावजूद इसमें पुलिस स्टेशन दोबारा शिफ्ट करने की क्या वजुहात हैं?

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह बात मेरे नोटिस में नहीं है लेकिन हो सकता है इस बिल्डिंग की रिपेयर करके शिफ्ट किया गया हो।

श्री योगेश चन्द शर्माः स्पीकर साहब, बल्लभगढ़ पुलिस स्टेशन की बिल्डिंग बहुत छोटी है, उस में केवल दो कमरे हैं जिन में एक इन्स्पैक्टर तीन सब–इन्स्पैक्टर्ज तथा पुलिस की काफी नफरी रहती है। इतने स्टाफ को बैठने के लिये बहुत ही कम जगह है। क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि बल्लभगढ़ पुलिस स्टेशन के लिए नई बिल्डिंग बनाने का विचार है?

प्रो० सम्पत सिंहः अकेले बल्लभगढ पुलिस स्टेशन की ही बात नहीं है दूसरी जगहों पर भी जगह की कमी है। जहां जहां जगह की कमी है, वहां कन्स्ट्रक्शन की जाएगी। स्पीकर साहब, यह सभी जानते हैं कि हरियाणा में कानून और व्यवस्था की हालत देश के दूसरे प्रदेशों के मुकाबले में बहुत अच्छी है। जिन जिन थानों में बिल्डिंग्ज की कमी है, उनके लिए पर्याप्त व्यवस्था की जायेगी। इस दिशा में जल्दी ही सरकार कार्यवाही करेगी।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, थाने के साथ साथ एक हवालात भी होती है। कई थानों में हवालात की बिल्डिग सौ सौ साल की पुरानी बनी हुई हैं। आबादी को मद्देनजर रखते हुए हवालात की जगह बहुत ही कम पड़ती है। हम लोग इन हवालातों में रह चुके हैं, हमें पता है, 50– 50 आदमी इनमें इकट्ठे बन्द कर दिये जाते हैं। इसके अलावा जो सुविधायें मिलनी चाहिएं वे उपलब्ध नहीं हैं। मेरी मन्त्री महोदय से और सरकार से दरख्वास्त है कि इन हवालातों में जगह बढ़ाई जाए और कैदियों को जो सुविधायें मिलनी चाहिएं. वे दी जाएं।

प्रो० सम्पत सिंहः आज इस हाउस में जितने मैम्बर्ज बैठे हैं, उन में से ज्यादातर मैम्बर्ज इन हवालातों में रह चुके हैं और इन्हें पता है कि क्या क्या कमी है। मैं अन्न को विश्वास दिलाता हूं कि हम इन हवालातों को सुधारने के लिये शीघ्रातिशीघ्र कदम उठाएंगे। जैसे कि श्री जगन नाथ जी ने कहा है कि जगह की कमी है, हम इस कमी को दूर करेंगे और कमरों में पंखे आदि लगवाकर पर्याप्त सुधार किया जाएगा।

डा० बृज मोहनः स्पीकर साहब, यह बिल्डिंग 1983 में ली गई थी। यह बिल्डिंग किसी प्राईवेट व्यक्ति की मल्कीयत नहीं थी बल्कि किसी सस्था की धर्मशाला थी। वह धर्मशाला की बिल्डिंग पिछले पांच छः साल से पुलिस के पास ही है और यह बिल्डिंग शहर के बीच में पड़ती है। इस धर्मशाला में गरीब लोग ठहरा करते थे। मुझे यह भी पता लगा है कि जमीन ऐक्वायर करने के लिये सैक्शन 4 के तहत जो प्रोसैस है वह 25—9—1987 को शुरू कर दिया है, लेकिन सैक्शन 6 तथा 7 के तहत प्रोसैस अभी शुरू नहीं हुआ है। मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सैक्शन 6 तथा 7 के तहत कार्यवाही कब शुरू होगी?

प्रो० सम्पत सिंहः सैक्शन 4 के तहत कार्यवाही पूरी हो चुकी है और पिछली 9 तारीख को सैक्शन 6 के नोटिस भी जारी हो चुके हैं। बाकी जो काम रहता है, वह भी जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा।

श्री शिव प्रसादः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने अभी बताया है कि जमीन लेने के लिए प्रयत्न चल रहे हैं। लेकिन मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि धर्मशाला में शिफ्ट होने से पहले यह पुलिस स्टेशन जिस जमीन पर था, उस स्थान पर थाने की बिल्डिंग बनाने में सरकार को क्या दिक्कत है?

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने पहले ही बताया है कि कई थानों में जमीन नाकाफी है और इस थाने में भी नाकाफी थी। अब इसकी बिल्डिंग बनाने के लिये 11 बीघे जमीन ऐक्यायर की जा की है।

Mr. Speaker : Hon. Members, the question hour is over.

15.00 बजे ।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Complaints of Theft of Energy & Pilferage of Material in H.S.E.B. Narnaul Circle

***450. Chauduri Tayyab Hussain :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether any complaints against any of the officials of the H.S.E.B. Narnaul Circle were received during the years 1986 and 1987, regarding their involvement in the theft of energy and pilferage of departmental material, separately; and

(b) if so, whether any enquiries were held on the said complaints together with the result thereof and the action taken thereon ?

सिचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क)हां ।

(ख)एक शिकायत की जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन उप मण्डल अधिकारी (परिचालन)धारुहेड़ा को निलम्बित करके कठोर दण्ड के लिये आरोप पत जारी किया गया था। हाल में ही प्राप्त दो शिकायतें जांबाधीन हैं ।

Construction of Hospital at Sonepat

***479. Shri Devi Dass :** Will the Minister for Health be

pleased to state—

(a) the total area of land acquired for the construction of Civil Hospital at Sonepat togetherwith the cost thereof so far paid to the land onwers;

(b) the total amount so far spent on the construction of the said hospital; and

(c) the time by which the construction of the said hospital is likely to be completed and the hospital starts functioning ?

स्वास्थय तथा आयुर्वेद मंत्री (श्रीमती कमला वर्मा):

(क) सिविल अस्पताल, सोनीपत के भवन निर्माण हेतु कुल (15 एकड़ भूमि)5,02,444.32 रुपये में हुडडा से खरीदी गई थी।

(ख) मास दिसम्बर, 1987 तक 195 93 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं।

(ग) अस्पताल का मुख्य भवन तथा 19 रिहायशी भवन मास दिसम्बर 1988 तक पूर्ण होने की संभावना है।

Promotion against reserved vacancies

***486. Shri Jagan Nath :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) whether the reservation policy/instructions in respect of promotion of employees belonging to Scheduled Castes/ Backward Classes in the Industries -Department is being im-

plemented;

(b) if so, the number of vacancies of Class I, II and III filled in the said Department from amongst such employees since the formation of Haryana State to-getherwith the names and date of promotion of such employees, category-wise;

(c) whether any roaster has been maintained according to the instructions of the Government in the said department, if not, the reasons therefor togetherwith the action, if any, taken against the defaulting officers/ officials; and

(d) whether there is any back-log of representation of such employees in any of the categories, referred to in part (b) above; if so, the time by which it is likely to be wiped off ?

उद्योग मंत्री (डा० किरपा राम पुनिया):

(क) जी, हां।

(ख) राज्य सरकार की नीति में प्रथम तथा द्वितीय श्रेणी के पदों पर पदोन्नति के लिये आरक्षण का प्रावधान नहीं है। आरक्षित श्रेणी तृतीय के पदों पर जिन कर्मचारियों को समय समय पर पदोन्नत किया गया है, उनका विवरण सूची में दिखाते हुए सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

(ग) रोस्टर रजिस्टर आम तौर पर निदेशक, उद्योग द्वारा तैयार किया जाता है। इस के अतिरिक्त क्षेत्र में भी कुछ नियुक्ति अधिकारी हैं। उन्हें मार्च, 1988 के अन्त तक यह पुष्टि करने के लिये

कहा गया है कि सरकार की हिदायतों के अनुसार उन्होंने भी ऐसे रोस्टर तैयार किये हुए हैं।

(घ) उपरोक्त पार्ट (ख)में वर्णित कर्मचारियों के रिक्त पदों से सम्बन्धित कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व का विवरण, कारण सहित सूची के कालम– 5 में दिया गया है। ज्योंही आरक्षित पदों के लिये योग्य कर्मचारी उपलब्ध हो जायेंगे, इन्हें आरक्षित कैटेगरी से भर लिया जायेगा।

सूची

क्र० सं०	पद संज्ञा	श्रमसूचित वर्ग के लिए रखे गए पदों की संख्या		अनुसूचित वर्ग द्वारा भरे गए पदों की संख्या एवं नाम तथा तिथि		अनुसूचित वर्ग के रिक्त पदों की संख्या	पद कम भरने का कारण
1	2	3		4		5	6
	क्लास 1 एवं 2	सरकार की नीति अनुसार श्रेणी 1 तथा 2 के पदों पर पदोन्नति का प्रावधान नहीं है।					

	क्लास–3						
1	सहायक	7	1	श्री शीश कालवान	28.12.78		
			2	श्री हरि सिंह	25.01.80		
			3	श्री फूल सिंह सह	04.09.80		
			4	श्रीमती कमला रानी	04.10.82		
			5	श्री राम नारयण रोझा	11.04.85		
			6	श्रीमती लक्षमण कौर	02.11.87		
			7	श्री उमराव सिंह	02.11.87		
2	लिपिक	2	1	श्री ओम प्रकाश	11.09.79		

			2	श्री सतबीर सिंह	14.01.80		
			3	श्री कशमीरी लास	04.10.85		
			4	श्री रण धीर सह	22.07.86		
3	खण्ड स्तर विस्तार अधिकरी (उदयोग)	1					योग्य उम्मीदवारों से आवेदन पत्र यादि क्रमांक प्र० 25 / 103 / प्रोमोशन / 743 /7439–ए दिनांक 24.02.88 द्वारा पुनः मांगे गए हैं।
4	निरीक्षक उदयोग	3	1	सर्वश्री श्री रतन लाल	14.8.84		

			2	श्री सीरी चन्द			
			3	आनन्द प्रकाश			
5	जूनियर स्केल स्टैनों ग्राफर	1				1	अनुसूचित जाति का उम्मीदवार जो कि इस पद पर पदोन्नत किया जा सके इस समय उपलब्ध नही है।
	जिला उदयोग केन्द्र						
1	उप अधीक्षक	2	1	श्री रमेश शील	28.6.79		
			2	श्री अतर सिंह	01.04.86		
2	सहायक / लेखाकार / ऋृण लेखाकार / खनन लेखाकार	10	1	श्री धर्म सिंह	24.2. 79		

			2	श्री माया राम गौरी	24.12.79		
			3	श्री अतर सिंह	24.12.79		
			4	श्री उमेद सिह	24.12.79		
			5	श्रीमती कमला रानी	24.12.79		
			6	श्री कृष्ण कुमार	24.12. 79		
			7	श्री राम नारायण	07. 05. 80		
			8	श्री पूरन मल	28. 05. 80		

			9	श्री फूल सिंह	24.12. 79		
			10	श्री हवा सिह	21.11.85		
3	खनन निरीक्षक	1	1	श्री श्रीराम	07.09.76		
4	लिपिक	6	1	श्री पूरन चंद	20. 07. 81		
			2	श्री जीत राम	20.7.81		
			3	श्री रमेश्वर दयाल	20. 7.81		
			4	श्री ओम प्रकाश	6.9.82		
			5	श्री बलबीर सिंह	28. 11. 86		
			6	श्री दरिया सिह	28. 11.		

					86		
5	सीनीयर स्केल स्टैनोग्राफर	1				1	अनुसूचित जाति का उम्मीदवार उपलब्ध नही है।
6	जूनियर स्केल स्टैनोग्राफर	1				1	अनुसूचित जाति का उम्मीदवार उपलब्ध नही है।
7	मशीन मैन	2	1	श्री मोहन साल	22.1.81		
			2	श्री फूल चन्द	20.7.81		
8	फोरमैन–कम–सुपरवाइजर		1	श्री बख्शी	3.6.80		
	राजकीय गुण चिन्हान केन्द्र/उष्मा उपचार केन्द्र						

1	जूनिनयर टैकनीकल सहायक	1	1	श्री शिव लाल परवीन	7.7.79		
2	निरीक्षक	1		श्री जगत राम	29.6.76		
3	ओप्रेटर ग्रेड–2			श्री बाबू आम	30.3.79		
4	स्कीलड वर्कर			श्री बाबू लाल	5.12.74		
5	लिपिक/स्टोरकीपर	1				1	पिछड़ी जाति से भरा हुआ है।
	चीफ इन्सपेक्टर आफ बायलर ओरगनाईजेशन						
1	एकाउन्टेन्ट						
	माप तथा तोल संख्या	2	1	श्री हन्स राज महमी	30.4.75		

1	निरीक्षक, माप तथ तोल		2	श्री मोहन सिंह,	4.11.82		
2	मैनुयल असीसटैन्ट		1	श्री सुरजन सिंह,	14.1.87		
	आर० आई० डी० सी०	1	1	श्री रतन सिंह,	27.10.87		
1	फोरमैन–कम–सुपरवाईजर–कम डिजाईनर	1	1	श्री ओम प्रकाश	8.7.10		
2	सीनियर टैक्नीशियन	1	1	श्री राम कुमार, आर० आई० डी० सी०, पानीपत	5.1.80		ओवर एण्ड मनव कोटा
			2	श्री किदार सिंह, आर० आई० डी० सी०			
			3	श्री बहम कुमार, आर० आई० डी०	20.3.79		

				सी०, सिरसा			
			4	श्री खेम चन्द, आर० आई० डी० सी०, रिवाड़ी।	22.3.79		कोटे से अधिक
			5	श्री रत्ती राम, आर० आई० डी० सी०, डबवाली	22.3.79		
3	टैकनिशियन, आर०आई० डी० सी०	1	1	श्री कालू राम, आर० आई० डी० सी०, कौसली	9.11.79		
			2	श्री नारायण प्रकाश, आर० आई० डी० सी०, सिरसा	9.11.79		

			3	श्री चन्द्र भान, आर० आई० डी० सी०, हिसार।	17.1.79		
4	क्लास 1 तथा 2			सरकार की नीति अनुसार श्रेणी–1 तथा 2 के पदों पर पदोन्नति का प्रावधान नहीं हूं।			
	क्लास 3 (मुख्यालय)						
1	सहायक	4	1	श्री मोहन सिंह,	24.12.78		
			2	श्री राज तिलक,	4.9.1979		
			3	श्री किशन चन्द	14.11.70		
			4	श्री बलवीर सिंह	25.7.80		

			5	श्रीमती वीना रानी	4.10. 1982		
			6	श्रीमती कृष्णा देवी	2.11. 1987		
2	लिपिक	1	1	श्री हरि चन्द	11.9. 1979		
3	निरीक्षक उदयोग	1	1	श्री दलबीर सिंह	14.8. 1984		
	जिला उदयोम केन्द्र						
1	उप अधीक्षक	1	1	श्री ओ० पी० बेदी	26.3.80		
2	सहायकः अकाऊटैट / लोन अकाऊटैंट / माईनिंग अकाऊटैंट	5	1	श्री सुरजन सिंह	24.12.79	2	पिछड़े वर्ग के उम्मीदवार उपलब्ध नहीं है।

3	लिपिक	4	2	श्री रघुवीर सिह	28.5.80		
			1	श्री वीरभान	20.7.81		
			2	श्री मागें राम	20.7.81		
			3	श्री महावीर सिंह	20.7.81		
			4	श्री सौदागर सिंह	31.12.82		
4	मशीनमैन	1	1	श्री बनारसी दास	15.12.81		
	राजकीय गण चिन्ह्रांकन केन्द्र						
1	अधीक्षक (क्लास–3)(नान–गैजेटिड)		1	श्री गोपीराम	1.1.75		केवल दो पद अधीक्षक के है इसलिये अरक्षण नहीं है।
2	सीनियर टैक्नीशियन		1	श्री वेद प्रकाश	28.5.79		केवल एक पद

3	जूनीयर टैकनीकल सहायक		1	श्री रोशन लाल	28.6.76		
4	निरीक्षक		1	श्री जगदीश प्रशाद	29.6.76		
5	लिपिक / स्टोरकीपर / टाईम कीपर		1	श्री राम चन्द्र	10.2.83		
			2	श्री रामेशवर दास	30.6.82		
6	सीनियर टैकनीशियन			श्री प्रताप सिंह	12.12.75		कोटे से अधिक
7	निरीक्षक (माप तथा तोल)	1	1	श्री राम सिंह	6.8.79		—सम—
			2	श्री कूड़ा सिर	4.8.82		
			3	श्री ओम प्रकाश	29.1.88		

विभिन्न विषयों का उठाया जाना

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, मैंने. आपकी सेवा में दो कालिंग अटैन्शन मोशन्ज के नोटिस दिये थे। एक नोटिस टिम्बर मरर्चेट्स के बारे मे था और दूसरा सी० आर० पी० एफ० में की जा रही भर्ती में बारे था। इस भर्ती में हरियाणा के लोगों के साथ बहुत ज्यादती हो रही है। (व्यवधान)

Mr. Speaker : I have sent your calling attention motion regarding sales tax on wood to the Government for comments.

Shri Raghu Yadav : What about the calling attention motion regarding recruitment in C.R.P.F. Sir ?

Mr. Speaker : That is under my consideration

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने टिम्बर और फायर वुड की शौर्टेज के बारे में एक कालिंग अटैन्शन मोशन दिया था। आज हरियाणा भर में कंस्ट्रक्शन रुकी हुई है और तो और मुर्दे फूंकने के लिये भी लकड़ी नही मिलती। मैंने आज आदरणीय उप मुख्य मन्त्री जी से भी इस बारे में भेंट की थी। अच्छा हो यदि इस बारे मैं सदन को कुछ आश्वासन दे दिया जाए।

श्री अध्यक्षः मैंने उसे गवर्नमैंट को कमैंट्स के लिए भेज रखा एं।

श्री रघु यादवः अध्यक्ष महोदय, सी० आर० पी० एफ० की भरती शुरू होने वाली है उसके बाद यह अन्याय रुक नहीं पाएगा। (शोर)

श्री कैलाश चन्द्र शर्माः अध्यक्ष महोदय, अपने ही सदन के बहुत जिम्मेदार आदमी पर अखबार में बहुत भारी इल्जाम लगाया गया है। (शोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए मैं आपको इस बारे में बता दूंगा।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, मेरा कालिंग अटैन्शन मोशन ऐडमिटिड है, उसका क्या बना?

Mr. Speaker : Admitted is admitted.

श्री कैलाश चन्द शर्माः अध्यक्ष महोदय, हमारे सदन के एक माननीय सदस्य पर आरोप लगाया गया है कि उनके पिता ने गलत ब्यानी करके कानून की धज्जिया उड़ाई है। (शोर)यह 18 तारीख के जन सस्ता अखबार में आया है। (शोर)

Mr. Speaker : Sharma ji, how is it relevant here ?

श्री कैलाश चन्द्र शर्माः अध्यक्ष महोदय, हम लोगों पर शक पैदा किया गया है कि जो कानून बनाने वाले हैं वही कानून–तोड़ रहे हैं।

Mr. Speaker : Have you given anything in writing ?

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा: जी हां लिख कर दिया है।

Mr. Speaker : I will consider that.

श्री सुरेन्द्र कुमार मदान: स्पीकर साहब, मैंने एक मोशन दिया था कि हल्का कैथल में गांवों के अन्दर बिजली के बिल से ऊपर 50– 50 रुपये लिए जा रहे हैं। (शोर)

Mr. Speaker : That is under my consideration.

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मैं सबमिट कर रहा हूं कि मेरे लायक दोस्त श्री कैलाश चन्द शर्मा ने एक कालिंग अटैन्शन मोशन के जरिए आपका ध्यान दिलाया था। (शोर)

Mr. Speaker : I have not seen the calling attention motion. My office has received a short notice question from Mr. Sharma and the same is being considered.

Shri Mangal Sein : It should be admitted, Sir

चौधरी तैयब हुसैन: स्पीकर साहब, इनको कहे कि ये पढ़ कर आया करें। This is not the way.

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

भिवानी जिले में मारे के अनुदान को कथित रूप से रोकने संबंधी

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of calling attention motion No. 3 from Shri Jagan Nath, M.L.A., regarding alleged stoppage of fodder grant in Bhiwani

district . I admit it He may please read his notice and the Revenue Minister may make a statement thereafter.

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हू कि सूखा राहत के तहत 40 रुपये प्रति क्विंटल तक अनुदान देकर 50 रुपये प्रति क्विटल की दर पर किसानों को पशु चारा सप्लाई किया जा रहा था लेकिन कुछ दिनों से यह अनुदान बन्द कर दिया है जिससे जिला भिवानी के किसानों को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड रहा है। इसलिए मैं इस महान सदन के द्वारा हरियाणा सरकार से निवेदन करता हू कि स्थिति के सामान्य होने तक चारे के लिए उक्त अनुदान जारी रहना चाहिए।

राजस्व मंत्री (श्री सूरज भान): स्पीकर साहब, वैसे तो मैंने इसका जवाब एक सप्लीमैंटरी सवाल के जवाब में दे दिया था फिर भी अगर आप मुनासिब समझें तो इसका जवाब मैं कल दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

वक्तव्य

राजस्व मंत्री द्वारा जिला सोनीपत में ओलावृष्टि से नष्ट हुई रबी फसल सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः श्री देवी दास तथा डा० महा सिंह के काल अटैन्शन मोशंज संख्या 1 और 2 जोकि डैमेज आफ रबी क्रौप बाई

हेल स्टार्मज इन सोनीपत डिस्ट्रिक्ट के बारे में थे, पर अब रैवेन्यू मिनिस्टर स्टेटमैंट देंगे।

राजस्व मंत्री (श्री सूरज भान): जिला सोनीपत में 110 गांवों में स्पीकर साहब दिनांक 12–3– 1988 को ओलावृष्टि हुई, जिससे खडी फसलों को काफी हानि पहुंची। 90 गांव तहसील सोनीपत में, 13 तहसील गन्नौर में और 7 तहसील गोहाना में पड़ते हैं। प्रारम्भिक अनुमान के अनुसार फसली क्षेत्र के 55402 एकड़ को नुकसान हुआ। फसलों की हानि का लगभग 617.40 लाख रुपये का अनुमान है। हानि का ठीक पता करने के लिये इन सभी गांवों में विशेष गिरदावरी आरम्भ की जा चुकी है और गिरदावरी के पूर्ण होने पर हानि का पता लगेगा। ओलावृष्टि से हुए नुकसान की रिपोर्ट दूसरे जिलों से भी प्राप्त हो चुकी है।

2. मुख्य मन्त्री हरियाणा ने जिला सोनीपत तथा महेन्द्रगढ़ जिलों के ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और उन्हें यह देखकर दु:ख हुआ कि वहां पर खड़ी फसलों को काफी हानि पहुंची। विभिन्न जिलों के कृषक इस शताब्दी के भंयकर सूखा से पहले ही दु:खी थे और इस ओलावृष्टि ने अच्छी रबी की फसल को काटने की उनकी आशाओं पर पानी फेर दिया, जिसकी वे कठिन परिश्रम तथा धन खर्च करके आस लगाये बैठे थे। खड़ी फसलों को हुई अधिक हानि तथा कृषकों की कठिनाईयों को ध्यान में रखते हुए यह आदेश दिये जा चुके दै कि जिन कृषकों की फसलें ओलावृष्टि के कारण नष्ट हो चुकी हैं

उन्हें तदर्थ आधार पर 200 रुपये प्रति एकड़ की दर से शीघ्र ही अनुदान की राशि प्रदान की जाये और शेष अनुदान की राशि स्पैशल गिरदावरी के पूर्ण होने के पश्चात् नियम अनुसार अदा कर दी जायेगी। इसके अतिरिक्त ओलावृष्टि से प्रभावित कृषकों के बिजली के बिल, आबियाना तथा कर्जो की वसूली को भी स्थगित किया जा चुका है।

जिलों के ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते समय मुख्य मन्त्री ने कृषकों को परामर्श दिया था कि वे अपने खेतों में ग्रीष्म मून (बैशाखी मूंग)उडद मक्की एवं गन्ना की फसलों को बोये, जिनका ओलावृष्टि से नुकसान हों चुका है या जहां फसलें नहीं बोई गई, जैसा कि फा की फसल साठ दिन के अन्दर तैयार हो सकती है। साथ ही साथ कृषक चारा के तौर पर ज्वार तथा लोबिया भी उगा सेकते हैं। प्रभावित गावों में ज्वार उड़द तथा मू न के प्रमाणित बीज दे ने के लिये हिदायतें जारी की जा चुकी शै। उन कृषकों को, जिनका ओलावृष्टि के कारण नुकसान हुआ है, इन बीजो पर 25 प्रतिशत की सबसिडी दी जायेगी। सोनीपत जिला में प्रमाणित बीज पहले ही भेज दिया गया है।

ओलावृष्टि के कारण गन्ने की फसलों को भी हानि पहुंची है। चीनी मिलों को ओलावृष्टि से प्रभावित गन्ने की फसल को दस दिन के अन्दर खरीदने के निदेंश दिये जा चुके हैं चाहे उन्हें दूसरे गन्ने की खरीद को बन्द करना पड़े।

3. जिन लोगों की इस अचानक प्राकृतिक आपदा से फसलें नष्ट हो गई हैं, सरकार उनके दु:खों और कठिनाइयों से बहुत चिन्तित है। उपायुक्तों को तुरन्तु विशेष गिरदावरी करने के निर्देश दिये जा चुके हैं कि हानि को ठीक प्रकार से दर्ज किया जाये ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति सहायता से वंचित न रह जाये। जिला अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त होने पर निर्धारित दरों अनुसार प्रभावित व्यक्तियों को अनुदान की राशि देने के लिए शीघ्र कार्यवाही कर ली जाये गी।

मैं इस महान सदन को विश्वास दिलाना चाहूंगा कि ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों के लोगो की कठिनाईयों को दूर करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

श्री महा सिंहः स्पीकर साहब, मैं इस सदन के महान नेता चौधरी देवी लाल जी का हार्दिक स्वागत करना चाहूंगा जैसे ही हमने काल–अटैन्शन मोशन दिया और जै से ही हमारे सदन को यह पता चला वै से ही मुख्य मन्त्री जी वहां गए। शायद इतिहास में यह पहला ऐसा मौका है कि किसी मुख्य मन्त्री ने इतनी जल्दी जाकर और इतना ज्यादा राहत कार्य शुरु किया। इसके लिये मैं अपने सदन का और सरकार का भी हार्दिक स्वागत करना चाहता हूं। चौधरी देवी लाल जी ने एक ऐ सी मिसाल कायम कर दी जो पहले नहीं होगी। मैं उनके साधे था। हरियाणा के अन्दर सबसे ज्यादा मेरे हल्के राई के अन्दर ओलावृष्टि से विनाश हुआ था। जहां से चौधरी साहब गुजर रहे थे वहां से तीन

एकड़ दूर मेढ पर एक किसान बैठा था। वह बड़ा ही लाचार था। चौधरी देवी लाल तक बहे पहुंच नहीं सकता था। चौधरी देवी लाल ने देखा कि गरीब किसान खेत की मेड पर बैठा है। उन्होंने खेत में तीन एकड़ अन्दर जाकर उससे बात की।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आप इतनी लम्बी स्पीच न करें। सवाल कीजिए

श्री महा सिंहः मैं अपने सदन के नेता का तहदिल से शुक्रिया अदा करता हूं और मूबारिककद देता हूं साथ ही मैं मन्त्री महोदय का भी धन्यवाद करता हूं ।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, अभी हमारे मन्त्री जी ने ओलावृष्टि के बारे में बताया है। जिन जिन गांवों के अन्दर जैसे सोनीपत जिले के अन्दर 110 गांवों के अन्दर ओलावृष्टि हुई है, मुख्य मन्दी महोदय 14 तारीख को और 15 तारीख को हमारे साथ गये। वहां पर उन्होंने यह एलान किया कि जिन गांवों के अन्दर ओलावृष्टि हुई है, उन सारे गांवों का गन्ना 10 दिन के अन्दर अगर सोनीपत हार मिल नहीँ उठायेगी तो करनाल और पानीपत शूगर मिल द्वारा उठाया जायेगा। उसके बाद पता लगा है कि वहां पर सर्वे और गिरदावरी की जा रही है और केवल उन्हीं का गन्ना उठाया जा रहा है जिनका गन्ना रिजर्व है। मन्त्री जी से मैं यह क्लीयर पूछना चाहता हूँ कि जिन गांवों के अन्दर ओला– वृष्टि हुई है, क्या उनका सारा गन्ना शूगर मिलों द्वारा उठाया जायेगा

चाहे किसान का एक रुपया नुक्सान हुआ है या उससे कम नुकसान हुआ है। वहां पर मुख्य मन्त्री महोदय ने यह एलान किया था कि जिनका एक रुपए का नुक्सान हुआ है, उनको 400 रुपये पर एकड़ कम्पनसेशन दिया जायेगा और जिनका 75 पैसे नुक्सान हुआ है, उनको 300 रुपया पर–एकड़ कम्पनसेशन दिया जायेगा। और उससे नीचे जिनकी फसल का चार आने का या दो आने का नुक्सान हुआ है उनको दो सौ रुपया एकड़ कम्पनसेशन दिया जाएगा। जो गन्ना खराब हुआ है वइ सारा लिया जाएगा लेकिन मुझे पता लगा है कि वह गन्ना नहीं लिया जा रहा है। क्या मन्त्री महोदय इस पर रोशनी डालेंगे?

सहकारिता राज्य मंत्री (डा० रघुबीर सिंह): स्पीकर साहब, जहां तक ओलावृष्टि से अफैक्टिड गन्ने की पीड़ाई का मामला है अब सोनीपत शूगर मिल ओलों से अफैक्टिड गन्ना ही ले रही है और बड़ी अच्छी प्रोग्रैस है। 25 तारीख तक वोन्डिड गन्ना ले लिया जाएगा और इसके बाद बगैर बौन्ड वाला गन्ना लिया जाएगा।

सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र

श्री अध्यक्ष: अब मन्त्री महोदय सदन की मेज पर कागज पद रखेगे।

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : Sir, I lay on the Table the 13th Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation

Limited, for the year 1986-87, as required under section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

Sir, I also lay on the Table the Administration Report of the Haryana State Electricity Board, for the year 1985-86. as required under section 75(1) of the Electricity (Supply) Act 1948,

बिल्ज– (इंट्रोड्यूस्ड सदन की अनुमति से)

(1) दि पंजाब लेयर वैलफेयर फण्ड (हरियाणा अमैंडमैंट)बिच, 1988

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब दि पंजाब लेबर वैलफेयर फण्ड (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेंगे।

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Punjab Labour Welfare Fund (Haryana Amendment Bill, 1988.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि पंजाब लेबर वैलफेयर फण्ड (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988, को इंट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है कि–

दि पंजाब लेबर वैलफेयर फण्ड (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988, कों इंट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब बिल इंट्रोड्यूस करेंगे।

Irrigation & Power Minister (Shri Verender Singh) : Sir, I introduce the Bill.

(2)दि हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स (अमैंडमैंट)बिल, 1988

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब दि हरियाणा जनरल सैल्ज टैक्स (अमैंडमैंट)बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेंगे।

Home Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That leave be granted to introduce the Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1988.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि हरियाणा जनरल सैल्ज टैक्स (अमैंडमैंट)बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है कि–

दि हरियाणा जनरल सैल्ज टैक्स (अमैंडमैंट)बिल, 1988, को इंट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब बिल इंट्रोडयूस करेंगे।

Home Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I introduce the Bill.

(3)दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुलेशन एंड डिवैल्पमैंट)अमैंडमैंट बिल, 1988

श्री अध्यक्ष : अब मिनिस्टर साहब दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुलेशन एंड डिवैल्पमैंट)अमैंडमैंट बिल, 1988, को इंट्रोडयूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेंगे।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि फरीदाबाद संव्यूह (विनियमन तथा विकास)संशोधन विधेयक 1988, को प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पेश हुआ कि –

दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुलेशन एंड डिवैल्पमैंट)अमैंडमैंट बिल, 1988, को इंट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए

श्री अध्यक्षः प्रश्न है कि–

दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुलेशन एंड डिवैल्पमईंट)अमैंडमैंट बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब बिल इंट्रोड्यूस करेंगे।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं बिल को इंट्रोड्यूस करता हू।

(4)दि पजांब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स हरियाणा अमैंडमेंट बिल, 1988

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988, को इंट्रोड्यूस करने के लिये हाउस से परमिशन लेंगे।

कृषि राज्य मंत्री (श्री बलवीरसिंह): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि पंजाब कृषि उपज मन्त्री (हरिंयाणा संशोधन)विधेयक, 1988, को प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पेश हुआ कि–

दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किटस (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है कि–

दि पंजाब ऐग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्किट्स (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब मन्त्री महोदय बिल इंट्रोड्यूस करेंगे 1

कृषि राज्य मंत्री (श्री बलबीर सिंह): अध्यक्ष महोदय, अब मैं विधेयक प्रस्तुत करता हूं।

(5)दि हरियाणा अर्बन (कन्ट्रोल आफ रैड एंड एविक्शन)अमैंडमेंट बिल, 1988

श्री अध्यक्षः अब उप मुख्य मन्त्री महोदय दि हरियाणा अर्बन (कैट्रोल आफ रैन्ट एंड एविक्शन)अमैंडमैंट बिल, 1988 को इंट्रोड्यूस करने के लिए हाउस से परमिशन लेगे।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं –

कि हरियाणा नगरीय (किराया और बेदखली नियन्त्रण)संशोधन विधेयक, 1988 को प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पेश हुआ कि –

दि हरियाणा अर्बन (कंट्रोल आफ रैन्ट एंड एविक्शन)अमैंडमैंट बिल, 1988 को इंट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है कि –

दि हरियाणा अर्बन (कंट्रोल आफ रैन्ट एंड एविक्शन)अमैंडमैंट बिल, 1988 को इंट्रोडयूस करने की परमिशन दी जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब उप मुख्य मन्त्री जी बिल इंट्रोडयूस करेंगे।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, अब मैं विधेयक प्रस्तुत करता हूं।

(6)दि पंजाब होम्योपैथिक प्रंक्टीशनर्ज (हरियाणा अमेंडमेंट)बिल, 1988

श्री अध्यक्षः अव हैल्थ मिनिस्टर महोदया दि पंजाब होम्योपैथिक प्रैक्टीशनर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988 को इंट्रोडयूस करने के लिये हाउस से पर मिशन लेगी।

स्वास्थ्य तथा आयुर्वेद मंत्री (श्रीमती कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करती हूं –

कि पंजाब होम्योपैथी चिकित्सा व्यवसायी (हरियाणा संशोधन)विधेयक, 1988, को प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव पेश हुआ कि –

दि पंजाब होम्योपैथिक प्रैक्टीशनर्ज (हरियाणा अमैंडमैंट)बिल, 1988, को इंट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न है कि –

दि पंजाब होम्योपैथिक प्रैक्टीशनर्ज (हरियाणा अमैडमैट)बिल, 1988, को इंट्रोड्यूस करने की परमिशन दी जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्ष: अब मन्त्री महोदया बिल इंट्रोड्यूस करेंगी।

स्वास्थ्य तथा आयुर्वेद मंत्री (श्रीमती कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, अब मैं विधेयक प्रस्तुत करती हूं।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष: अब गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्कशन शुरु होगी। Shri Bhagwan Sahai Rawat was on his legs. He may continue his speech.

श्री भगवान सहाय रावत (हथीन): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, इस महान सदन में इस महीने की 14 तारीख को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा दिये गये अभिभाषण पर और 15 तारीख को माननीय मंगल सैन जी द्वारा उस पर धन्यवाद प्रस्ताव का अनुमोदन करने के लिये यहां जो चर्चा चल रही है मैं उसका अनुमोदन करने एवं चर्चा करने के लिये खड़ा हुआ हूं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)।

आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, हमारे महामहिम राज्यपाल महोदय ने श्य सदस में अपने अभिभाषण द्वारा इस सरकार की उपलब्धियों और विकास के कार्यों की बडे विस्तार के साथ व्याख्या की है और आगे के जो कार्यक्रम हैं उनके बारे में भी बताया है। जिन जिन उपलब्धियों के बारे में गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाषण में जिक्र किया है उन में से कानून तथा व्यवस्था, ओलावृष्टि, सूखा राहत, बिजली कर्जो की माफी और बुढ़ापा पैन्शन के सम्बन्ध में मैं अपनी सरकार की उपलब्धियों पर पहले चर्चा कर चुका हू। आज इस महान सदन का ध्यान राज्य स्तर पर व जिला फरीदाबाद तथा अपने हल्के हथीन जहां से मैं चुनकर आया हू, की कुछ समस्याओं की ओर दिलाना चाहता हूं। सब से पहले मैं अपने आदरणीय मुख्य मन्त्री महोदय, चौधरी देवी लाल जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हालात को देखते हुए ओलावृष्टि के सरण जो किसानों का नुक्सान हुआ था इस बारे में तुरन्त निर्णय लेकर किसानों की हर तरह से सहायता की है। इस

तरह सें किसान राज में यह एक बड़ी अच्छी शुरुआत है और किसान लोग बहा ही प्रसन्न हैं। चौधरी देवीलाल जी के इतना करने के लिये हम सब किसान उनके अत्यन्त आभारी हैं। उन्होंने मौके पर जा करके किसानों को सहायता और प्रोत्साहन दिया है। उसके लिए हम सभी उनके आभारी हैं कि इतने कम समय में किसी भी पूर्व मुख्य मन्त्री ने या किसी भी दूसरे राज्य के मुख्य मन्त्री ने। कभी भी इस प्रकार से पीड़ित किसानों को तुरन्त सहायता नहीं दी। किसान इस देश का आधार है। हरियाणा प्रदेश में 80 परसैटं लोग खेती का धन्धा करते हैं। हमें यह जान कर और सोच करके हर्ष होता है कि आज हमारा देश कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर है। जब पूरा देश पी० एल० 480 योजना के अन्तर्गत दूसरों की तरफ आख उठा कर देखता था उस वक्त हमारे किसानों ने आगे बढ़ करके इस मोर्चे पर लोहा ले करके देश को आत्मनिर्भर वनाया और उसमें हमारे देश के जितने भी दूसरे प्रान्त हैं उनमें पंजाब और हरियाणा प्रान्त अग्रणीय हैं। हमें इस बात का सौभाग्य है कि हम यहां के रहने वाले है। आज तो उस बात में हरियाणा ने चार चांद लगा दिए हैं। जो प्रदेश हरियाणा के नाम से जाना जाता है उसके मुख्य मन्त्री चौधरी देवी लाल जी हैं और वे यथार्थ रूप में हरियाणा के नाम को सार्थक कर रहे हैं। वे अपनी नीतियों के द्वारा, अपने कार्यक्रमों के द्वारा किसानों का वास्तविक हित चिन्तन करते हुए कार्य कर रहे हैं। मैं इन सब विषयों पर उनका धन्यवाद करते हुए कुछ सुझाव देना चाहूंगा जिनकी हमारे जिला फरीदाबाद के लोग और हथीन क्षेत्र के लोग

आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं। हमारी सरकार ने शिक्षा की असमानता को और क्षेत्रीय असन्तुलन को दूर करने के लिए काफी प्रशंसनीय कदम उठाए हैं। लेकिन मैं इस बारे में एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश शिक्षा की दृष्टि से सदियों से पिछड़ा रहा है और विशेष करके मेरा हथीन क्षेत्र जोकि मेवात क्षेत्र से लगता हुआ क्षेत्र है वहां पिछले 40 साल में शिक्षण संस्थाओं का और शिक्षण सुविधाओं का अभाव रहा है। मैं उसकी तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता गै कि जिला स्तर पर एक भी ऐसा कालेज नहीं है जहां पर हमारे फरीदाबाद के छात्र छात्राएं साईस और मैडिकल एजुकेशन ले सकें। केवल माल हमारे पड़ौस में लगता हुआ होडल कालेज है वहां भी ग्रेजुएशन लैवल तक साईस शिक्षा का प्रबन्ध नहीं है और एक मात पोस्ट ग्रेजुएट लेवल का कालेज फरीदाबाद में है जिसमें कौमर्स और दूसरी शिक्षा है। मै समझता हूं कि हमारी सरकार इन बातों की तरफ ध्यान दे करके हमारे जिला फरीदाबाद जोकि शिक्षा की दृष्टि से पिछड़ा हुआ क्षेत्र है और जिसके साथ मेरा हथीन क्षेत्र जोकि मेवात क्षेत्र के साथ लगता हुआ है, इस क्षेत्रीय असमानता को दूर करने के लिए प्राथमिकता देगी। हमारे आदरणीय शिक्षा मन्त्री जी यहां सदन मे बैठे हैं। मुझे यह कहते हुए बड़ा अफसोस होता है कि हमारी सरकार के बनने के बाद और 9 महीने गुजर जाने के बाद भी मेरे क्षेत्र में शिक्षा की ओर ध्यान नही दिया गया है। मेरे क्षेत्र में दो स्कूल टैन प्लस टू के हैं। एक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल बहीन में है और एक सीनियर

सैकेण्डरी स्कूल औरंगाबाद में है। उन दोनों स्कूलों में प्रारम्भ सत से ले करके आज तक प्राचार्य के पद रिक्त पड़े हैं। आप सभी जानते हैं कि जिस शिक्षा संस्था में हैड का पद रिक्त होगा उसका प्रशासन ठीक प्रकार से नहीं चल सकता। इसलिए मैं सरकार से मांग करूंगा कि शिक्षा का जो नया सत्र शुरु हो रहा है उसमें हमारे पिछड़े हुए क्षेत्र हथीन और मेवात क्षेत्र में जिन शिक्षा संस्थाओं में प्राचार्य और लैक्चरर्ज के पद रिक्त हैं उनकी पूर्ति करके हमे अनुग्रहित करें क्योंकि पिछड़े क्षेत्र के छात्र छात्राओं का भविष्य शिक्षा पर निर्भर करता है। साथ ही मैं यह कहना चाहूंगा कि हथीन एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर कालेज लैवल की कोई ऐजुकेशन नहीं है और न ही वहां पर कोई टैन प्लस टू स्कूल हैं। मैं चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में कम से कम एक स्कूल टैन प्लस टू का उपलब्ध कराया जाए ताकि हमारे बच्ने दूर न जा करके नजदीक से शिक्षा ग्रहण कर सकें। इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि पूरे देश की राज्य सरकारों की ओर हमारी सरकार की यह नीति है कि स्त्री शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। मैं भी यह समझता हूं कि जब तक स्त्री शिक्षा को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा तब तक समाज का पूर्ण विकास नहीं हो सकेगा। आज हमें इस बात की खुशी है कि हमारी सरकार ने लड़कियों की शिक्षा के लिए विशेष प्रावधान किया है, उसके लिए धन देना चाहा है। लेकिन मैं अपने माननीय शिक्षा मन्त्री से कहना चाहूंगा कि पाकिस्तान के साथ हुए पिछले युद्ध में मेरे अपने गांव का विजेन्द्र सिंह नाम का लड़का शहीद हो गया था उसके नाम पर वहां एक कन्या प्राथमिक

पाठशाला है, उसको अपग्रेड करके इतने बड़े गांव में कम से कम हाई स्कूल तो बना दिया जाए। इसके साथ ही इस महान सदन में मुझे यह बात कहते हुए बडा हर्ष हो रहा है कि हमारा हथीन क्षेत्र पिछड़ा रहने के बाद भी कुर्बानी देने में कभी भी पीछे नहीं रहता।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से मांग करता है कि जिस प्रकार से शहीद बिजेन्द्र सिंह के नाम से एक कन्या पाठशाला खोली गई है उसी प्रकार से मेरे हल्के के एक गांव अन्धोप में भी. श्री सतबीर सिंह के नाम पर एक कन्या पाठशाला अवश्य खोली जाए। श्री सतबीर सिह श्री लंका में जा कर शहीद हुआ है। यह सभी को पता है कि भारत सरकार ने हमारी फौज को दूसरे देश में लड़ाई के लिए भेजा हुआ है। वहां पर हमारे काफी जवान शहीद हुए हैं। श्री सतबीर सिंह की आयु मुश्किल से 20 – 22 साल की थी। यह युवक अपने मुल्क की सेवा करते करते शहीद हुआ है इसलिए मेरी सरकार से पुनः प्रार्थना है कि अन्धोप के अन्दर उसके नाम पर कोई पाठशाला अवश्य खोली जाए ताकि ऐसे शहीदों की यादें आने वाली पीढ़ी के लिए एक वरदान साबित हो और लोग उनसे प्रे रणा ले सकें। इस नवयुवक ने श्रीलंका में शहीद हो कर हरियाणा का और मेरे हल्के का नाम ऊंचा किया है। उपाध्यक्ष महोदय, इसमें कोई शक नहीं कि शिक्षा के विस्तार के लिए हमारी सरकार ने काफी बजट रखा है। साथ ही साथ मैं यह बात भी अवश्य कहना चाहूंगा कि पिछले 40 सालों से जतना

ध्यान शिक्षा के क्षेत्र की तरफ सरकार का जाना चाहिए था, उतना नहीं गया।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं स्वास्थ्य संबंधी कुछ बातों का जिक्र करना चाहूंगा। मेरे हल्के के सबसे बडे गांव औरंगाबाद के लिए सन 1958– 59 में पी०एच की० बनी थी जो कि उस समय पूरे पंजाब में इस इलाके में सबसे पहले मन्जूर हुई थी। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का नया भवन 1978 में बनाना तय हुआ था जिसका बजट तत्कालीन सरकार ने लगभग 16 लाख रुपया मन्जूर किया था। भजन लाल सरकार के आने पर वह कार्य नहीं हो सका। उसके बाद हरियाणा सरकार की. नीति अनुसार तत्कालीन पी० एच० सी० को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में परिवर्तित करना था। इसके लिए सरकार ने 7 एकड़ जमीन मांगी थी लेकिन ग्राम पंचायत ने सरकार को साढे सात एक एकड दे दी है। चौधरी देवी लाल जी जब 1977 में पहली बार मुख्य मन्त्री बने थे उस समय तो इसका विकास करना तय हो चुका था लेकिन बाद में आने वाले मुख्य मन्त्रियों, चौधरी भजन लाल और वैसी लाल जी ने वह काम नहीं होने दिया पुरानी बिल्डिंग की बुरी हालत है। अब मेरी मुख्य मन्त्री महोदय से और स्वास्थ्य मन्त्री महोदया से विशेष प्रार्थना है कि मेरे हल्के के सबसे व डे गांव औरंग बाद में जो सामुदायिक स्वाथ्य केन्द्र बहुत पहले बन जाना चाहिए था लेकिन किन्हीं कारणों से आज तक नहीं बन पाया है, का काम जल्दी से जल्दी शुरु करवाया जाए। इस बारे में मैं यह बात भी नोटिस में लाना

चाहता हूं कि जब हरियाणा के मुख्य मन्त्री चौधरी बंसी लाल 1986 में पुनः आए तो उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को तथा खण्ड चिकित्सा अधिकारी और दूसरे स्टाफ को यहां से शिफ्ट कर दिया था। इस वजह से स्वास्थ्य केन्द्र की बिल्डिग भी नहीं बन सकी थी। ये ऐसे कई कारण रहे हैं जिनकी वजह से उन लोगों की मांग आज तक पूरी नहीं हो पाई है। अन्त में इस संबंध में मैं सरकार से पुनः प्रार्थना करता हूं कि जिन अधिकारियों तथा कर्मचारियों के पद यहां से बदल दिए गए थे, पुनः यहां लाख जाएं।

उपाध्यक्ष महोदय अब मैं सिंचाई के बारे में बोलना चाहता हूं। यह प्रान्त हमेशा से कृषि प्रधान प्रान्त रहा है। पिछले सैशन में मुझे इस संबंध में एक काल अटैन्शन मोशन रखने का भी मौका मिला था। उस समय भी मुझे अपने काल अटैन्शन मोशन के जरिए यह बात कहने का मौका मिला था कि आगरा नहर का उपयोग जिला फरीदाबाद में सिंचाई प्रयोजन के लिए किया जाता है लेकिन इसका नियन्त्रण उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन है। औज फिर मैं उसी बात को कहना चाहता हूं क्योंकि हमारे फरीदाबाद का जो क्षेत्र इस आगरा कैनाल से सिंचित होता है उसके लिए हमें अपने यहां की नहरों से अधिक चार्ज देना पड़ रहा है। उदाहरण के तौर पर मैं बताना चाहता हूं कि गेहूं, जौ के लिए आगरा नहर का सिंचाई दर 58 रुपए प्रति एकड़ और हरियाणा में अन्य नहरों की सिंचाई दर 20 रुपए प्रति एकड़ है। इसी प्रकार से हमारे वहां

पर गन्ने पर 96 रुपए और दूसरी नहरों से 34 रुपए लिए जाते हैं। मटर, मसूर, तिलहन, चने और अरहर पर 45 रुपए और दूसरी नहरों से 18 रुपए लिए जाते है। मूंग, उड़द, ज्वार, बाजरा पर हम से 35 रुपए तथा दूसरों से 18 रुपए लिए जाते हैं। इसी प्रकार से मैं वह भी बताना चाहता हूं कि रौनी पर हमसे 7 रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से पैसे लिए जाते हैं जबकि दूसरी नहरों से जो लोग सिंचाई करते है उनसे कोई पैसा नहीं लिया जाता। मैं सरकार के नोटिस में यह बात भी लाना चाहता हूं कि .एस०वाई०एल० नहर बनने पर भी हमारे एरिया का मसला हल नही हो सकता। उपाध्यक्ष महोदय, उस एरिया के लिए मेवात कैनाल के नाम से एक परपोज्ड स्कीम सरकार के विचाराधीन है। मैं सदन में यह जानकारी देना चाहता हूं कि उस मेवात कैनाल का नाम मेवात के नाम से है। मेरा क्षेत्र भी मेवात में पड़ता है लेकिन मेरे क्षेत्र का थोड़ा सा हिस्सा छोड़ कर बाकी का हिस्सा उस नहर की कमांड में नहीं आता है। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि कम से कम सारे एरिया का ध्यान रख करके उस कैनाल के कमांड एरिया को बढ़ा करके सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं।

श्री उपाध्यक्षः आप पहले भी 9 मिनट बोल चुके हैं। आज फिर आपको बोलते हुए 10 मिनट हो चुके हैं। हरेक मैम्बर के बोलने का समय 10 मिनट रखा हुआ है। आपको बोलते हुए 19 मिनट हो चुके हैं। अब आप अपनी स्पीच खत्म करें।

श्री भगवान सहाय रावतः जब आप कहेंगे उसी समय मैं अपनी स्पीच बंद कर दूंगा।

श्री उपाध्यक्षः आप एक मिनट में अपनी बात खत्म करें।

श्री भगवान सहाय रावतः ठीक है जी। उपाध्यक्ष महोदय, मैं सिंचाई मन्त्री महोदय के नोटिस में यह वात लाना चाहता हूं कि आगरा कैनाल की मैनेजमैंट हमारे हाथ में न होने के कारण हमें यह समस्या आती णै। जहां तक सिंचाई दरों की बात है उनमें हमारे इलाके के किसानों को राहत मिलनी ही चाहिये। हमारी लोकप्रिय सरकार ने ओला पीड़ित और सूखा पीड़ित लोगों के लिये विकास कार्य किये हैं और उन्हें सबसिडी दे कर राहत दी है लेकिन फरीदाबाद जिले की आगरा कैनाल से जो भूमि सिंचित होती है उसके पानी की दरों में काफी अन्तर है। यू० पी० के किसानों को 20 रुपये देने पड़ते हैं तो यहां के किसानों को 58 रुपये देने पड़ते है और 34 रुपये की जगह पर 96 रुपये देने पड़ते हैं। इसलिये मेरी सरकार से मांग णै कि वहां के किसानों को सबसिडी दे कर उनके हितों का ख्याल रखें और इस खर्च को सरकार वहन करे। बड़े दु:ख की बात है कि पिछले चालीस सालों से हमें अपनी हरियाणा की सिंचाई की दरें उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। इसलिये जल्द से जल्द इस बारे में विचार किया जाये। बार बार केन्द्र स्तर पर भी विचार हुआ है लेकिन अभी तक मामला अधर में लटका हुआ है। एक और सुझाव मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं। हमारे यहां सोहना ब्लांक में एक अटेलियन नाम

की प्रौजेक्ट चालू की हुई है। मेरा हल्का हथीन भी साथ ही लगता हुआ है। अटेलियन प्रोजैक्ट के नीचे सारे विकास कार्यों में पचास परसैन्ट सबसिडी दी जाती है। इसलिये मैं चाहूंगा कि यह अटेलियन प्रोजैक्ट हमारे हथीन ब्लॉक में भी लागू करें ताकि हम भी जीविकार्जन कर सकें। जो लोग बगैर पानी की खेती पर निर्भर करते हैं उरगको भी राहत मिल सके। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री शिव प्रशाद (अम्बाला शहर): उपाध्यक्ष महोदय, सब से पहले मैं सदन के सभी सदस्यों और हरियाणा की जनता का धन्यवाद करता हूं कि एक जनवरी, 1988 को जो मेरे साथ घटना घटी उसके लिए सभी ने अपने हृदय से और सच्चे अन्तः करण से भगवान से प्रार्थना की जिसके परिणामस्वरूप मैं इस सदन में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं। इसके साथ–साथ मैं सरकार का भी धन्यवादी हूं कि एक मिनट भी जाया न करके मेरा उपचार आरम्भ कर दिया गया। आप लोगों की दया और सरकार द्वारा की गई तत्परता के कारण ही मैं आपके मध्य में खड़ा हुआ हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, डाक्टर मंगल सैन जी ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव राज्यपाल के अभिभाषण के लिये प्रस्तुत किया है, उस पर बोलने के लिये मैं खड़ा हुआ हूं। राजीव लोगोंवाल समझौते के पश्चात् हमारे दो महान नेता डाक्टर मंगल सैन औरे देवी लाल जी ने जब यह देखा कि इस समझौते के अन्तर्गत हरियाणा के लोगों के साथ अन्याय हुआ है और हरियाणा के लोगों कें हितों

को कांग्रेस सरकार के लोंगों ने बेच दिया है तो उन्होने रोज नैतिक कार्यकर्त्ता होने के नाते इस जिम्मेदारी को अपने पर लिया। उन्होंने संकल्प किया और एक कार्यक्रम अपने हाथ में लिया। उन्होने गांव गांव में जा कर हरियाणा के लोगों को जगाया कि इस समझौते के तहत हरियाणा के हितों को कैसे कुर्बान किया है। जो चण्डीगढ़ के बदले में हमें हिन्दी भाषी अबोहर–फाजिल्का और अन्य 105– 107 के करीब गांव मिलने थे, केवलं जरा सी बात पर इन्कार कर दिया गया कि एक गांव रास्ते में पड़ता है। अगर एक गांव रास्ते में दूसरी भाषा का पड़ता है तो उसको एक यूनिट मान लि रा गया जिसके कारण एक नयी समस्या हरियाणा और पंजाब के बीच में खड़ी हो गई। दूसरे एस० वाई० एल० का जितना पानी राजीव गांधी की पूज्य माता इन्दिरा गांधी ने देने का वायदा किया था, वह भी नहीं मिला। वहां भी हरियाणा के हितों को कुर्बान कर दिया। उपाध्यक्ष महोदय, रेलवे की कोच फैक्टरी हरियाणा के हिसार जिले में लगने जा रही थी उसको भी समझौते के तहत पंजाब को दे दिया। अगर वह कोच फैक्टरी यहां पर लगती तो बेरोजगारों को रोजगार मिलता। इन सब बातों को सोच कर हरियाणा के लोगों को जगाने का प्रोग्राम हाथ में लिया जिसका परिणाम यह हुआ कि हरियाणा की जनता हमारी नीति के पीछे चली जिसका परिणाम एक बार नही अनेक बार मिला। डिप्टी स्पीकर साहब, केन्द्रीय सरकार ने यह फैसला किया था कि 26 जनवरी, 1986 को चण्डीगढ़ पंजाब को दे दिया जाएगा लेकिन इसके बदले में हरियाणा को हिन्दी भाषी क्षेत्र कब मिलेंगे, इसके

बारे में केन्द्रीय सरकार ने न तो कोई घोषणा की थी और न ही कोई व्यान दिया था। हरियाणा के विपक्षी नेताओं ने 26 जनवरी से तीन दिन पहले, यानी 23 जनवरी, 1986 को रास्ता रोको आन्दोलन का ऐलान किया था लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस आन्दोलन में भाग लेने वाले लोगों को रोकने के लिये सारा ट्रैफिक ही बन्द कर दिया। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में कोई भी गांव और शहर ऐसा नही है जिसके पास से सड़क न गुजरती हो। जी० टी० रोड जिस पर एक सैकिण्ड के लिये भी ट्रैफिक बन्द नही होता था, उस दिन इन सभी सड्कों पर ट्रेफिक जाम था। सड्कों पर न कोई साईकिल था, न कोई मोटर साईकिल था, न कोई स्कूटर था और न कोई गाड़ी गुजरती हुई दिखाई देती थी। इसका परिणाम आज आप देख ही रहे हैं कि आज हम चण्डीगढ़ में बैठ कर ही विधान सभा अधिवेशन कर रहे है। अगर रास्ता रोको आन्दोलन सफल हो जाता तो स्थिति दूसरी ही होती। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता ने विपक्ष के नेताओं को पूरा समर्थन दिया था, परिणामस्वरूप नेताओं ने यह आश्वासन दिया कि जैसे ही सरकार उनके हाथ में आएगी, वे हरियाणा की जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करेंगे। चाहे किसान हो, चाहे कोई गरीब व्यक्ति हो, वह व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र से सम्बन्ध रखने वाला हो, उसके हितों की रक्षा का पूरा ध्यान रखेगे। इस आश्वासन को ध्यान में रखते हुए हमारे नेताओं ने किसानों के कर्जे माफ करने का ऐलान किया और इसके साथ ही साथ यह भी ऐलान किया कि हरियाणा में जितने वृद्ध व्यक्ति हैं, उनको पैन्शन

दी जाएगी। इसके इलावा यह भी आश्वासन दिया कि जो बच्चे सर्विस के लिये कहीं इन्टरव्यू देने के लिये बाहर जाएंगे, वे हरियाणा की बसों में फ्री सफर कर सकेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि नगर पालिकाओं के चुनाव हुए लगभग 20 वर्ष हो गये थे। यह भी आश्वासन दिया था कि नगरपालिकाओं के चुनाव निश्चित रूप से करवाये जायेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक मैं समझता हूं, हरियाणा में लोकदल की सरकार ही समूचे देश में सबसे पहली .....सत्ता हाथ में आते ही अपने किये हुए सारे वायदों को पूरा कर दिखाया .... परिणाम यह हुआ कि आज हरियाणा की जनता का खोया हुआ विश्वास जो राजनेताओं के हेर–फेर के कारण उठ गया था, वह फिर से जम गया। चौधरी देवी लाल जी न नेतृत्व में चल रही सरकार ने ज्यों–ज्यों अपने किये हुए वायदों को ..... त्यो–त्यों जनता का विश्वास फिर से सरकार पर स्थापित हो गया। अब जनता समझने लगी है कि मौजूदा नेता जो कहते हैं, वह निश्चित रूप से करते हैं, महज चुनाव जीतने के लिये ही वायदे नही करते।

उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण सदन में दिया है, इस पर बोलते हुए मैं कुछ सुझाव सदन मे देना चाहता हूं। मैं अध्यापक होने के नाते शिक्षा के बारे में ही कुछ बातें कहूंगा। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कालेजों का जिक्र किया गया है। प्राध्यापक ने भी अपनी कुछ कठिनाइयां सरकार के

सामने रखी हैं। मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि सरकार उनकी मांगों पर गौर करे और जहां तक उचित हो सके, जायज मांगों को स्वीकार करने की कृपा करे। इसके अतिरिक्त मैं स्कूलों की स्थिति सुधारने के बारे में भी थोड़ा सा कहना चाहूंगा। हरियाणा में स्कूल दो तरह के हैं। एक सरकारी स्कूल और दूसरे प्राईवेट स्कूल। सरकारी प्राईमरी स्कूलों में पढ्ने वाले बच्चों की संख्या बहुत मारी है। स्कूलो की परीक्षा पास करने के बाद ये बच्चे कालेजों में प्रवेश करते हैं और प्राध्यापक पढ़ाते हैं। सारी स्टेट में 5– 6 हजार प्राध्यापक हैं जिनके लिये सरकार ने एक अलग डायरैक्टोरेट बना दिया है लेकिन प्राईमरी स्कूलों के अध्यापक, जिनकी संख्या 50 हजार से अधिक है, उनके लिये मेरा सरकार से सुझाव है कि इन स्कूलों में पढ्ने वाले बच्चों की शिक्षा प्रणाली सुधारने के लिये भी एक अलग डायरैक्टोरेट बना दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, प्राईमरी स्कूल ही शिक्षा की बुनियाद है, यहीं से बच्चों का बेस बनता है। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि प्राईमरी स्कूलों के लिये भी एक अलग डायरैक्टोरेट बना दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, आज प्राईमरी स्कूलों की स्थिति बड़ी दयनीय है। स्कूल में अगर बच्चे हैं तो प्राध्यापक नहीं हैं, अगर प्राध्यापक हैं तो पढ़ाई ठीक तरह से नहीं होती। अगर स्कूलों की बिल्डिंगज की हालत को देखा जाए तो उनकी हालत बहुत ही खस्ता है। खस्ता हालत को देखते हुए अध्यापक मजबूर हो जाते हैं, यह सोचने के लिये कि इस बिल्डिंग की छतों के नीचे न बैठा जाए। अध्यापक स्कूल से बाहर वृक्षों के नीचे बैठकर बच्चों को

पढ़ाते हैं लेकिन बैठने के लिये टाट तक भी नहीं हैं। अगर डायरैक्टोरेट बना दिया जाये तो मैं समझता हूं कि प्राईमरी स्कूलों का सुधार हो सकता है। इसके साथ साथ अगर हरियाणा शिक्षा बोर्ड के परिणामों को देखा जाए और उसमें से प्राईवेट स्कूलों के परिणाम को निकाल दिया जाए तो आप देखेंगे कि हमारा परिणाम किस नीचे के स्तर पर चला जाएगा। बहुत से सरकारी स्कूल ऐसे हैं जिनका परिणाम बोर्ड की रेशो से भी बहुत नीचा होता है। इसलिये इन स्कूलों की ओर जितना ध्यान दियों जाए उतना थोड़ा है। आज प्राईवेट स्कूलों में अध्यापकों को पूरा वेतन नहीं मिलता। उनको मँहगाई भत्ते की ग्रांट पूरी नहीं मिलती है ..... उन स्कूलों में काम करने वाले अध्यापकों की जो तकलीफ है उसका हमें ध्यान देना चाहिये। उनको केवल 75 प्रतिशत ग्रांट दी जाती है। मेरा एक सुझाव है कि ..... स्कूलों में पड़ाने वाले अध्यापक हैं उनका ध्यान अधिक पढ़ाई की तरफ जाए और वे ....को लेकर सड्कों पर न जाएं। ऐसा करने के लिये इन स्कूलों को भी प्राईवेट की तरह 95 प्रतिशत ग्रांट दी जाए और अध्यापकों को वेतन खजाने से ही मिलें। एत। करने से उनकी समस्या हल हो सकती है। मेरा दूसरा सुझाव यह है कि अगर हम देखें कि सरकार गवर्नमैंट स्कूल में पढ्ने वाले बच्चे पर क्या खर्च करती है और प्राईवेट स्कूल में पढ्ने वाले बच्चे पर क्या खर्च करती है। अगर हम बच्चे के हिसाब से देखेंगे तो मैं समझता हूं कि जिस स्कूल में ज्यादा बच्चे होगे वहां ज्यादा ग्रांट मिलेगी। फिर जिस स्कूल में बच्चो की संख्या बढ़ जाती है वहां अतिरिक्त

अध्यापकों की मंजूरी सरकार की तरफ से 2– 4 साल तक नहीं मिलती। इस वजह से स्कूल वाले कम वेतन देकर अध्यापकों को रख लेते हैं। अब आप ही देखें कि एक ही क्वालिफिकेशन के एक अध्यापक को कम तनखाह मिले और दूसरे को ज्यादा मिले तो कम वेतन लेने वाला पढ़ाई में कितनी रुचि लेगा। इस लिये शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये यह जरूरी है कि प्राईवेट स्कूलों को और ज्यादा प्रोत्साहित किया जाए ताकि शिक्षा का स्तर ऊंचा हों सके। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक मिसाल बताना चाहता हूं कि पढ़ाई के स्तर की तरफ कितना ध्यान रखा जाता है। आज कल पांचवी की परीक्षा हो रही है। मेरे हाथ में पांचवी का हिसाब का पर्चा आया। मेरा ध्यान उस ओर चला गया कि पांचवीं का बच्चा क्या पड़ता है और पेपर में उनको क्या देना चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, एक सवाल है कि 1 1/3– 8 1/3 और उसके बाद जमा की दो रकमें हैं फिर का की एक रकम है। पांचवी के हिसाब में का का अर्थ बच्चों को नही पता। अगर जमा की निशानी लगाई जा सकती है नफी की निशानी लगाई जा सकती है तो गुना की निशानी भी लगाई जा सकती है। तो बहुत से बच्चों को का का अर्थ समझ नहीं आया। पेपर बनाने वाले ने बच्चों के स्टैडर्ड को नहीं देखा। एक प्रश्न इसी प्रकार से और था कि एक आयाताकार भूमि की लम्बाई और चौड़ाई इतने मीटर है। इसके अन्दर 5 मीटर लम्वा चौपड़ है। बच्चों को चौपड़ का नहीं पता कि क्या होता है। आज मैंने नौवीं दसवीं के बच्चों को इस बारे में पूछा तो उनकी भी समझ में यह नहीं आया। इसलिए जिसे आदमी ने यह पेपर

बनाया उसने ध्यान नही दिया। इसी तरीके से तीन चार सवाल और भी इसी तरह के हैं जो बच्चे बिना सौलव किए ही बाहर चले आए। मैं समझता हूं कि हमारे शिक्षा मन्त्री महोदय इस ओर विशेष ध्यान देंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं एक बात की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं क्योंकि सरकार ने एक वायदा किया था।

Mr. Deputy Speaker : Wind up please .

श्री शिव प्रशादः डिप्टी स्पीकर साहब. अभी तो मुझे थोड़ा सा समय और चाहिये।

श्री उपाध्यक्षः बडी लम्बी–चौड़ी लिस्ट है और मैम्बर्ज भी बोलना चाहते श्री शिव प्रशाद मैं थोड़ा सा और बोधन। चाहूंगा। फिर शायद मुझे बोलने का मौका मिले या न मिले। अभी तो मैंने। अपने एरिया की कठिनाइया भी नहीं बतायी हैं।

श्री उपाध्यक्षः जल्दी बताइये। अब तक तो आपको बता देनी चाहिये थी।

श्री शिव प्रशादः डिप्टी स्पीकर साहब, जिस एरिया से मेरा सम्बन्ध है, उसकी कठिनाइयां कहने का यही तो मौका पै। उपाध्यक्ष महोदय, मैं लोगों को राहत देने के लिये अपनी सरकार से एक बात कहना चाहूंगा। आज कल जो सेल्ज टैक्स की 8– 9

दरें हैं, इनको घटाकर यदि दो–या तीन कर दिया जाये तो अच्छा होगा। एक बात मैं कहना चाहना हू कि हमें गरीब आदमी की कठिनाई की तरफ ज्यादा ध्यान देना है। रबड़ या प्लास्टिक की चप्पल पहन कर गरीब आदमी गुजारा कर सकता है। जिन चप्पलों की कीमत 25 या 30 रुपये से कम हो उनके ऊपर सेल्ज टैक्स न लिया जाये यानी उनको सेल्ज टैक्स की जद से निकाल दिया जायें तो इससे गरीब लोगों को राहत मिलेगी। इसी तरह से हमारा ध्यान हरियाणा की डिवैल्पमैंट की ओर जाना भी चाहिये और जा भी रहा है। जिस क्षेत्र से मेरा सम्बन्ध है, वह अम्बाला शहर है। शहर का शब्द शायद सारे हरियाणा मे एक ही जगह के साथ जुडा हुआ है लेकिन मुझे इस बात का दुख होता है कि पिछले बहुत से वर्षो से इस शहर की ओर ध्यान नहीं दिया गया। वहां की सड़कों की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया गया। अगर इस बात का पता लगाना हो तो आप पैका चलने वाले से या साइकिल चलाने वाले या मोटर–साईकिल चलाने वाले से पूछ सकते हैं। वहां सड्कों की हालत बहुत बुरी है। मैं अपने फाइनैसं मिनिस्टर महोदय से यह कहूगा कि इस वर्ष के बजट में निश्चित रूप से जहां वे इस डिपार्टमैंट को ग्रान्ट दें वहां अम्बाला के लिये कोई स्पैशल ग्रान्ट अवश्य दें जिससे शहर की सड्कों और गलियों की व्यवस्था ठीक हो सके। इसके बाद मैं एक बात और कहना चाहता हूं। अम्बाला शहर एक डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर है। वहां पर डिस्ट्रिक्ट अस्पताल बनाने के लिये 11 फरवरी, 1980 को शिलान्यास हुआ था। आज 8 साल हो गये हैं। वहां पर मुलाजिमों

के रहने के लिये क्वार्टर बन गये हैं लेकिन अस्पताल की बिल्डिंग पर एक भी इंट नहीं रखी गयी। आप ही देखिये कि डिस्ट्रिक्ट प्लेस पर भी इस काम की यह हालत है जो ठीक नही है। वहां पर आस पास के इलाके के इतने लोग आते है कि मरीजों को जगह नहीं मिलती उनके बीमार– दारों के लिये तो क्या जगह मिलेगी। मैं समझता हूं कि निश्चित रूप से पिछले समय में जो कमियां रही हैं, उनको पूरा करने की यह सरकार कोशिश करेगी। अगर चण्डीगढ़ से दिल्ली जायें या दिल्ली से चण्डीगढ़ आयें, तो बलदेव नगर कैम्प जो दिल्ली चण्डीगढ रोड पर है, वहां पर बस नही रुकती। पिछले दिनों में जो सरकार के मुख्य मली थे, उन्होंने यह ऐलान किया था कि बलदेव नगर में एक छोटा बसक्टैण्ड बनेगा ताकि हर आने–जाने वाली बस वहाँ पर रुके जिससे वहां पर लोगों को आने–जाने में कोई तक– लीफ नहीं होगी। आप किसी वक्त भी अम्बाला कैट तो आ सकते हैं लेकिन अगर शहर में आ ना–जाना पड़े तो बड़ी दिक्कत होती है। इसलिये मैं यह चाहूंगा कि जो बस–अड़ा वहां पर बमने वाला था, उसकी तरफ भी ध्यान दिया जाये। मैं एक बात कहकर आपका धन्यवाद करता हूं और अपना स्थान लेता टू कि अम्बाला की तरफ जिला केन्द्र होते हुए जितना ध्यान वहां पर दिया जाना चाहिये था, वह नहीं दिया गया। इसलिये मैं यह चाहूंगा कि जो बातें मैंने कही हैं, मंत्री महोदय जवाब देते समय जरूर उनका ध्यान रखेंगे और अम्बाला की जो आज हालत है, उसकी ओर जरूर ध्यान देंगे। धन्यवाद।

चौधरी किशन सिंह सांगवान (गोहाना): उपाध्यक्ष महोदय, 14 तारीख को गवर्नर साहब द्वारा पढ़े गए अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर यहाँ पर बहस चल रही है। हमारे सामने डाक्टर मंगल सैन ने सरकार की उपलब्धियों का और प्रोग्रामों का जिक्र करते हुए जो धन्यवाद का प्रस्ताव सदन में पेश विना है, मैं भी उस प्रस्ताव का समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। हमारे काफी वरिष्ठ साथियों ने अलग–अलग मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की है जिसमें मुख्य चर्चा का विषय जो रहा है, वह वृद्धों की पैन्शन का है। हमारे वरिष्ठ साथी चौधरी तैयब हुसैन जी को जब कहने के लिये और विरोध करने के लिये कोई बात नही मिली तो उन्होंने बड़े लखनवी अन्दाज में यह कहा कि इस अभिभाषण में कोई विशेष या खास बात नहीं है। मैं आपके द्वारा चौधरी तैयब हुसैन को बताना चाहता हूं कि आप तो पढ़े लिखे हैं, आप पैन्शन के सवाल को ही लीजिए। अमरीका दुनिया का सब से अमीर देश है, वहां पर 95 प्रतिशत लोग अमीर हैं और केवल पांच प्रतिशत लोग गरीब हैं। भारत के अन्दर साठ प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा से नीचे हैं। अमरीका इतना अमीर देश होते हुए भी वृद्धावस्था पैन्शन लागू नही कर पाया है। उपाध्यक्ष महोदय, अमरीका 65 साल से ऊपर के लोगों के लिये पैन्शन नही दे पाया है। यह चौधरी देवी लाल की सरकार है जिसने गरीबी के बावजूद और फाईनैन्शियल क्राइसिज होने के बावजूद वृद्धावस्था पैन्शन लागू की है। यह हमारी सरकार के लिये बड़ी विशेष बात है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में सरकार को कुछ सुझाव देना चाहता हूं।

यह प्रोग्राम बहुत अच्छा है लेकिन इतने बडे काम में छोटी मोटी त्रुटियां रह ही जाती हैं। जब हम गांवों में जाते हैं तो पता लगता है कि हर गांव में दो–चार पांच आदमी ऐंसे रह गए हैं जिन्होंने फार्म तो भर दिए हैं लेकिन उनको आज तक पैन्शन नहीं मिली हे। मेरा सुझाव है कि जितने फार्म भरे गए हैं और जिनकी लिस्ट ऐप्रूव हो गई है उस ऐप्रूव्ड लिस्ट की एक कापी बी०डी०ओ० के कार्यालय में होनी चाहिए ताकि हर आदमी ब्लौक में जाकर यह पता लगा सके कि उसकी पैन्शन मन्जूर हुई है अथवा नही। ऐसा करने से लोगों में कंफ्यूजन नही होगा। उपाध्यक्ष महोदय, वृद्धावस्था पैन्शन का काम काबिले तारीफ काम है और इस बारे में सरकार की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है।

उपाध्यक्ष महोदय, सरकार का दूसरा अच्छा कदम लोगों को सूखा राहत देना है। हरियाणा की जनता भी जानती है और हिन्दुस्तान की जनता भी जानती है कि हरियाणा में भयंकर सूखा पड़ा है। हमारे साथ तैयब हुसैन की सरकार ने, केन्द्रीय सरकार ने जो भेदभाव किया है उसके बारे में चौधरी सूरज भान जी ने स्पष्ट रूप से बता दिया है। हमको केवल 36–37 करोड़ रुपया केन्द्रीय सरकार ने दिया है और यह रिकार्ड की बात है कि सीमित साधनों के वावजूद हरियाणा के अन्दर अभी तक कोई पशु नहीं मरा है और न ही कोई आदमी मरा है। यह सरकार की बड़ी भारी उपलब्धि है। उपाध्यक्ष महोदय, राजस्थान को 488 करोड़ रुपया दिया गया। वहां पर हजारों पशु और सैकड़ों आदमी मर गए। वहां

पर दो–दो रुपया मजदूरी दी गई और हमारे यहां सवा उन्नीस रुपए से कम मजदूरी किसी को भी नहीं दी गई। हर गांव में तालाब खोदे गए और गलियां तथा रास्ते ठीक किए गए। मैं चौधरी हुक्म सिंह जी की तारीफ करना चाहता हूं कि बुजुर्ग होते हुए भी उनको विकास का महकमा दिया हुआ है और वे हर गांव में गए। मजदूरों को जो मजदूरी दी गई उसकी अपने लेवल पर चौकिंग की। इतना सूखा होने के बावजूद हमारी सरकार ने लोगों को सूखा महसूस नहीं होने दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी की भी तारीफ करना चाहता हू और उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि उन्होंने हर खेत में और हर माईनर की टेल पर पानी पहुंचाया। उन्होंने सूखे की स्थिति होते हुए भी बिजली की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं शिक्षा कें बारे में चर्चा करना चाहूंगा। शिक्षा के बारे में मैं तैयब हुसैन जी को बताना चाहता हू क्योंकि केवल वे ही विपक्ष के रूप में यहां बैठे हुए हैं। शिक्षा के बारे मे चौधरी खुरशीद जी ने डिटेल में काफी बता दिया है। जिस बात की मैं चर्चा करना चाहता हूं वह है नकल। उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने नकल करने की प्रवृति पर बड़ी भारी रोकथाम लगाई है। पिछली सरकार के समय में हर प्रश्न–पत्र की लीकेज होती थी। कालेज और स्कूलों के प्रश्न पत्रों में बड़ा भ्रष्टाचार था। इस सरकार ने इस बुरी प्रथा को चौलेन्ज किया ओर यह साबित करके दिखा दिया कि नकल को कैसे रोका जा सकता है। नकल

को रोकना हमारे विद्यार्थियों के लिए, हमारे स्टूडैन्टस के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे हमारी आने वाली पीढ़ी सुधर जायेगी। उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षा बोर्ड के ऐसे चेयरमैन रहे हैं जो खुद जाकर नकल करवाते थे। इससे शिक्षा में सुधार कैसे हो सकता है? उपाध्यक्ष महोदय, मैं श्री राजाराम जी की ताईद करता हूं कि उन्होंने बड़े ही अच्छे ढंग से, सुचारू रूप से शिक्षा बोर्ड को चलाया है और नकल करने की बुरी आदत को समाप्त किया है। नकल को खत्म करने में उनका बडा ही योगदान रहा है। इसके साथ साथ मैं एक और बात भाई खुरशीद जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि हमारे गोहाना में एक लड़कियों का स्कूल है। उसमें 1,600 के लगभग छात्राएं पढती हैं और वहां पर कमरे केवल 12 ही हैं। एक कमरे में एक समय में सवा सौ या डेढ़ सौ से ज्यादा छात्राएं नहीं बैठ सकतीं। उपाध्यक्ष महोदय, में आपके माध्यम से सरकार से यह रिकवैस्ट करूंगा कि उस गर्ल्स स्कूल को स्पैशल ग्रांट देकर वहां पर और कमरे बनवाने का शीघ्र ही प्रबन्ध किया जायेरू क्योंकि लडकियां बेचारी चाहे गर्मी हो, सर्दी हो हर मौसम में बाहर बैठ कर पड़ती हैं। इसलिये सरकार को उन बच्चों की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुये इस तरफ ध्यान देना चाहिये।

उपाध्यक्ष महोदय, सोनीपत जिले के अन्दर एक गवर्नमैंट कालेज है और वह भी मोहाना के अन्दर। उसमें केवल आर्टस की क्लासिज ही लगती हैं, सांईस की क्लासिज का कोई प्रबन्ध ही

नहीं है। इसलिये आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि उस कालेज में साइंस क्लासिज लगाने का भी शीघ्र ही प्रबन्ध किया जाये। हमारी यह एक बड़ी मांग है।

उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के ऐडैरस के अन्दर शहरों को बढ़ावा देने के लिये भी काफी प्रोग्राम दर्शाये गये हैं लेकिन मैं उप्र–मुख्य मन्दी महोदय, जिनके पास लोकल बौडीज का महकमा भी है, का ध्यान इस ओर दिलाऊगा कि लोगों से नक्शे पास करवाने के लिये म्यूनिसिपल कमेटियो की ओर से भारी रकम ली जाती है। यह बात पिछली सरकार के जमाने में शुरू हुई थी। ए क्लास कमेटी द्वारा 20 रुपये प्रति यार्ड के हिसाब से, बी क्लास द्वारा 15 रुपए और सी क्लास द्वारा 10 रुपयें प्रति यार्ड के हिसाब से चार्ज किया जाता शै। इससे लोगों. को काफी दिक्कत हो रही है। यह बहुत ही हैवी अमांउट हैं जोकि लोगों के ऊपर थोप रखी है। एक गरीब आदमी जोकि 50–100 गज का प्लौट मुशकिल से मकान बनाने के लिये प्राप्त, करता है, उसके ऊपर टैक्सिज का काफी बोझ पड जाता है जोकि उसके लिये असहनीय होता है। 200 गज का अगर प्लौट हो तो उसके ऊपर कम से कम 3 या 4 हजार रुपये के हैवी टैक्सिज लोगों को पे करने पड़ते हैं। इस तरह से कई लोग इतने भारी टैक्सिज होने के कारण नक्शे भी पास नहीं करवाते। इस से म्यूनिसिपल कमेटीज की आमदनी में भी घाटा होता हैं और अन अथोराईजड कंस्ट्रक्शन को भी बढावा मिलता है। इसलिये मेरी आपके माध्यम से सरकार से रिकवैस्ट है

कि यह जो इस तरह का शहरों प्र बोझा डाल रखा है इसको समाप्त किया जाए ताकि शहरों का विस्तार भली भांति और आसानी से हो सके।

इसके साथ साथ पिछड़े वर्ग व हरिजनों के लिये विशेष तरह की सहूलियतें दी गई हैं, उनकी ओर खास तवज्जह दी जाए। इस ऐडैरस में बैकवर्ड क्लासिज और हरिजन निगमो के बारे में जो बाते कही गई हैं हम उसके लियै सरकार की प्रशंसा करते हैं। भाई परमानन्द जी ने इस पर बोलते हुए कहा है कि निगम द्वारा बैकवर्ड लोंगों के लिये विशेष प्रबन्ध किये जाएं ताकि उन लोगों को हर तरह की राहत मिल सैके। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवीलाल जी की सरकार ने एक और बड़ी सराहनीय बात यह की है कि हरेक गांव में से एक एक नम्बरदार बैकवर्ड क्लासिज का होगा। इसके लिये मैं चौधरी देवीलाल जी को हार्दिक बधाई देता हूं कि इस तरह करने से बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को भी प्रतिनिधित्व मिला है।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक ला एण्ड आर्डर का सम्बन्ध है, इस बारे में तो यहां सदन के अन्दर काफी चर्चा हो चुकी है। मैं यहां हाउस के अन्दर इस बात का जिक्र करना चाहता हू कि दरियापुर कांड में जिस प्रकार से हमारी पुलिस ने काम किया है और हिम्मत दिखायी है उससे पुलिस का मनोबल ऊंचा हुआ है। चौधरी देवीलाल जी ने जो कमांडो फोर्स भर्ती की है वह बड़ी ही कामयाब है। कोई पैसा वगैरह लेकर यह भर्ती नहीं की गई

जैसाकि पहली सरकार के वक्त में हुआ करता था। 6– 6 फुट के जवान बिना किसी सिफारिश और रियायत के इस भर्ती के लिये चुने गये हैं। केवल मैरिट के लिहाज से यह भर्ती की गयी है। इसी लिये हमारी पुलिस बलवान और कुशल है।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली और सिंचाई से सम्बन्धित बातों का सवाल है, यह काम बहुत ही सुचारू रूप से चल रहा है। इसकी इस सदन के सभी मैम्बर्ज ने तारीफ भी की है। चाहे खेतों में, चाहे कारखानों में, कहीं भी कह लीजिये, हर क्षेत्र में हमारी सरकार को पूरी कामयाबी मिली है। इसके साथ–साथ मैं एम०आई० टी० सी० का चेयरमैन होने के नाते यह बात अवश्य कहना चाहता हूं कि हर गांव में पक्के बालों की मांग है। जो पहले के पक्के खाल बनाये हुये हैं उन सब का लैवल ऊंचा नीचा है और गल्त है। ये पहले वाली सरकार के जमाने के हैं। सभी टूटे पड़े हैं जिनकी ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। हर गांव में यह मांग है कि उनको सुधारा जाए।

16.00 बजे

एम०आई० टी० सी० के पास पैसा नही है। मैं अपने उप–मुख्य मंत्री, जोकि फाइनैसं मिनिस्टर भी हैं, से प्रार्थना करूंगा कि एम० आई० टी०–सी० को पैसा दिया जाए ताकि खाल पक्के किए जा सकें। हमारे सिंचाई तथा बिजली मत्री चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने नहरों की हर टेल पर पानी पहुंचा दिया है। लेकिन हर

खेत में पानी पहुंचाने के लिए खाल पक्के होने बहुत ही जरूरी हैं। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि एम० आई० टी० सी० द्वारा खाल पक्के करने के लिए पैसे का प्रावधान किया जाए। इसके अलावा, मैं एक बात इंडस्ट्रीज के बारे में कहना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी रणजीत सिंह ने बोलते हुए इंडस्टरीज के तारे में बडे विस्तार से कहा। हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने हमारी. गोहाना तहसील को इंडस्ट्रीयली बैकवर्ड डिक्लेयर कर दिया है, उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। एक बात मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे प्रदेश मैं बेरोजगारी बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, इसलिए इंडस्ट्रीज लगाने की तरफ सरकार को अवश्य ध्यान देना चाहिए। हमारे प्रदेश में वड़े कारखाने भी लगने चाहिएं और छोटे कारखाने भी लगने चाहिएं। जो बाहर के इंडस्ट्रियलिस्टस हैं, अगर वे हमारे प्रदेश में आ कर फैक्ट्रियां लगाना चाहें तो उनको प्रोत्साहन देना चाहिए और उनको बिजली पूरी मात्रा में सप्लाई करनी चाहिए। यदि उनको सभी प्रकार की सुविधाएं मिलेगी तो वे यहां पर कामयाब होंगे और हमारे प्रदेश की बेरोजगारी भी दूर होगी। इन्ही शब्दों के साथ मैं अल्पका धन्यवाद करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदान (कैथल): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा जो अभिभाषण पढ़ा गया है और जिस पर डा० मंगल सैन जी ने जो धन्यवाद प्रस्ताव रखा है, मैं उस पर अपने विचार रखने के लिए और उसका समर्थन करने के

लिए खड़ा हुआ हू। उपाध्यक्ष महोदय, सदन के सभी माननीय सदस्य यह जानते हैं कि लोकदल और भारतीय जनता पार्टी ने किस प्रकार का संघर्ष करके हमारी सरकार बनाई है। जो संघर्ष किया गया उसके अन्दर हमारे तीन साथी शहीद हो गए थे और जिन शहीदों की तरफ देश और प्रदेश की पार्टी या कौम ध्यान नहीं देती, वह कभी भी कामयाब नही हुआ करती है। हमारी सरकार ने उन तीनों शहीदों को याद किया, यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन मैं उस बारे में अपनी सरकार से एक संशोधन करवाना चाहूंगा और कहूंगा कि जो ओमप्रकाश गोयल शहीद हुआ था, उसका नाम कालूराम लिखा गया है। यह गलत है। इसको ठीक करवाया जाए और जो धर्म सिंह शहीद हुआ था वह गांव प्योदा का रहने वाला था लेकिन उसका गांव हरसोला लिखा गया है, यह भी गलत है, इसको भी ठीक करवाया जाए।

चौधरी तैयब हुसैनः यह बात तो आपकी सरकार को तुरंत स्वीकार कर लेनी चाहिए।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार बनी लेकिन इन लोगों को एतराज है। इनको हमारी हर बात में सहयोग देना चाहिएं, अगर ये हमारी हर बात में अपना सहयोग दें तो बडी अच्छी बात है। मेरे इन कांग्रेसी भाईयों को यह देखना चाहिए कि जब केन्द्रीय सरकार हमारे साथ सौतेला रवैया अपना रही है तो उसके लिए ये भाई चुप क्यों रहते हैं? जब केन्द्रीय सरकार ने ऐनुअल प्लान के लिए हरियाणा को 600 करोड

रुपए दिए और दिल्ली को 540 करोड रुपए दिए तो क्यों नहो इन्होंने अपना व्यान –दिया कि यह हरियाणा के लोगों के साथ अन्याय हो रहा है? हरियाणा प्रदेश को आबादी के हिसाब से यह पैसा दो गुना मिलना चाहिए था और क्षेत्रफल के हिसाब से 12 गुना मिलना चाहिए था। दिल्ली हरियाणा के एक जिले के बराबर है लेकिन दिल्ली के लिए ऐनुअल प्लान का 540 करोड़ रुपया दिया गया और हरियाणा को 600 करोड़ रुपया दिया गया। इन को इस बारे में अपने व्यान देने चाहिएं थे कि यह हरियाणा के लोगों के साथ बे–इनसाफी है। दिल्ली के अन्दर हौस्पीटल हैं, स्कूल हैं, मेरे कहने का मतलब है कि वहां पर हर तरह की फैसिलिटीज हैं लेकिन फिर भी इतना पैसा दे दिया गया और हरियाणा के अन्दर इतनी फैसिलिटीज नहीं हैं फिर भी उसके मुकाबले में बहुत थोडा पैसा दिया गया है। इन को उस बारे में अपने व्यान देने चाहिएं थे कि यह हमारे हरियाण की जनता के साथ अन्याय है। (शोर)मेरे कांग्रेसी भाई यहां हाउसे में मौजूद हैं इनको इस बारे में भी सोचना चाहिए कि केन्द्रीय सरकार हमारे साथ एस० वाई० एल० नहर की खुदाई के लिए सौतेला रवैया अपना रही है। मेरे इन कांग्रेसी भाईयों को इस बारे में अपने व्यान देने चाहिए कि हरियाणा के लोगों को चूंकि पानी की बहुत जरूरत है इसलिए इस नहर को जल्दी मुकम्मल करवाया जाए। लेकिन इन्होंने इस बारे में कोई व्यान नही दिया।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली की सप्लाई के बारे में कहना चाहूंगा। इस सरकार के बनने के बाद जितनी बिजली गांवों के किसानों को मिली है वह आज तक किसी भी सरकार के समय मैं नहीं मिली, यह एक रिकार्ड की बात है। हरियाणा के अन्दर इतना भयंकर सूखा पड़ने के बावजूद भी किसानों को इतनी बिजली मिली है कि इस बार धान की फसल उतनी ही हुई है जितनी बरसात होने के बाद हुआ करती थी। यह एक प्रशंसनीय कदम है लेकिन मैं बिजली और सिंचाई मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि जो टनूबवैल्ज के कनैक्शन्ज देने बंद किए हुए हैं, वे दुबारा से लोगों को दिए जाए क्योंकि कई गरीब लोग पोल्ज वगैरा का पैसा देने में असमर्थ होते हैं।

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): उपाध्यक्ष महोदय माननीय सदस्य ने कालू राम गोयल के बारे में एक बात कही कि उसका सही नाम क्या था। मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि इस संबंध में हमने सिरसा के डी० सी० से पता करवाया है। उन्होंने बताया पैं कि उसका नाम कालू राम गोयल उर्फ ओम प्रकाश है।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदान: उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं बूढ़ों को जो पैन्शन हरियाणा सरकार द्वारा दी जा रही है, उस साथ में कहना चाहता हूं कि यह एक विश्व रिकार्ड है। मुझे इसमें एक कमी यह प्रतीत हो रही है कि लोगों को सही समय पर पैन्शन मिल रही। आज इस स्कीम के तहत करीब साढ़े छः लाख लोगों

को पैन्शन दी जा रही है। इस पैन्शन को लोगों के पास मनीआर्डर के करिए भेजने पर सरकार का लाखों स्मये खर्च हो रहा है। पैन्शन फीस्ट औफिस के जरिए लोगों के पास जाती है और पोस्ट औफिसिज भारत सरकार के अधीन आते हैं। विभाग की तरफ से तो पैन्शन बजरिए मनीआर्डर पोस्ट औफिस में दे दी जाती है लेकिन पोस्ट औफिस वाले पैन्शन को ठीक समय पर लोगों को नहीं देते। मुझे तो इस में भारत सरकार की कोई साजिश नजर आती है। हो सकता है कि उनकी यह स्कीम हो कि यदि यह पैन्शन देने की स्कीम फेज हो जायेगी तो फिर लोगों में हाहाकर मचेगी और सरकार बदनाम होगी। इस संबंध में मेरी सरकार को एक राय है कि यह पैन्शन मिनी बैंक्स के जरिए लोगों को दी बाये। सरकार आना पैसा को–आप्रेटिव बैंक्स में जमा करा दे और आगे बैंक वाले ही इस पैन्शन को लोगों तक पहुंचा दें। यदि सरकार ऐसा करती है तो उससे लाखों रुपया खर्चा जो मनी–आर्डर्ज पर होता है, वह बच सकेगा।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं शिक्षा के बारे में कुछ बातें कहना चाहूंगा। अब की बार हमारी सरकार ने नकल रोकने के विशेष उपाय किए थे और उसमें सरकार को सफलता भी मिली है। शिक्षा मंत्री महोदय को मै बताना चाहूंगा कि करनाल जिले के बारे में एक अखबार में खबर छपी थी कि साईंस के प्रैक्टिकल के लिए साईंस का टीचर भेजने की बजाये आर्टस का टीचर किसी स्कूल मे भेज दिया गया। बच्चों को तो ज्ञान हो सकता है लेकिन

आर्टस वाले टीचर को साईंस के बारे में क्या ज्ञान हो सकता है। इस संबंध में मेरा शिक्षा मंत्री जी से निवेदन है कि भविष्य में इस बारे में ध्यान रखा जाये ताकि बच्चों का भविष्य खराब न हो।

अब मैं अग्रोहा में जो अग्रोहा विकास बोर्ड के नाम से बोर्ड बनाया गया है उसके बारे में सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि यह बोर्ड बना कर सरकार ने एक सराहनीय कार्य किया है। इससे आम लोगों में चौधरी देवी लाल जी के प्रति जात– पात की भावना भी नहीं आयेगी। सरकार इस के तहत वहां का विकास करने के लिए 6 लाख रुपये खर्च करने का विचार रखती है। इसी प्रकार से अरब मैं कुछ बातें जेलों के बारे में कहना चाहूंगा। हमारी सरकार ने 1980 में जेल सुधार आयोग जो बनाया था उसकी 70 प्रतिशत सिफारिशें लागू करके एक अच्छा और सराहनीय कार्य किया है। जेलों से लोगों को पैरोल पर छोड़ने में जो दिक्कतें आती थीं उनको भी हमारी सरकार ने काफी हद तक दूर किया है और लोगों को पैरोल पर छोड़ने के नियम सरल बनाये हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं मैं सेल्ज टैक्स में छूट के बारे मे सरकार को बधाई देना चाहता हूं क्योंकि सरकार ने कई मामलों में व्यापारियों को विशेष छूट दी है। इससे व्यापारियों में सरकार के प्रति हमदर्दी की भावना पैदा हुई है। पहले तो ऐसा होता था कि असैसिंग अथोरिटी जो टैक्स लगा देती थी उसके हिसाब से व्यापारी कौ पूरा टैक्स जमा करवाना पड़ता था और

फिर अपील कर सकता था लेकिन अब व्यापारी अपने हिसाब से जितना टैक्स भरना चाहे उतना भर दे और फिर अपील कर सकता है। सारा पैसा एक साथ जमा करवाने की छूट देकर सरकार ने व्यापारियों को एक अच्छी राहत प्रदान की है। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों एक समाचार पढ़ने में आया कि हरियाणा में दवाइयों पर नौ परसैन्ट टैक्स लगाया जाता है लेंकिन मध्यप्रदेश में तीन परसैन्ट, जम्मू–काश्मीर में चार परसैन्ट और पंजाब में सात परसैन्ट लगाया जाता है। दूसरी स्टेटस में कम लिया जाता है तों यहां पर इतना अधिक क्यों लिया जाता है? गृह मंत्री महोदय हाउस में मौजूद हैं मैं उनसे इस बारे में निवेदन करूंगा कि दवाई की चूंकि हर गरीब और अमीर आदमी को आवश्यकता है इसलिए दवाइयों पर बहुत कम टैक्स होना चाहिए ताकि गरीब आदमी भी सुगमता से दवाई प्राप्त कर सके।

उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जो कदम उठाया है वह बहुत ही सराहनीय कदम है और उन्होंने जो ऐन्टी क्रप्शन बोर्ड बनाया है वह तो और भी अधिक सराहनीय कदम है। में चाहूंगा कि इसको और भी प्रभावशाली बनाया जाये ताकि जो लोग इस देश का करोड़ों रुपया स्विटजरलैडं के बैकों में जमा कराते हैं, उनके ऊपर नजर रखी जा सके और इस देश का सुधार हो सके। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री जय नारायण खुंडिया (कलानौर–अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं गवर्नर साहब के अभिभाषण का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। गवर्नर साहब के अभिभाषण पर कई दिनों से चर्चा चल रही है। मेरे माननीय साथियों ने सरकार की उपलब्धियों का काफी चर्चा किया है। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल की सरकार ने जो 8– 9 महीने में काम किया है वह बड़ा ही सराहनीय है। हरियाणा में चौधरी देवी लाल की सरकार आने का कारण संघर्ष समिति है। इस संघर्ष समिति में चौधरी देवी लाल और डाक्टर मंगल सैन ने जितना कार्य किया, उसे हाउस के सभी सदस्य जानते हैं और उसका ही यह सारा नतीजा है कि आज के दिन 90 विधायकों में 85 विधायक लोक दल और भारतीय जनता पार्टी के विराजमान हैं। यह सब संघर्ष समिति की देन है। चौधरी देवी लाल और संघर्ष समिति ने जो भी वायदे किये थे उन्हें समय पर पूरा कर दिया है। चाहे वह वायदा बुढ़ापा पैन्शन के बारे में था या बच्चों के बारे में था वह समय पर पूरा कर दिया।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए एक बात सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि हर गांव में पांच पांच या दस दस व्यक्ति ऐसे हैं जिनकी आयु 65 वर्ष की है परन्तु उन्हें पैन्शन नहीं मिली। वे भी पैन्शन की इन्तजार कर रहे है। इसलिए जो पांच परसैन्ट व्यक्ति रह गये हैं उन्हें भी पैन्शन देने के बारे में सोच–विचार किया जाये। इसके माथ साथ मैं एक बात और भी

कहना चाहूंगा कि डाक्टर अम्बेडकर की देन से अनुसूचित जाति के लोगों के लिए नौकरियों में 20 परसैन्ट की रिजर्वेशन हुई थी। आज देश को आजाद हुए चालीस साल हो गये हैं लेकिन उन लोगों को पूरी रिजर्वेशन नहीं मिल पाई णै। डिप्टी स्पीकर साहब, इन चालीस साल के दौरान में अढ़ाई साल ही जनता पार्टी की सरकार केन्द्र में रह पायी है वरना हमेशा कांग्रेस की ही सरकार रही है। कांग्रेस पार्टी की सरकार ने हरिजनों और बैकवर्ड लोगों को गुमराह किया हुआ था। उनका नारा था कि हमने अनुसूचित जाति के लोगों के लिए सर्विस में बीस परसैन्ट रिजर्वेशन दी हुई है लेकिन किसी भी महकमे में क्लास बन, क्लास टू और क्लास थी में इनको पूरी रिजर्वेशन नहीं मिली। इसी प्रकार से बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को भी पूरी रिजर्वेशन नहीं मिली। क्लास फोर के बारे में कहा जाता है कि पूरी रिजर्वेशन मिली हुई है। क्लास फोर में इसलिए पूरी हो जाती है कि उसमें सफाई कर्म चारी आ जाते हैं। उनका 20–25 परसैन्ट कोटा बन जाता है क्योंकि सफाई का काम कोई दूसरा आदमी करने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेसी लोग दुहाई देते हैं कि उन्होंने हरिजनों के लिए बहुत कुछ किया है, उनको आकाश पर चढ़ा दिया है, लेकिन आप किसी भी महकमे को ले लीजिए, क्लास 1, क्लास 2 तथा क्लास 3 में 6– 7 प्रतिशत से ज्यादा हरिजनों का कोटा फिल–अप नही हुआ है। इसके साथ ही साथ मैं एक और बात कहना चाहुंगा कि वर्ष 1987– 88 से पहले बजटों में कांग्रेस पार्टी ने हरिजनों के उत्थान के लिए जो पैसा रखा था, उसकी दुहाई देते हुए कहते हैं कि हमने गलियां

पक्की करने के लिए हरिजनों को ग्रांट दी है, मकान बनाने के लिए ग्रांट दी है और उनकी हर सुविधा दूरी की है। लेकिन वर्ष 1987– 88 के बजट में जो ग्रांट दी गयी है, वह मात्र सवा दो करोड़ रुपये की है। उसमें यह मैन्शन केर रखा है कि रेहड़ी खरीदने के लिए दस हजार रुपया, भेड–बकरियां खरीदने के लिए दस हजार रुपया दिया जाएगा। अगर बजट को देखा जाए तो वह मात्र सवा दो करोड़ ही है जो कि एक बहुत ही मामूली सी रकम णै। अभी 14 तारीख को कांग्रेस पार्टी की मीटिंग हुई थी जिसमें कांग्रेसियों ने कहा कि पिछले साल जिन आदमियों को रेहड़ी खरीदने के लिए, ऊंट, झोटा–बुग्गी खरीदने के लिए और भेड बकरियां खरीदने के लिए जो दस–दस हजार रुपया दिया गया था उससे तो नौमिनल सा ही फायदा लोगों को हुआ है। रोहतक जिले के अन्दर दो सौ आदमियों को चुना गया जिन्हें झोटा–बुग्गी खरीदने के लिए दो–दो हजार रुपये दिये गये। डिप्टी स्पीकर साहब, अब आप ही बतायें, आज के जमाने में दो हजार रुपये से क्या बनता है? बजट में कांग्रेस सरकार द्वारा अगर पर्याप्त धन राशि रखी जाती तो ज्यादा लोगों को पैसा दिया जा सकता था। इस तरह से पिछली सरकार ने हमारे साथ खिलवाड़ किया है। मैं अपनी सरकार से अनुरोध करूंगा कि पिछले चालीस साल से जो हरिजनों का कोटा पूरा नहीं हो रहा है, उस बात को इस साल न दोहरायें, कम से कम इस साल के कोटे को पूरा करने के लिए टीप– प्रायरिटी दी जाए। पिछले सालों में इन पिछड़े हुए लोगों को बजट अलाटमैंट का केवल 5 परसैटं ही मिल पाया है। मुझे

उम्मीद है कि मौजूदा सरकार जो गरीब मजदूर की सरकार है, किसानों की सरकार है, यह सरकार जरूर हरिजन कोटे को पूरा करेगी। मैं सरकार से रिक्वैस्ट करूंगा और इसके साथ ही साथ आश्वासन चाहूंगा कि कम से कम इस साल के कोटे को तो पूरा करें। इसके साथ ही साथ, उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूंगा। ज्यों ही हमारी सरकार सत्ता में आई, दरियापुर काण्ड हुआ और इस काण्ड के अन्दर निरीह और निहत्थे लोगों की हत्या की गई। चौधरी देवी लाल की सरकार दोषी लोगों को पकड़ने में कामयाब हुई, जिसके लिए सरकार बधाई की पात्र है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक और बात राजौन्द थाने की बाबत कहना चाहूंगा। मुझे याद आता है कि मुझे कुछ दिन पहले हरिजन भाई मिले थे और उन्होंने मुझ से शिकायत की थी। कुछ शरारती तत्व आज भी समाज में बैठे हैं जो गरीबों को ऊपर उठते हुए नहीं देखना चाहते। डिस्ट्रिक्ट जीन्द के अन्दर एक गांव है जिसका नाम सामलों है। यह गांव राजौन्द थाने के क्षेत्र में पड़ता है। इस गांव की एक हरिजन लड़की के साथ तीन बदमाशों ने सामूहिक बलात्कार किया था। उपाध्यक्ष महोदय, वे गरीब आदमी उस थाने के अन्दर गये और शिकायत की लेकिन जाबिर (दोषी)आदमी पहले ही थानेदार को रुपये दे आये थे, इसलिए उन गरीब आदमियों को धक्के मार कर थाने से बाहर निकाल दिया गया। उन लोगों ने मुझे बताया कि ए० एस० आई० लड़की कैं खून से लथपथ कपड़े भी उठा कर ले गया और तीन दिन तक

कोई रपट दर्ज नही की गई। फिर उस एरिया के पांच गांवों के लोग इकट्ठे हो कर डी० सी० जीन्द के पास शिकायत लेकर गये और एस० पी० साहब से मिले। एस० पी० साहब ने आदेश दिया कि इस केस पर तुरन्त कार्यवाही की जाए। उपाध्यक्ष महोदय, वह ए० एस० आई० राजेन्द्र सिंह है जिसने गरीब आदमियों को धमकी दी, मारने–पीटने की बात कही और कहा कि वह राजीनामा करवा देगा। इस तरह का अन्याय कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अतः मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि राजेन्द्र सिंह ए० एस० आई० के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए। यह मेरी सरकार से पुरजोर मांग है। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा हल्का कलानौर है जोकि बहुत ही पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। उसके अन्दर न तो कोई सब–ट्रेजरी है न सब–तहसील है और न ही कोई रोडवेज का सब–डिपो है। वहां पर कई सड़कें ऐसी हैं जिनके न बनने के कारण 30– 40 किलोमीटर का चक्कर काट कर जाना पड़ता है। जैसे सुंडाना से काहनौर है। यह टुकड़ा लगभग दो–अढ़ाई किलोमीटर का है, अगर वह टुकड़ा बन जाए तो हमें कम से कम 40 किलोमीटर का रास्ता कम तय करना पड़ेगा। इसी तरह से कमंने से बसाने के लिए भी यही दिक्कत है। तो मैं सरकार से अपील करूंगा कि ऐसे सभी रास्तों को सड़क के साथ जोड़ा जाए। एक बात मैं और कहना चाहता हू कि पी० डबल्यू० डी० और पब्लिक हैल्थ विमानों में 10– 12 साल से वर्क चार्ज ऐम्पलाइज लगे हुए हैं जोकि अभी तक पक्के नहीँ हुए हैं। मेरी सरकार से पुरजोर सिफारिश है कि उनको जल्द से जल्द रैगुलर

किया जाए। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता है।

श्री महा सिंह (राई): उपाध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थ न करने के लिए खड़ा हुआ हूं। इससे पहले मैं अपने सदन के नेता का तह दिल से स्वागत करता हूं जिन्होंने सरकार बनने के बाद ही इतने बढ़ चढ़ कर कदम उठाए। मैं आपको कुछ पिछने वाकयात की तरफ ले जाना चाहता हूं। हिन्दुस्तान के प्रधान मन्त्री को मैं एक नादान प्रधान मन्त्री कह सकता हूं। उन्होंने एक राजीव लोंगोवाल समझौता किया। उन्होंने बन्द कमरे में बैठ कर हरियाणा पंजाब की किस्मत का फैसला एक आदमी फै साथ बैठ कर कर दिया। मुझे याद है हिन्दुस्तान के रेडियो पर, टैलीविजन पर और अखबारों में आया कि हिन्दुस्तान की सारी पार्टियां इस समझौते का स्वागत कर रही थीं। लेकिन मैं चौधरी देवी लाल को मुबारिकबाद देता हूं कि सारे हिन्दुस्तान के अन्दर वह अकेला बहादुर शेर था जिसने कहा था कि राजीव गांधी, हरियाणा तेरे बाप की जायदाद नही है हमारी है। हम हरियाणा के हकूक लेकर रहेंगे। उसका नतीजा यह निकला कि हरियाणा की 36 बिरादरी के लोग एक झंडे के नीचे इकट्ठे हो गए। हिन्दुस्तान की धरती पर ऐसी मिसाल देखने को आज तक नहीं मिलती। लोगों ने इकट्ठे होकर आन्दोलन किया। मुझे वह बात याद आती है जब चौधरी देवी लाल वोट– क्लब दिल्ली में गए। वे हरियाणा के हकूकों के लिए जब पद यात्रा कर

रहे थे तो मुझे चौधरी साहब से उस समय कई बार मिलने का मौका मिला। उस समय उनका चेहरा आक्रोश से भरा था और आखों पर सुरखी थी, चरण सूजे हुए थे और छाले पड़े हुए थे। जराबें चमड़ी के साथ चिपकी हुई थीं। फिर भी वे हरियाणा की तरफ से आवाज दे रहे थे कि हरियाणा के लोगो, दिल्ली चलो। मैं देख रहा था कि एक एक किलोमीटर से आवाज बुलन्द हो रही थी कि चौधरी देवी लाल आगे बढ़ो, हरियाणा तुम्हारे साथ है। इन आवाजों को बुलन्द करते हुए लाखों की तादाद में लोग दिल्ली पहुंचे। पार्लियामैंट के सामने और हिन्दुस्तान के सामने लोगों ने अपनी बात रखी। लेकिन बदकिस्मती इस देश की कि प्रधान मंत्री को होश नहीं आया। दोबारा बन्द का आवाहन किया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात आपके ध्यान में और लाना चाहता हूं। धरती पर ऐसी कहीं मिसाल नहीं हुई होगी जैसे इस बार हुई है। जी० टी० रोड को शेरशाह सूरी ने बनाया था। कभी किसी हमलावर के टाईम पर या उससे पहले या बाद जी० टी० रोड पर ऐसा सुनसान नहीं हुआ होगा जो इस बार हुआ। वह जी० टी० रोड जो 24 घंटे दनादन चलती रहती थी, इस बार उसके ऊपर एक साईकिल तक नहीं चला। यह बन्द अपने आप में एक उदाहरण था। इस देश के प्रधान मंत्री ने हरियाणा के साथ ज्यादती की और हक की बात नहीं सुनी। इस बीच में चुनाव आ गये। चौधरी तैयब हुसैन और चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी यहां पर बैठे हैं और ये जानते हैं कि हमें न्याय न देने का नतीजा यह निकला कि 90 में से 85 सीटें चौधरी देवी लाल और उसके सहयोगियों को मिलीं।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन का ध्यान एस० वाई० एल० की तरफ भी दिलाना चाहता हूं। हमारे साथी यह कह रहे थे कि इस एस० वाई० एल० कैनाल की बात हम बहुत अर्से से करते चले आ रहे हैं। चौधरी देवी लाल की जब 1977 में सरकार बनी, तब एस० वाई० एत० पर काम शुरू हुआ। उसके बाद सैटर में भी इनकी सरकार थी और पंजाब मे भी इनकी सरकार रही, इन्होंने कुछ नहीं किया। सैटंर में भी इनका राज था, यहां पर भी इनका राज था लेकिन सिवाये दिखावे के, इस कांग्रेस सरकार ने कोई कोशिश इस एस० वाई० एल० कैनाल को बनाने की नहीं की। हरियाणा का आज 100 करोड़ रुपया साल का नुक्सान होने लग रहा है जो इस नहर को न खुदवाने के कारण हो रहा णै। अगर ये हरियाणा को एस० वाई० एल० बनाकर पानी दिला देते तो हरियाणा के लोगों की और ज्यादा तरक्की हो सकती थी। इसके बाद ओल्ड एज पैशन की बात मैं कहना चाहता हूं। यह केवल आर्थिक सहायता ही नहीं है। चौधरी देवी लाल ने हिन्दुस्तान के गरीबों को और हिन्दुस्तान के गांवों को जितना नजदीक से देखा है, उतना मैं समझता हूं कि आज तक किसी दूसरे नेता ने नहीं देखा है। हिन्दुस्तान के अन्दर हमारे यहां जो पुरानी सभ्यता या पुरानी संस्कृति थी, वह कुछ हद तक कम होती जा रही थी। हमारी हिन्दुस्तान की सभ्यता इस बात की प्रतीक है कि सबसे ज्यादा इज्जत हमारे घर के अन्दर बूढ़े–बुजुर्ग को दी जाती तै। उसको पहले चारपाई मिले, उसको पहले रोटी कपड़ा मिले। हमारी जो आधुनिक सभ्यता फैल रही है, उसकी इतना कुप्रचार और

प्रसार हो गया है कि अब हमारे देश के अन्दर बुढ़ापे का मान नहीं रहा, जो कुछ समय पहले हुआ करता था, चौधरी देवी लाल ने इस बात को समझा। इसी बात का नतीजा निकला कि आज गांवों के अन्दर वही पुरानी मान–सम्मान की भावना आ रही है। गांवों के अन्दर बैंठे हुए लोगों के बीच में जाकर जब डाकिया कहता है कि ताई आपका मनी– आर्डर आया है पैंशन का। तो छोरा बहु को कोने में ले जाकर कहता है कि सास की सेवा पूरी करना। कही बूढ़ी मर जाये और पैंशन टूट जाये। इस के बाद में मैं कर्जे की बात करना चाहता हूं। भाई महेन्द्र प्रताप सिंह ने भी कर्जे माफी की बात की बाबत यह कहा है कि आप जो कहते हो, वह करते नहीं। मैं भाई महेन्द्र प्रताप सिंह जी से एक बात पूछना चाहता हूं कि क्या गवर्नर, रिजर्व बैंक ने चिट्ठी नहीं लिखी कि आप यह जो कर्ज की माफी कर रहे हो यह गैरकानूनी है? मैं इस कांग्रेसी भाई से यह पूछना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान का प्रधान मंत्री जब बिरला और टाटा के कर्जे माफ कर सकता है तो चौधरी देवी लाल गरीब लोगों के कर्जे क्यों नहीं माफ कर सकता? यह कानूनी अख्तियार क्या केवल इन्हीं को है? हम यह करके रहेंगे। वह दिन दूर नही जब सैटर में भी राज हमारा होगा। तब आप और कुछ कहने लग जाओगे। मैं अपने भाई महेन्द्र प्रताप सिंह को यह बताना चाहता हूं कि जल्दी ही सैटर में लोक दल और बी० जे० पी० की सरकार बनेगी। उस दिन आपके नेताओं ने जो स्विस बैकों में पैसा जमा करा रखा है, उससे गरीबों को और सहूलियतें दी जायेंगी।

(घंटी)उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के की एक–दो बातों की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हू।

श्री उपाध्यक्षः नहीं, अब आप बैठिए क्योंकि आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है।

श्री महा सिंहः ठीक है जी। मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): डिप्टी स्पीकर सर, 15 तारीख से गवर्नर महोदय के ऐड्रेस पर डिबेट चल रही है और इससे पहले कि हस डिबेट का रिप्लाई दिया जाए, मैं इस हाउस के सदस्यगण से और विशेष तौर से कांग्रेसी भाइयों से इस बात की माफी चाहूंगा कि चौधरी साहब ने खुद यहां पर जवाब देना था लेकिन अचानक अढ़ाई बजे उनकी तबीयत खराब हो गई और यह जिम्मेदारी मुझ पर आयद हुई। मैं उनके पाये का जवाब तो नहीं दे पाऊंगा परन्तु इनकी तसल्ली जरूर करवा दूंगा। इसके अलावा, इससे पहले कि डिबेट का जवाब दिया जाए और डाक्टर मंगल सैन जी ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव सदन के सामने रखा है, उसका समर्थन किया जाए, मैं अखबार में छपी एक खबर की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं जिसमें चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला ने कहा था कि चौधरी देवी लाल सदन से दो दिन तक गायब रहे। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी सुरजेवाला इस सदन के सदस्य तो नहीं हैं, वे चुनाव हार गए और बहुत बुरी

तरह से चुनाव हार गए। शायद चौधरी टेक चन्द ने 27,839 वोटों से इनको चारों खाने चित्त कर दिया था। इसके बावजूद उन्होंने एक ब्यान दिया है। मैं मुख्य मती जी की ओर से सारे हाउस को यह कहना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल जी 17 वर्ष की उमर से देश की आजादी की लड़ाई लड़ते रहे, कई बार जेल गए और पार्लियामैंटरी डैमोक्रेसी के लिये सारी उमर लड़ते रहे, संघर्ष करते रहे, उसको सुरजेवाला यह कहे कि चौधरी देवी लाल हाउस का सम्मान नहीं करते, यह बहुत ही निन्दनीय बात है। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल कैसे गए और क्यों सदन से गायब रहे, यह मैं सदन को बताना चाहता हू। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा के कई जिलों में ओले पड़ गए और वहां पर लोग बहुत दुःखी थे। हरियाणा प्रान्त की जनता दुःखी थी।

उन लोगों का सब कुछ लुट गया था। जिस जनता ने इस हाउस में नब्बे सदस्य चुनकर भेजे हैं, वे हमारे मालिक हैं। प्रजातन्त्र में जनता स्वामी होती है और जनता के नुमा– इंदे हम 90 लोग उनके सेवक हैं। मुख्य मती चौधरी देवी लाल जी जन नायक हैं, महान व्यक्ति हैं और महान नेता है। वे जनता के बीच में उनके जख्मों को पोंछने के लिए गए और उनकी मदद करने के लिये गए। चौधरी देवी लाल ने जनता को कहा कि घबराओ नहीं। जब तक चौधरी देवी लाल की सरकार हरियाणा प्रान्त में मौजूद है, गरीब लोगों को, दुःखी लोगों को और असहाय लोगों को मरने नहीं दिया जाएगा। पूरी इमदाद दी जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, इस

काम के लिये वे दो दिन के लिये गए थे। चौधरी देवी लाल के बारे में कोई कह नहीं सकता कि कभी चौधरी देवी लाल ने प्रजातन्त्र में यकीन नहीं किया या हाउस का सम्मान नहीं किया। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कांग्रेसी भाइयों से पूछना चाहता हूं, आज यह हरियाणा का विपक्ष है और यह विपक्ष मेरे सामने बैठा है। उपाध्यक्ष महोदय, यह विपक्ष न होकर बुल्ले शाह तैयब हुसैन एण्ड कम्पनी रह गया है। केवल पांच लोग हैं ये। इनके कुकर्मों को देखते हुए, इनके पापों को देखते हुए, इनकी कारगर्दी को देखते हुए, हरियाणा प्रान्त की जनता खासी अच्छी सजा इन्हें दी है। सुरजेवाला साहब की पार्टी में अगर कोई सुनता हो तो मैं उन से निवेदन करूंगा या तैयब साहब जाकर उन से कह दें कि चौधरी भजन लाल जी की धर्मपत्नी जो कि इस सम्माननीय हाउस की सम्माननीय सदस्य हैं, वे 14 तारीख से आज तक यहां नही आई। उनके दर्शन नहीं हो पाये और न ही वे पिछले सैशन में हाजिर थी। इसलिये मैं इन भाइयों से प्रार्थना करूंगा कि कहां घेर रखा है उनको, आप उनको मुक्त कराएं ताकि वे इस हाउस के बीच आकर हरियाणा की जनता की बहबूदी के लिये, हरियाणा की खुशहाली के लिये और हरियाणा को आगे बढ़ाने के लिये अपने बुलन्द विचारों से हमें अवगत करा सकें, कुछ रोशनी डाल सकें। उपाध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि आठ नौ महीने हो गए इस सरकार को बने हुए। शायद 9 महीने में तो नवजात शिशु भी पैदल चल पड़ता है (हंसी)लेकिन कांग्रेस सरकार को चुनावों में जो करारी मार पड़ी है, उस के कारण से अब तक शायद उन्होंने

सारे जख्म सहला लिये होंगे और अपने होशो हवास में आ गये होंगे। अब हम सब उनसे यह उम्मीद करेंगे कि वे हरियाणा प्रान्त में एक अच्छी अपोजीशन का रोल अदा करेंगे जैसा कि अपोजीशन का काम होता है। लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि बहुत भयंकर परिस्थितियों में आज हरियाणा प्रान्त गुजर रहा है लेकिन बुल्लेशाह, तैयब जी और महेन्द्र प्रताप जी ने एक शब्द भी नहीं कहा कि हरियाणा प्रान्त को ड्राऊट रिलीफ के लिये और पैसा दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, अकेला हरियाणा प्रान्त ही आज इस सूखे की स्थिति में नही है, अकाल की स्थिति में नहीं है, बल्कि सारा देश ही इस अकाल की लपेट में से गुजर रहा है। इन भाइयों ने प्रधान मन्त्री महोदय से यह नहीं कहा कि हरियाणा प्रदेश के लिये जो ग्रान्ट है, यह बहुत कम है। (शेम शेम की आवाजें)इनको यह कहना चाहिये था कि हरियाणा प्रदेश पूरी तरह से अकाल की लपेट से पीड़ित है, इस रकम को बढ़ाया जाये।

चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश को केन्द्रीय सरकार ने 37 करोड़ रुपया दिया था लेकिन स्टेट गवर्नमेंट ने अपने खजाने से राहत कार्य पर क्या लगाया है? (शोर)अपने जिले की तो, उपाध्यक्ष महोदय, मैं कह सकता हू। आप जरा उधर जनता मे जाकर तो देखो, आपको पता लग जायेगा कि आपने वहां क्या किया है? वहां पर जनता राहत कार्य के लिये तरस रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः महेन्द्र प्रताप जी, यह हाउस को चलाने का कायदा न ही है। आपको हाउस की मर्यादा में ही रहना चाहिये वरना आप यह शिकायत करेंगे कि बरूट मैजोरिटी से हमें निकाला जा रहा है या बोलने नही दिया जा रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० का पूरा होना हरियाणा प्रान्त की जनता के लिये जिन्दगी और मौत का सवाल है। कितने सालों से यह मसला लटक रहा है। 24 जुलाई, 1985 को जो एकौर्ड हुआ था, उसके विरुद्ध हरियाणा की जनता ने चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व में संघर्ष का झडा उठाया था, जिसका परिणाम यह हुअ कि हम इस मजिल तक पहुंच गये। चुनाव आए कांग्रेस को पीट दिया। लोक दल और बी०जे०पी० की सांझी सरकार बनी। मैं यह कहना चाहता हू कि क्या चौधरी तैयब हुसैन, श्री महेन्द्र प्रताप सिंह और चौधरी असलम खां का यी फर्ज नही बनता था कि ये इन 9 महीनों में अपना कोई एक ब्यान तो दे देते कि एस०वाई०एल० नहर को फौरी तौर पर मुक्कमल किया जाए। जा करके याद दिलाते राजीव गांधी को, कि राजीव गांधी आराने एकौर्ड साइन करते वक्त यह लिखा था कि 15 अगस्त 1986 तक एस० वाई०एल० नहर कम्पलीट कर दी जाएगी, तुमने कम्पलीट रही की, तुमने फिर 31 दिसम्बर तक टाईम बढ़ाया उसमें भी तुमने कम्पलीट नही की। आप जा करके यह कह सकते थे कि श्रीमान जी, आपने इन गलत कामों से हरियाणा की जनता को लगातार गुम– राह किया है इसलिये हरियाणा की जनता ने एक वार तो

कांग्रेस का पत्ता साफ कर दिया। लोक सभा के चुनाव फिर आने वाले हैं, कहीं उनमें भी कांग्रेस का पत्ता साफ न हो जाए, इसलिये हरियाणा की जनता की कुछ मदद करें। लेकिन मेरे इन भाइयों ने हरियाणा के लोगों के लिये उनको एक भी शब्द नही कहा। मैं आपको एक ताजा उदाहरण देता हूं। ओले पड़ गए और जहा पर ओले पड़े वहां पर हमारे मुख्य मंत्री जी गए। सदन में दो दिन नही आए लेकिन चौधरी तैयब हुसैन, श्री महेन्द्र प्रताप सिंह, असलम खां और बुल्ले शाह ने हरियाणा की जनता के लिये एक भी शब्द हमदर्दी का नही कहा। हरियाणा की जनता के साथ ज्यादती हो रही है और बहुत भयंकर बर्बादी हो रही है, जिसके लिये चौधरी देवी लाल जी ने बहुत से साधन जुटाए हैं लेकिन फिर भी इनके मुह से चौधरी देवी लाल जी की प्रशंसा के लिये एक भी शब्द नहीं निकला। चौधरी देवी लाल जी ने अपने लोगों को जो हयूमन टच दिया है, उसकी इतिहास में कहीं पर भी मिसाल नही मिलती। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)डा० महा सिंह बता रहे थे कि चौधरी देवी लाल जी 76– 77 साल की उम्र मे खेतो में जा–जा कर के किसानों से मि लते हैं। चौधरी देवी लाल जो एक किसान के पास उसके खेत में गए जोकि खेत की मेड पर बैठा था और उसका सारा खेत बर्बाद हो गया था। उसके पास चौधरी देवी लाल जी जाते हैं और कहते हैं कि कैसे बैठे हो लेकिन उस किसान की जुबान नहीं खुल ती। उसके आव भाव देख कर चौधरी साहब कहते हैं कि घबराना मत, मैं आपको 3000 रुपए नकद देता हू 400 रुपए किले के हिसाब से और गिरदावरी

का आर्डर करना हू। मे यह भी विश्वास दिलाता है कि जब तक देवी लाल जीवित है, यहां का किसान जीवित रहेगा, यहां का गरीव जीवित रहेगा, व्यापारी जीवित रहेगा, मजदूर जीवित रहेगा, दुकानदार जीवित रहेगा, हर तबका जीवित रहेगा। लेकिन फिर भी मेरे अपोजीशन के भाइयों ने एक भी शब्द चौधरी साहब की प्रशंसा के लिये नही कहा। यह बात ठीक है कि अपोजिशन हुआ करती हैं और कंस्ट्रक्टिव अपोजिशन हुआ करती है लेकिन हमारी सरकार ने कितने ऐ से कार्य –किए हैं जो ऐतिहासिक हैं लेकिन मेरे अपोजिशन के भाइयों के मुंह से एक भी प्रशंसा का शब्द नही निकला। यह बिल्कुल नही कहा कि सरकार ने सराहनीय काम किए है। चाहे वह वृद्धावस्था पैन्शन देने का काम था, चाहे वह किसानो के कर्जे माफी का काम था और चाहे वह मैचिंग ग्रांट देने का काम था, किसी भी काम के लिये मेरे इन भाइयों ने प्रशंसा का एक भी शब्द नहीं कहा। हमारी सरकार होते हुए भी चौधरी देवी लाल जी ने यह कहा कि एस०वाई० एल० नहर को कम्पलीट किया जाए। इसके लिये प्रोटैस्ट करने के लिये 2० लाख लोगों को ले करके दिल्ली गए लेकिन उस के लिये भी चौधरी तैयब हुसैन कहने लगे कि सरकारी बसों का इस्तेमाल किया था और लोगों को किराया दिया था। इतने अच्छे काम के लिये, हरियाणा को जीवित रखने के लिये हम अपनी सरकार हौने हुए भी प्रोटैस्ट कर रहे हैं। अगर आपकी कैस्ट्रक्टिव अपोजिशन होती तो चौधरी तैयब हुसैन जी आपको, बुल्लेशाह और महेन्द्र प्रताप सिंह जी को वोट क्लब दिल्ली में आना चाहिए था। बोट क्लब के मच पर आप आते,

हम आपको बोलने का मौका देते और आप उस समय एस०वाई०एल० के लिये कहते कि इसको फौरी तौर पर पूरा किया जाए। (विघ्न)

स्पीकर साहब, यहां पर बोलते हुए डा० मंगल सैन जी ने, जिनके विचारों की यह सरकार, यह सदन बड़ी कदर करती है, ऐक्साईज पालिसी जो सरकार की है उसके बारे में कहा है। डा० साहब ने कहा कि देसी शराब के ठेकों मे जो शराब पीने के लिये अहाते खोले जायेने, वह ठीक नहीं होंगे और यह कोई अच्छी परम्परा इस सरकार द्वारा कायम नहीं की जा रही। इसमें कोई दो राय नही कि डा० साहब के इन विचारों पर काबिले गौर किया गया और मन्त्रि–मण्डल ने इस मुद्दे पर काफी गम्भीरता से विचार–विमर्श किया था। विचार–विमर्श करने के बाद मन्त्रि–मण्डल इस नतीजे पर पहुंचा कि आमतौर पर देखा गया है कि हरियाणा के अन्दर जो लोग देसी शराब पीते हैं उनको कई बार घर में बैठकर शराब पीने का मौका नही मिलता। शराब पीने वाले लोग लुक–छिप कर नुक्कड़ों का और सुनसान जगहों का सहारा लेते हैं। वे लोग डिलेपी– डेटिड कन्डीशन में शराब पीते हैं और कई दफा किसी ढाबे पर बैठ कर शराब पीते हैं और ढाबे वालों को 5– 10 रुपये रिश्वत के रूप में भी देते हैं। वे गलत जगहों पर शराब पी कर केवल न पब्लिक में अशान्ति पैदा करते हैं बल्कि रिश्वतखोरों को रिश्वत लेने का भी, मौका मिल जाता है। केवल शहरों में जो देसी शराब के ठेके हैं उन्ही में ही यह अहाते

खोलने के लाइसैस दिए जायेंगे। यह लाइसैसं भी तभी दिये जायेंगे जब ठेकेदार लाइसैसं लेने के लिये 25– 25 हजार रुपया सरकार के पास जमा करवा देंगे। अब से पहले अन–अथौराइज्ड तौर पर ढाबों के अन्दर यह काम हो रहा था। इसलिये इन सभी बातों को सोचते हुए यह विचार किया गया कि ऐसे अहातों की इजाजत दी जाये। मैं यह बात क्लीयर कर देना चाहता हू कि सरकार की तरफ से विशेष आदेश जारी किए गए हैं कि किसी मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, स्कूल या हस्पताल के साथ ऐसे अहाते खोलने की इजाजत किसी भी सूरत में न दी जाये। अध्यक्ष महोदय, चौधरी तैयब साहब ने कहा कि सरकार लोगो को शराब पिला कर, लोगों में शराब की लत डाल कर पैसा कमाना चाहती है। ऐसे कदम नहीं उठाये जाने चाहिये, यह इन्होंने कहा है। बड़ी खुशी की बात है कि कुर्सी से हटने के बाद ये गांधीवादी हो गए हैं लेकिन कोई बात नहीं, देर आयद–दुरस्त आयद। मैं इन्हें बताना चाहूंगा कि केन्द्र में इनकी सरकार है और शराब के कारखानों के लाईसैन्स भी केन्द्र सरकार द्वारा दिए जाते हैं। तैयब साहब से मैं कहना चाहता हूं कि आप एक मैमोरैन्डम अपनी पार्टी के प्रधान को दें जो देश के प्रधान मती भी हैं, कि आगे से शराब बनाये जाने का कोई लाईसैन्स न दिया जाये। मैं इन्हें विश्वास दिलाता हूं कि ऐं से मैमोरैन्डम पर चौधरी देवी लाल का मल्लि–मण्डल, बी०जे० पी० के सभी सदस्य और लोकदल के सभी सदस्य अपने दस्तखत कर देंगे। आप जरा मैमोरैन्डम दीजिए। (तालियां)तैयब हुसैन जी, आपकी कांग्रेस पार्टी तो गांधीवादी पार्टी

है, आपकी पार्टी के लोगों को ऐसा नहीं करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी के चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री हुआ करते थे। उन्हेंने मुरथल के अन्दर बूअरी बनवाई थी। वह शराब का कारखाना हमने नहीं लगवाया था, वह आपके ही मुख्य मली ने लगवाया था। इसी प्रकार से चौधरी भवन लाल जी भी आपकी कांग्रेस के ही मुख्य मती हरियाणा में थे। उन्होंने भी अपने दामाद के लिये हिसार के अन्दर शराब की फैक्ट्री लगवायी। उस शराब की फैक्ट्री से बहुत दूर तक बदबू आती है। उस फेक्ट्री से जो गन्द निकलता है उससे सारे क्षेत्र में बदबू आती है। वहां से जो गन्दा पानी निकलता है उससे पौल्यूशन होता है। उसका डिस्चार्ज ऐसी जगह किया जाना चाहिये था जिससे लोगों की सेहत पर असर न पड़े। उस फैक्ट्री के साथ हिसार कैन्ट लगा हुआ है, जहां देश पर न्यौछावर होने वाले हमारे फौज के नौजवान रहते हैं। उनके कमान्डर ने हिसार के डी०सी० को बार–बार शिकायत की कि इस शराब की फैक्ट्री से चूंकि फौज के जवानों में भयंकर बीमारी फैलने का अन्देशा है इसलिये इसको बन्द किया जाये। ऐसा वहां के कमांडर ने खदसा जाहिर किया लेकिन उनकी बात पर कोई ऐक्शन नहीं लिया गया। जो सदस्य हिसार में रहते हैं उन्हें तो और भी अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। चौधरी सम्पत सिंह, श्री आत्मा राम गोदारा और श्री हरि सिंह हिसार में रहते हैं। हमें तो इस फैक्टरी के बारे में गम्भीर तजुर्बा है। इस फैक्ट्री की गन्दगी से वहां इतनी बदबू आती है जिसका कोई हिसाब नही। तैयब हुसैन जो, आपको पता है कि यह उस व्यक्ति के दामाद की फैक्ट्री है जो आपकी

काग्रेस सरकार का मुख्य मंत्री रहा है और आजकल भी सैन्टर में कृषि मंत्री है और प्रधान मंत्री के खास सलाहकारों मे मे भी बै। इसके बावजूद भी तैयब हुसैन जी हम कहते हैं कि पैसा कमाना चाहते है। मैं आपके जरिए प्रार्थना करना चाहता हूं कि आप चौधरी भजन लाल जी को कहिए कि वे अपने दामाद की शराब फैक्ट्री को बन्द करवाये हू इस फैक्ट्री के बन्द होने से सरकार को लाखों रुपये का नुक्सान होगा। उस नुक्सान को हम बरदाश्त करेंगे। यह बात भी ठीक है कि चौधरी भवन लाल जी के दामाद बेकार हो जायेगे लेकिन चौधरी भजन लाल की यह बड़ी भारी कुर्बानी होगी। हम अपनी तरफ से इतना जरुर कर देंगे कि चौधरी भजन लाल के दामाद जब तक जिन्दा रहेंगे तब तक लगातार उनको पाच हजार रुपये प्रति माह बेकारी भत्ता दिया जायेगा। (शोर)

आवाजें: अगर ऐसी ही बात है तो उनके खिलाफ सरकार कार्यवाही क्यों नही करती?

श्री वीरेन्द्र सिंह: हमारे आदरणीय साथी रघु यादव जी ने रादौर थाने में राजपाल सिंह, हैड कास्टेबल, हारा श्री बलकार सिंह को जान से मारने की चर्चा की थी। इस बारे में चौधरी सम्पत सिंह ने सवाल के जवाब में बनाया था कि उसके खिलाफ फौरी तौर पर 302 का केस दर्ज कर दिया गया है और वहां के एस० एच० ओ० को लाईन हाजिर कर दिया शै। वहा के लोकल एम० एल० ए० ने उस परिवार की मदद करने के लिये दिन रान

काम किया है। मुख्य मन्त्री महोदय ने उसके परिवार को शायद 25 हजार रुपये की सहायता दी और उस केस की इन्कवायरी के लिये सी० आई० ए० के इन्स्पैक्टर की जिम्मेदारी लगाई गई है। कोई भी आदमी चाहे कैसा भी हो, चाहे कितना ही बड़ा क्यों न हो, चाहे सरकारी कर्मचारी ही क्यों न हो, अगर वह कानून अपने हाथ में लेता है तो चौधरी तैयब हुसैन जी, उस को बख्शने का इस सरकार में रिवाज नही है। इसके अलावा, श्री महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने कहा कि सरकार कर्जे माफ करने का राग अलाप रही है और डा० मगल सैन जी ने सोचा था कि ये सारंगी बजा रहे हैं (विघ्न)।

चौधरी तैयब हुसैनः आन ए प्यायट आफ आर्डर सर, (विघ्न)ये यह तो बताएं कि कर्ज माफ करने के लिये इन्होंने बजट प्रोविजन कही किया है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः तैयब साहब, आपके साथी महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने खुद माना है औंर वह बात प्रोसीडिग्ज मे भी दर्ज है (विघ्न)आप धीरज तो रखिए बादशाहो उन्होंने खुद माना है कि जिवने रुपये का ढिढोंरा पीटा जा का है इस सरकार वे उतने कर्जे माफ नही किए, सिर्फ 40–45 करोड रुपये के कर्जे माफ हुए हैं। इस का मतलब इतना मे वे स्वय मानते हैं। (विघ्न)इन्होंने यह भी कहा कि कर्जे सिर्फ को–आपरेटिव बैंकों के माफ किए हैं कमर्शियल बैकों के माफ नही किए हैं। इस बात को चौधरी साहब स्वीकार करेंगे और मानेगें थी। चौधरी साहब थोडा धीरज रखिये,

चौधरी देवी लाल और उनके हम खयाल लोगों की सरकार केन्द्र में आने वाली है। परमात्मा ने चाहा तो आपने जो मांग की हु कि कमर्शियल बैको के कर्जे माफ होने चाहिएं, वह भी पूरी हो जाएगी। आपकी मांग को हम कैसे इग्नोर कर सकते हैं लेकिन चौधरी साहब, इस सरकार के बस की बात नहीं है कि चौधरी भजन लाल के कजों को माफ कर दे, इस सरकार के बस की बात नही है कि बुल्लेशाह के कर्जो को माफ कर दिया जाए। कांग्रेस के लोग जो करोड़ों रुपया सरकार का खा गए हैं, उसको माफ करना इस सरकार के बस की बात नहीं है। यह सरकार वे कर्जे माफ करवायेगी जो गरीब के जिम्मे हैं, जो किसान के जिम्मे हैं, जो मजदूर के जिम्मे हैं, जो छोटे दुकानदार के जिम्मे हैं, जो रेहड़ी वाले के जिम्मे हैं और उस आदमी के जिम्मे हैं जो कि स्लमज में रहता है। गरीब आदमियों के कर्जे माफ करने का ठेका तो हमने उठाया है लेकिन जो मगरमच्छ आपकी पार्टी के हैं और करोड़ों रुपया कर्जे की शक्ल में डकार चुके हैं, चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी, उनकी सख्ती से रिकवरी की जाएगी।

17.00 बजे

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट आफ आर्डर है। मैं थोड़ी सी ऐक्सप्लेनेशन चाहता हूं। सरकार ने जो कर्जे माफ किए हैं, वह बहुत अच्छा काम किया है। जिन लोगों की फसलें खराब हो गई थीं, उनकी रिकवरी कई कई साल तक पोस्टपोन कर दी थी। लेकिन जिन लोगों ने अभी पैसे जमा नहीं

करवाए हैं, उनको डिफाल्टर न माना जाए। क्या इस बारे में सरकार विचार करेगी?

श्री अध्यक्षः आप बैठिए, यह कोई प्यायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जब हम संघर्ष कर रहे थे तो चौधरी देवी लाल ऐलान किया करते थे कि हरियाणा प्रान्त के बहादुर लोगो तुम्हारी कृपा से हमारी सरकार बनेगी और जिस दिन सरकार बनेगी, जमीन का टोटल मालिया माफ कर दिया जाएगा। चौधरी बंसी लाल ने उस हुक्म की तामील की और मालिया माफ कर दिया। चौधरी देवी लाल ऐलान किया करते थे कि बहादुर लोगो घबराओ मत जिस दिन लोक दल – बी०जे०पी० की सरकार बनेगी, एम०आई०टी०सी० के खालों का कर्जा माफ कर दिया जाएगा। चौधरी बंसी लाल ने उस हुक्म की तामील करके यह कर्जा भी माफ कर दिया। आज यह ऐतिहासिक फैसला देख कर काश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक हर प्रदेश में हर किसान, हर मजदूर और हर गरीब यह मांग कर उठा है कि हमारा कर्जा माफ किया जाए जैसे देवी लाल ने अपने प्रान्त के गरीबों के कर्जे माफ किए हैं। बूढ़े मांग कर रहे हैं कि उन्हें पैन्शन दी जाए क्योंकि देवी लाल ने अपने बुजुर्गो और माताओं के सम्मान के लिये उनको पैन्शन दी है। स्पीकर साहव, चौधरी भजन लाल ने 15 तारीख को पार्लियामैंट में श्री एन० जी० रंगा के सवाल के जवाब में कहा कि सरकार किसानों का कर्जा माफ करने के लिये

हमदर्दी से गौर कर रही है। हो सकता है जब तक चुनाव आएं चौधरी देवी लाल का हुक्म राजीव गांधी भी मान लें और लोक सभा के चुनाव से पहले कर्जा माफ कर दें। (विघ्न)चौधरी तैयब हुसैन जी, आप तो पढ़े लिखे आदमी हैं, खुरशीद अहमद साहब आपको विद्वान बताते हैं। (हंसी)मैं इसलिये कह रहा हूं कि राजीव गांधी जी चौधरी देवी लाल का हुक्म इसलिये मानेंगे क्योंकि कार्ल मार्क्स का असर कम्युनिस्ट देशों की बजाए यू० एस०ए० और पूंजीपति देशों में ज्यादा है। वे कहते हैं कि किसान, गरीब और मजदूर को ज्यादा रियायतें दो, कहीं कम्युनिज्म न फैल जाए। इसलिये राजीव गांधी चाहेंगे कि लोगों को पूरी रियायतें दो, कहीं देवी लाल न आ जाए। आप धीरज रखें, चौधरी देवी लाल तो फिर भी आएंगे।

चौधरी रणजीत सिंह जी हमारे माननीय सदस्य हैं, वे शायद कही बाहर गए हैं उन्होंने एक सुझाव दिया था कि विदेशों में बसे भारतीयों को हिन्दुस्तान में लाकर इंडस्ट्री लगाने की प्रेरणा दी जाए। मैं इस बारे में कहना चाहूंगा कि इंडस्ट्रीज विभाग ने एक सैल बनाया है जिसका नाम इंडस्ट्रियल असिस्टैसं ग्रुप है। इस सैल के नाम को अगर थोड़े शब्दों में कहा जाए यानी इसका एब्रीविएशन आई०ए०जी० बनता है। जैसे कोई किसी के घर जाता है तो उसे कहते हैं आइए जी लेकिन कांग्रेस के मन्त्री कहा करते थे कि लाइए जी और नही लाए तो जाइए जी (हंसी)। इस सरकार में यह नही होगा, इस सरकार मैं इंडस्ट्रीज को बढ़ावा देने के

लिये हर प्रकार की सहूलियत दी जाएगी और इंडस्ट्रियलिस्ट को प्रेरणा दी जाएगी कि ज्यादा से ज्यादा इंडस्ट्रीज हरियाणा में लगाओ। इसके अलावा बहुत सारे माननीय सदस्यों ने सतलुज यमुना लिंक कैनाल को बनाने के लिये चर्चा की कि इसको जल्दी से जल्दी बनाया जाये। इसमें कोई दो राय नहीं है। यह मेरी मान्यता हैं कि चाहे इस पक्ष में बैठे हुए लोग हैं या उस पक्ष में बैठे हुए लोग हैं, सभी का मन करता है कि एस० वाई० एल० फौरी तौर पर बने ताकि हरियाणा प्रदेश के लोग जो सालों–साल से पानी के लिये तरस रहे हैं, वह पानी उन तक पहुंच सके। इस बात के लिये इस 9 महीने के अर्से में एक बार स्वयं मुख्य मंत्री जी उस नहर का दौरा कर चुके हैं। मैं याद दिलाऊं, जब हम संघर्ष करते थे तो हमने चौधरी बंसी लात, चौधरी भजन लाल जी, चौधरी तैयब हुसैन जी को कहा था कि कृपा करके एक दफा उस नहर को तो देख आओ। परन्तु इनको सर्दी लगती रही। न चौधरी बंसी लाल गये और न चौधरी भजन लाल गये। आप देखें, चौधरी देवी लाल हरियाणा के पहले मुख्य मंत्री हैं जो इस नहर को देखने के लिये संघर्ष के दौरान भी गये और मुख्य मंत्री बनने के पश्चात् भी गये। दूसरी बार हमारे डिप्टी चीफ मिनिस्टर व हमारे वयोवृद्ध नेता बाबू मूल चन्द जैन इस नहर को देखकर आये। तीसरी बार मैं अकेला इस नहर को देखकर आया। लेकिन खुदा के बन्दों, अगर आप कुछ नहीं कर सकते तो कम से कम हमारा साथ तो दो। मैं पहले भी कह चुका हूं। केवल हम गये–गये ही नहीं, पत्र– व्यवहार भी प्रधान मन्त्री जी से किया और 20 लाख

लोगों को भी दिल्ली लेकर गये। और कुछ नहीं कर सकते तो उस दिन कम से कम भाषण देने ही आ जाते, आपका मान बढता। हरियाणा प्रान्त के लोग तालियों की गड़गड़ाहट से आप का स्वागत करते। परन्तु बड़े अफसोस की बात है। कई दफा हम यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि पता नहीं इस प्रोजैक्ट के लिये भी आपकी भावनाए ठीक हैं या नही या मर चुकी हैं। (व्यवधान व शोर)प्रधान मन्त्री जी ने पलवल में एलान किया था। आपने तालियां बजाई थी। महेन्द्र प्रताप सिंह जी, आप का ही जिला था। उन्होंने यह एला भी किया था कि एस० वाई०एल० नहर की खुदाई के लिये सारा पैसा सैन्टर देगा और इसकी खुदवाई सैन्ट्रल एजेन्सी से करवाई जाएगी। हमने बार–बार प्रार्थना की है और दोन रहे प्रधान मन्त्री को याद दिलाया है कि प्रधान मती जी यह पब्लिक कमिटमैंट चापकी है। बराये मेहरबानी, इस नहर को किसी सैन्ट्रल एजेंसी को दे दीजिये। परन्तु बडे अफसोस की बात है कि किसी सैन्ट्रल एजेंसी को नहर देने की वान से आरके प्रधान मंत्री अब मुकरना चाहते हैं। अगर आपके मन में थोड़ा सा भी दर्द है तो आप जाइये, प्रधान मन्त्री पर दबाव डालिये। कांग्रेस के एम०पीज० को ले जाइये। हम सभी आपके साथ चलने को तैयार हैं। बसी लाल जी को जरा कमरे से निकालिये। भजन लाल को आगे ले चलिये, हम आप को साथ देंगे। प्रधान मत्री जी को कहिये कि इस नहर को फौरी तौर पर सैडल एजेंसी को दें और तीन महीने के अन्दर–अन्दर खुदवाकर पूरा करवायें। क्या आप तैयार है? आप तैयार नहीं हैं। यह बताता है कि आपकी क्या

भावना है और आपका हरियाणा की धरती से और हरियाणा के लोगों से कितना प्यार है। स्पीकर सेर, हमारे इस सदन के माननीय सदस्यों ने और विशेष कर डाक्टर मंगल सैन तथा श्री रण सिंह मान ने हमारी सरकार की कामयाबियों और उपलब्धियों की चर्चा की और यह भी प्यायंट आउट किया कि इत्र सरकार की कुछ ऐसी उपलब्धियां रह गई हैं जिनका जिक्र, इस गवर्नर ऐडैरस में नहीं किया गया। स्पीकर साहब, यह बिल्कुल दुरुस्त बात है। यह उन्होंने सही कहा है। इस नौ महीनें के अर्से में इस सरकार की इतनी उपलब्धियॉ हैं कि अगर उन सब को लिखा जाता तो गवर्नर ऐडैरस 28 पैज की बजाए 58 पेज का होता और गवर्नर साहब को इतने लम्बे ऐडैरस को पढ्ने में कष्ट होता। इसलिये कुछ उपलब्धियां रह गई। लेकिन इन्होंने उनको भी ऐप्रीशिएट नहीं किया। तैयब हुसैन जी, क्यस सलामी लेने की अब भी मन में कोई तमन्ना थी? अगर आपके मन मैं सलामी लेने की तमन्ना है तो मैं आपको बताना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार ने प्रदेश मैं सामन्ती प्रथा समाप्त कर दी है। हमारे मन्त्री सलामी लेने के शौकीन नही हैं। जन सेवा करना उनका प्रथम कर्त्तव्य है। इसलिये इस सरकार ने सामन्ती प्रथा को खत्म करके सारे हिन्दुस्तान मैं पहला काम किया है। चौधरी देवी लाल की सरकार का यह बहुत हो अच्छा काम है। चौधरी तैयब हुसैन अब भी बोलने को तैयार नहीं हैं। अब भी कुछ कह दो। स्पीकर साहब, पहलें यह होता था कि जब कि कोई मिनिस्टर डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर जाता था तो प्रशासन के तमाम औफिसर्ज मन्त्री के पास आते थे लेकिन इस सरकार ने

यह फैसला किया हे कि जब भी कोई मिनिस्टर डिस्ट्रिक्ट डिस्ट्रिक्ट हैडक्वावार्टर पर फर्स्ट विजिट पर जाएगा तो डी०सी० और एस०पी० वहां पर मौजूद होंगे। बाकी दीगर अफसरान को आने की जरूरत नहीं है। यह इसलिये किया गया है ताकि वे अफसरान जनता को सेवा कर सकें और लोगों की कठिनाइयो दूर करने काकाम कर सके।

स्पीकर सर, इस सरकार ने यह भी फैसला किया है कि महीने में ऐक बार सभी मन्त्रिगण और आला अफसरान बस में बैठकर सफर करेंगे। तैयब हुसैन जी आप तो कार से नीचे उतरते ही नहीं थे। स्पीकर साहब, यह इसलिये किया है कि स्टाफ को डर रहे कि कभी भीकोई मन्त्री या अफसर बस में चढ़ सकता धै। इससे हेराफेरी बन्द होगी। वस में सफाई रहेगी और कंडक्टर और ड्राईवर का कंडकट जनता केप्रति अच्छा रहेगा। स्पीकर साहब, बहुत से मन्त्री बसों में गए भी है। कोई भी मन्त्री ऐसा नही है जो बस में घूम फिर कर न आया हो और न ही कोई आला अफसर है जौ बस में न गया हो। स्पीकर साहब, सरकार का जो मंशा था वह पूरा होता नजर आ रहा है।

इसके अलावा स्पीकर साहब दरबार का जिक्र भी यहां किया गया है। स्पीकर सर, जब से यह सरकार बनी है तब से ओपन दरबार लगते हैं। हमारे जितने भी हैड आफ दि डिपार्टमैंट्स डिस्ट्रिक्ट लैवल पर हैं, वे 11 बजे से लेकर 12 बजे तक जनता के बीच में रहते हैं। वे लोगों की एक–एक बात को सुनते हैं और

लोगों के जो–जो ग्रिवैन्सिज हैं उनको दूर करने की कोशिश की जाती पै। ये कुछ अचीवमैंट्स हैं जिनका जिक्र हम गवर्नर ऐडैरस में नहीं कर पाये, इसलिये उनका जिक्र मैं आपके रुबरू कर रहा हूं। बावजूद इसके कि केन्द्र सरकार ने अगर हमारी मदद नहीं की ड्राउट रिलीफ के मामले में, फिर भी हमारी सरकार ने अपने ही साधनों से हरियाणा की जनता की पूरी वित्तीय सहायता की है और कर भी रही है। तैयब साहब हमने तो यहां तक भी किया है कि जो पशु साथ लगते राजस्थान राज्य के हैं, जिन्हें उन्होंने निकाल दिया है और वे हरियाणा मेंआ गये हैं उनके लिये भी हमने गौशालाओं का प्रबन्ध किया है। उनको की चारा सप्लाई किया है जबकि राजस्थान कांग्रेस का प्रदेश है। वे गऊओं को रात को छोड़ जाते हैं और उनको हम संभालते हैं (हंसी)एक–एक गऊ को संभाला है हमने। वैसे उनका काम छोडना नहीं है, पकड़ना है। (हंसी एवं शोर)अध्यक्ष महोदय, मैं यहां सदन में इन भाइयों की जानकारी के लिये बता देता हू कि 4 करोड़ 45 लाख रुपया चारे के लिये सबसिडी के तौर पर और 33 करोड़ 28 लाख रुपया सूखा राहत के लिये खर्च किया गया है। इस भयंकर सूखे की स्थिति में भी आप कहीं, किसी जिले में भी चले जाएं, वहीं आपको हमारे डिवैल्पमैंट मिनिस्टर चौधरी हुकम सिंह जी हाजिर मिलेंगे और डिवैल्पमैंट के कामों में लगे मिलेगे। कहीं पर जौहर खोदे जा रहे हैं, कहीं पर कच्चे रास्ते बांधे जा रहे हैं ताकि गरीब लोगों को मजदूरी के लिये काम मिल सके। स्पीकर सर, यह सरकार गरीब लोगों की सरकार है, किसानों की, छोटे दुकानदारी की और

मेहनत कश गरीब लोगों की सरकार है। कांग्रेस के भाइयों की तरह हम इस तरह के नारे लगाने वालों में से नही हैं कि आप हमें वोट दो हम गरीबी हटाएंगे। कैसी गरीबी हटाई थी इन्होंने, इसकी मैं चर्चा करने लगू तो इसी में सारा समय बीत जायेगा। रघु यादव जी ने तो कहा था कि मैं 15– 16 तारीख से लेकर 8 तारीख तक लगातार बोल सकना हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं इतना तो नहीं बोल सकता, परन्तु कल सुबह तक इनके कच्चे चिट्ठे खोलने के लिये बोल सकता हूं लेकिन मैं यूंही टाइम वेस्ट नहीं करना चाहता। मैं इतना अवश्य कहना चाहूंगा कि हमने चुनाव के दौरान हरियाणा की जनता के साथ जो वायदे किये थे लगभग सभी को हमने 9 महीने के अन्दर अन्दर पूरा कर दिया है। (तालियां)अब यह सरकार ऐसो नयी–नयी योजनाएं बनाने जा रही है जिससे हरियाणा प्रान्त में रहने वाले दस्तकार, हरियाणा प्रदेश में रहने वाले मजदूर, किसान और छोटे दुकानदार व कमजोर तबके के लोग आगे अवश्य बढ़ सकेंगे, माला– माल हो सकेंगे, खुशहाल हो सकेंगे और आगे तरक्की के रास्ते पर पहुंच सकेंगे। (तालियां)

अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के बारे में एक बात और कहना चाहूंगा कि इस सरकार ने थर्मल प्लांट्स में 49 परसैंट ज्यादा बिजली पैदा करके एक रिकार्ड कायम किया है। (तालियां)बिजली के बारे में सदन के अन्दर जो प्रशंसा हुई है, उससे आप सभी भली भाति अवगत हैं।

इसके अलावा जहां तक रश एंड आर्डर की पोजिशन का ताल्लुक है इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि आज के दिन ला एंड आर्डर की जितनी अच्छी पोजिशन हरियाणा प्रदेश में है उतनी अच्छी पोजिशन शायद देश के दूसरे प्रदेशों में नहीं होगी। हरियाणा प्रदेश में चाहे माइन्योरिटी के लोग हैं और चाहे किसी दूसरे धर्म कर्म को मानने करो लोग हैं, सब के मन में यह बात बखूबी बैठी है कि हम हरियाणा प्रदेश में बडे आराम से रह रहे हैं और पूरे भाईचारे के साथ रह रहे हैं। दरियापुर का काण्ड हुआ था। उस काण्ड के बारे में मेरे अपोजिशन के भाइयों के मुंह से एक शब्द भी नहीं निकला। लेकिन इनके चहेते एक मंत्री वहां पर टी० वी० के कैमरे के साथ पहुंचे थे। उस काण्ड में बेगुहनाह लोगों को दनदनाती गोलियों से भून दिया गया, किसी बहिन का सुहागे लुट गया, किसी पिता का बेटा मर रागा और किसी मां का सपूत मर गया। इनके उस मती को इस बात की कोई परवाह नहीं थी लेकिन वे टी० वी० कैमरे के साथ अपनी तस्वीर दिखाने के लिये वहां पहुंच गए ताकि टी०वी० में उनका मुखड़ा आ जाए। उनका मुखड़ा तो 7 साल तक हम यहां पर देखते रहे कि कैसा था। उस समय चौधरी तैयब हुसैन तो हमारे साथ ही थे लेकिन श्री महेन्द्र प्रताप सिंह को तेजा खेड़ा का वह बाग आज तक याद आता है। (हंसी)

अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने अपने–अपने हल्कों के बारे में बहुत सारी बातें कही है। किसी ने स्कूलों के बारे में

मांग की है, किसी ने सड्कों की मांग की है और किसी माननीय सदस्य ने हास्पीटल बनाने के लिये कहा है। मैंने हर माननीय सदस्य के एक एक प्वायंट को नोट कर लिया है। सरकार सभी प्वायंट्स को ऐग्जामिन करके उनको पूरा करने के लिये मुनासिब कदम उठाएगी। इस नई सरकार का यह पहला बजट सैशन है। मैं उन सभी माननीय सदस्यों को मुबारिकवाद देता हूं जिन्होंने नए सदस्य होते हुए भी इन तीन चार दिनों में गवर्नर ऐड्रैस पर अपने विचार रखे और बहस बिल्कुल जानदार रखी। जिन जिन माननीय सदस्यों ने डिबेट में पार्टीसिपेट किया मैं उन सब को मुबारिकबाद देता हूं।

स्पीकर साहब, में अन्त में एक बात का और जिक्र करना चाहूंगा कि गवर्नर साहब ने हरियाणा की राज भाषा में अपना ऐड्रैस पड़ करके अपने पद की गरिमा को बढ़ाया है और साथ ही उन्होंने हिन्दी प्रेम का सबूत दिया है। (तालियां)हालांकि उनको हिन्दी में अपना ऐड्रैस पढ़ने में काफी तकलीफ हो रही थी। उनको अपना ऐड्रैस पढ्ने में 80 मिनट लगे। इन शब्दों के साथ मैं निवेदन करूंगा कि 14 मार्च 1988 को गवर्नर महोदय ने अपना ऐड्रैस पढ़ करके हमारे अपर बड़ी मेहरबानी की है और उसपर डा० मंगल सैन जी ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है मैं उसका पुरजोर समर्थन करते हुए उसको सर्वसम्मति से पास करने के लिये सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना करता हू।

उप–मुख्य मंत्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): स्पीकर साहब, मैं एक क्लैरिफिकेश देना चाहता हूं। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए चौधरी तैयब हुसैन ने यहबात की थी कि अनुपूरक मांगों में कर्जा माफी के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया यानी कोई प्रोवीजन कर्जा माफी के बारे में इनमें न ही रखा गया। मैं आपके माध्यम से चौधरी तैयब हुसैन साहब से प्रार्थना करना चाहूंगा कि ये जरा पड़ लिया करें कि इन अनुपूरक मांगों में इस संबंध मेंकोई जिक्र किया गया हैया नहीं। मैं यह बात स्पष्ट करना चाहता हूं कि अनुपूरक मांगों के पेज 73 पर कर्जे माफी के लिये दस करोड रुपये का प्रावधान किया हुआ है। राज्यपाल के अभिभाषण धन्यवाद के प्रस्ताव पर मतदान

श्री अध्यक्ष: अब मैं मोशन पुट करता हूं।

प्रश्न है–

कि गवर्नर साहब को एक ऐड्रैस फौलोइंग टर्मज में प्रैजैटं किया जाए–

"That the members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the address which he has been pleased to deliver to the House on the 14th March, 1988".'

The motion was carried.

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रातः साढे नौ बजे तक के लिये ऐडजर्न किया जाता है

17. 27 बजे

(तत्पश्चात सदन मंगलवार, दिनांक 22–3– 1988 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)